सेंसेक्स 84,818.13 ● निफ्टी 25,898.55 ● डॉलर 90.37 ₹ ● सोना 1,26,890 ₹ ● चांदी 2,09,000 ₹

पेज 06 भावनाओं की अति इंसान को....
पेज 08 टेंपू चालक की आड़ में ब्राउन शुगर...

पारा आपडेट
मैक्सिमम 23.00 | मिनीमम 9.00
सूर्यास्त (आज) ▸ 17.04
सूर्योदय (कल) ▸ 06.20

बोकारो से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
हर खबर पर नजर

पौष माह कृष्ण पक्ष अष्टमी संवत 2082

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, शुक्रवार 12 दिसंबर 2025 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 08 अंक : 159 Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

पेज 12

झारखंड दर्शन के पाठकों व शुभेच्छुओं से आग्रह है कि किसी भी प्रकार के विज्ञापन देने के लिए आप फोन नंबर 9262578999 या 7979814155 पर सम्पर्क कर सकते हैं। साथ ही अगर आप तक हमारे अखबार की प्रति नहीं पहुंच रही है तो भी उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क कर सकते हैं।
प्रबंधक

आवश्यकता
हमारे हिंदी दैनिक झारखंड दर्शन को अपने लेखा विभाग के लिए एक योग्य और अनुभवी अकाउंटेंट और मार्केटिंग के लिए व्यक्ति की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपना रिज्यूमे इस ईमेल एवं फोन नंबर पर भेज सकते हैं।
email - jharkhanddarshan405@gmail.com
Phone - 91025 69636, 92625 78999

कैग की रिपोर्ट से बड़ा खुलासा
झारखंड में लघु खनिज प्रबंधन में भारी अनियमितताएं

वरीय संवाददाता

रांची। प्रधान महालेखाकार इन्दु अग्रवाल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में झारखंड में लघु खनिजों के प्रबंधन को लेकर चौंकाने वाली अनियमितताएं उजागर की हैं। कैग की इस रिपोर्ट के अनुसार, बालू घाटों के संचालन, पत्थर खदानों के पट्टों की स्वीकृति और नीलामी में भारी गड़बड़ियां हुईं, जिससे राज्य को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है। रिपोर्ट बताती है कि कई खनन पट्टे वन भूमि पर अवैध तरीके से दिए गए, जबकि नीलामी प्रक्रिया बेहद धीमी रही और सिर्फ 3.77% ब्लॉकों की नीलामी हो सकी। राजस्व 2017-18 के 1,082 करोड़ से घटकर 2021-22 में 697 करोड़ रह गया।

साहिबगंज में अधिकार से बाहर जाकर पट्टा आवंटन, वन भूमि पर भी खनन पट्टे

कैग की नवीनतम रिपोर्ट में झारखंड के साहिबगंज, चतरा और पलामू जिलों में पट्टा आवंटन में गंभीर गड़बड़ियां उजागर हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि साहिबगंज में उपायुक्त ने अपने अधिकार क्षेत्र से अधिक 4.74 हेक्टेयर भूमि पर पट्टा स्वीकृत कर दिया, जिसे ई-नीलामी के लिए जाना चाहिए था। चतरा और पलामू में तो वन भूमि को गैर-मजरुआ परती दिखाकर आठ पट्टे दे दिए गए। यह सीधे तौर पर वन संरक्षण अधिनियम 1980 का उल्लंघन है।

बालू घाट संचालन में बड़ी चूक : 608 में से सिर्फ 21 घाट परिचालित,

70.92 करोड़ का नुकसान

झारखंड राज्य में बालू घाटों के संचालन को लेकर कैग की रिपोर्ट ने बड़ा खुलासा किया है। झारखंड राज्य खनिज विकास निगम को सौंपे गए 608 बालू घाटों में से केवल 21 का ही संचालन किया जा सका। माइनिंग प्लान और पर्यावरणीय स्वीकृतियों में देरी के कारण 9,782 एकड़ क्षेत्र के 368 घाट वर्षों तक बंद पड़े रहे। इस निष्क्रियता के कारण सरकार को 70.92 करोड़ के संभावित राजस्व से हाथ धोना पड़ा। इसके अलावा 2019 से 22 के दौरान बालू से संबंधित स्वामित्व राशि में 82 लाख से 7.61 करोड़ तक की विसंगतियां भी पाई गईं।

33.21 लाख घनमीटर अतिरिक्त खनन पर 205 करोड़ का जुर्माना भी नहीं लगा

झारखंड में अवैध खनन पर प्रशासनिक ढिलाई एक बार फिर सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चार जिलों के 26 पट्टाधारियों ने तय सीमा से 33.21 लाख घनमीटर अधिक लघु खनिजों का खनन किया, जिसका जुर्माना 205.21 करोड़ बनता था। लेकिन जिला खनन कार्यालयों ने न तो जुर्माना लगाया और न ही वसूली की। इसी तरह 30 मामलों में 27.53 करोड़ तथा 15 मामलों में 2.23 करोड़ की वसूली नहीं की गई, जिससे करोड़ों का राजस्व का नुकसान हुआ।

पर्यावरणीय स्वीकृति में गड़बड़ी : गलत दस्तावेजों पर मिली मंजूरी, करोड़ों का अवैध खनन

कैग की रिपोर्ट में पर्यावरणीय स्वीकृति प्रक्रिया में गंभीर खामियां उजागर की गई हैं। आवेदकों ने जाली प्रमाण-पत्र लगाकर बड़ी भूमि को छोटे श्रेणी में दिखा दिया, जिससे उन्हें गलत वर्ग में पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई। इन गलत मंजूरियों के आधार पर पंजीकृत पट्टाधारियों ने वर्ष 2022-23 और 2023-24 के बीच 6.35 लाख घनमीटर पत्थर का अवैध उत्खनन किया, जिसका मूल्य लगभग 19.88 करोड़ है। खदानो में सुरक्षा अवरोध, वृक्षारोपण, वायु-ध्वनि निगरानी जैसे पर्यावरणीय उपायों को भी अधिकांश खदानों में नजरअंदाज किया गया।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशनल कारणों से श्रीनगर एयरपोर्ट पर पांच उड़ानें रद्द

श्रीनगर। ऑपरेशनल कारणों से गुरुवार को श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कम से कम पांच उड़ानें रद्द कर दी गईं है। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार आज दिन के लिए तय इंडिगो की चार उड़ाने रद्द कर दी गईं। इनमें अमृतसर के लिए फ्लाइट 6ई 6165 (09:45 बजे), दिल्ली के लिए 6ई 6761 (17:35 बजे), कोलकाता के लिए 6ई 6962 (18:45 बजे) और दिल्ली के लिए 6ई 2449 (20:40 बजे) शामिल हैं।स्पाइसजेट की भी एक उड़ान रद्द की गई है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के लिए 12:55 बजे की फ़्लाइट एसजी 664 ऑपरेट नहीं हुई। रद्द की गई उड़ानों में बुक किए गए यात्रियों को रीबुकिंग और आगे की मदद के लिए संबंधित एयरलाइन्स से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

प्रधानमंत्री ने महाकवि सुब्रह्मण्य भारती को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को महाकवि सुब्रह्मण्य भारती की जयंती पर उन्हें नमन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारती के ओजपूर्ण छंदों ने लोगों में साहस और राष्ट्रभावना का संचार किया। उनकी विचारधारा लोगों के मन पर अमिट छाप छोड़ने की शक्ति रखती है और भारत की सांस्कृतिक व राष्ट्रीय चेतना को आलोकित करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलग-अलग पोस्ट में कहा कि महाकवि भारती के छंदों ने जन-मानस में साहस का संचार किया और उनके विचारों ने लोगों के मन में स्थायी प्रभाव छोड़ा। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना को उजागर किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुब्रह्मण्य भारती ने न्यायपूर्ण और सर्वसमावेशी समाज के निर्माण के लिए कार्य किया। तमिल साहित्य के समृद्धिकरण में उनका योगदान अप्रतिम है।

एनआईए ने रामलिंगम हत्याकांड में दो फरार आरोपितों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2019 के चर्चित रामलिंगम हत्याकांड में सात वर्ष से फरार चल रहे दो मुख्य आरोपितों- मोहमद बुरहानुद्दीन और मोहमद नबील हसन को तमिलनाडु के वेल्लौर जिले के पलिकोंडा से गिरफ्तार किया है। साथ ही इनके तीन सहयोगियों के. मोहिदीन, मोहमद इमरान और थमीम अंसारी को भी हिरासत में ले लिया, जिन्होंने हत्या के बाद आरोपितों को छिपाने में उनकी मदद की थी।

झारखंड विधानसभा : शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन सदन में जमकर हुआ हो-हंगामा
सदन में गरमाया 15वें वित्त आयोग की राशि का मुद्दा, पक्ष-विपक्ष में नोक-झोंक

● मंत्री ने कहा मिलने के लिए समय नहीं देते केंद्रीय मंत्री

संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र के पांचवें और अंतिम दिन गुरुवार को केंद्रीय राशि के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर नोक-झोक हुई। मामले को उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार से अधिकारियों की टीम को दिल्ली जाकर मिलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से बार-बार कहा जाता है कि केंद्रीय राशि के लिए विपक्ष सहयोग करे, लेकिन जब उन्होंने इस मामले की पड़ताल की तो पता चला कि केंद्र सरकार की ओर से दी जाने वाली राशि को लेकर कुछ गाइडलाइन होते हैं जिसका पालन करना राज्य के लिए जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गाइडलाइन की जगह राज्य सरकार ने खुद की अपनी गाइडलाइन बना ली इस वजह से केंद्र और राज्य के बीच राशि को लेकर सामंजस्य स्थापित नहीं हो पा रही है।

बाबूलाल ने कहा कि वे भी जब क्षेत्र में जाते हैं तो पंचायतों में मुखिया पैसे की कमी की बात कहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति नहीं मिलने से एसटी और एससी के बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय राशि को लेने के लिए केंद्र सरकार की कुछ शर्तें होती हैं, जिसे राज्यों को पूरा करना होता है।

उन्होंने कहा कि राशि को लेकर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर या ग्रामीण विकास मंत्री या जरूरत पड़े तो मुख्यमंत्री को दिल्ली जाना चाहिए और इस मामले पर केंद्रीय मंत्रियों से बैठकर मामले को सुलझाना चाहिए। इस मामले में हमसभी सहयोग को तैयार हैं।

नेता प्रतिपक्ष को दी गई है गलत सूचना : मंत्री

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वे सरकार की ओर से कई बार सुन चुके हैं कि 15वें वित्त आयोग की राशि केंद्र की ओर से नहीं दी जा रही है। इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष प्रश्नकाल के दौरान यह मामला उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्या यह मामला अनुपूरक बजट से संबंधित है, यदि नहीं है तो प्रश्नकाल को चलने देना चाहिए। वहीं मामले पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को किसी ने इस संबंध में गलत सूचना दी है। उन्होंने कहा कि वे 15वें वित्त आयोग के पैसे के लिए पिछले एक वर्ष से प्रयास कर रही हैं। इसे लेकर उन्होंने केंद्र सरकार को कई बार उन्होंने पत्राचार भी किया है। उन्होंने कहा कि 15वें वित्त आयोग के 2700 करोड़ रुपये के लिए केंद्र सरकार की ओर से शर्तें रखी गई थीं, जिसे हमारी सरकार ने पूरा किया। इसे लेकर विभाग के सचिव और निदेशक के साथ पिछले छह माह से दिल्ली जाकर भी केंद्रीय मंत्रियों से मिलने की कोशिश की, लेकिन मामले में केंद्रीय पंचायती राज मंत्री मिलने का समय ही नहीं देते हैं।

हमने सरकार की शर्तों को पूरा किया : मंत्री

मंत्री ने कहा कि राशि को लेकर केंद्र सरकार की बाद में लगाई गई चार शर्तों को भी हमारी सरकार ने पूरा किया। बावजूद इसके केंद्र की ओर से राशि नहीं दी जा रही है। विभागीय मंत्री ने कहा कि 24 नवंबर को उन्होंने दूरभाष पर भी बात कर केंद्रीय मंत्री से 15वें वित्त आयोग के 1385 करोड़ रुपये देने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने इसे लेकर दिल्ली में केंद्रीय सचिव विवेक भारद्वाज से मिलकर राशि देने का आग्रह किया था। इस पर उन्होंने राशि जल्द मुहैया कराने की बात कही, लेकिन फिर भी केंद्र सरकार की ओर से अब तक राशि उपलब्ध नहीं कराई गई। संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि अफसोस की बात है कि केंद्र सरकार की ओर से जानबूझकर राशि नहीं दी जा रही है।

वित्त मंत्री ने सदन में पेश की कैग की रिपोर्ट

रांची। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान गुरुवार को झारखंड में लघु खनिजों के प्रबंधन और भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का वित्त लेखा परीक्षा और विनियोग लेखा से संबंधित लेखा परीक्षा की रिपोर्ट 2024-25 (कैग रिपोर्ट) को सदन के पटल पर रखा। इससे पहले सत्र के चौथे दिन सदन में पेश किए गए झारखंड पर्यटन विकास और निबंधन संशोधन विधेयक 2025 को पास किया गया।

हजारीबाग में आतंकी नेटवर्क और टेरर फंडिंग मामले में छापेमारी
एनआईए ने डॉ. जमील को लिया हिरासत में, कई सामान जब्त

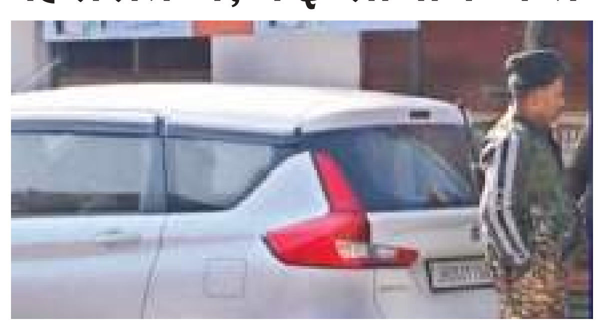

संवाददाता

हजारीबाग। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार सुबह हजारीबाग में मौजूद आतंकी नेटवर्क के लिंक्स और टेरर फंडिंग के एक व्यापक मामले की जांच के सिलसिले में छापेमारी की है। एनआईए ने फिलहाल डॉ. जमील को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है।

एनआईए ने हजारीबाग जिले के पेलावल थाना क्षेत्र के अंसार नगर इलाके में दांत के डॉक्टर जमील के घर पर छापेमारी की है, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। एनआईए की टीम सीआरपीएफ के जवानों के साथ पहुंची और तलाशी अभियान चला रही है। यह कार्रवाई घर में संदिग्ध गतिविधियों की जांच के संबंध में की गई है। सुरक्षा एजेंसी को पिछले कुछ समय से अंसार नगर क्षेत्र में संदिग्ध आवाजाही और कुछ डिजिटल संपर्कों के बारे में इनपुट मिल रहा था। इसके बाद केंद्रीय एजेंसियों ने इस इलाके में अपनी निगरानी बढ़ा दी थी। प्राथमिक जानकारी से पता चलता है कि कुछ विशिष्ट संचार लिंक और स्थानीय लोगों से मिले इनपुट के आधार पर एनआईए ने यह कार्रवाई की है।

एनआईए की टीम को संदिग्धों के घर के अंदर से महत्वपूर्ण दस्तावेज, मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामग्री मिली है, जिसकी जांच की जा रही है। जांच टीम अब जब्त किए गए सबूतों के आधार पर संदिग्धों के संभावित नेटवर्क, उनके वित्तीय लेनदेन और किसी भी तरह के बाहरी या अंतरराष्ट्रीय लिंक की पड़ताल कर रही है।

पूर्व आईएसआई चीफ फैज हमीद को 14 साल की कैद

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक सैन्य अदालत ने इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व प्रमुख फैज हमीद को कई मामलों में दोषी पाये जाने के बाद गुरुवार को 14 साल की कड़ी कैद की सजा सुनाई।

पाकिस्तानी सेना ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल हमीद के खिलाफ कानूनी कार्यवाही 12 अगस्त 2024 को पाकिस्तान आर्मी एक्ट के तहत शुरू हुई थी। पाकिस्तानी सेना ने बयान में कहा कि 15 महीने की सुनवाई के बाद उनके लिये यह सजा तय की गयी है।

हमीद को राजनीतिक कार्यों में शामिल होने, देश की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने की हद तक शासकीय गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने, सरकारी संसाधनों एवं प्राधिकार का दुरुपयोग करने और व्यक्तियों को 'गलत नुकसान' पहुंचाने के आरोप में दोषी पाया गया।

ओडिशा में 4,000 किलोग्राम विस्फोटक लूट का मामला
एनआईए ने 11 माओवादियों के खिलाफ दायर किया आरोपपत्र

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्र जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को ओडिशा के राउरकेला जिले में एक पत्थर की खदान के लिए ले जाए जा रहे लगभग 4,000 किलोग्राम विस्फोटक की लूट के मामले में 11 उग्रवादियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया।

जिन लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया गया है, उनमें जरजा मुंडा उर्फ कुलु मुंडा, अनमोल उर्फ सुशांत उर्फ लालच हेंब्रम, रमेश उर्फ पतिराम मांझी उर्फ अनल दा, पिंटू लोहरा उर्फ टाइगर, लालजीत उर्फ लालू, शिवा बोदरा उर्फ शिबू, अमित मुंडा उर्फ सुखलाल मुंडा, रवि उर्फ बीरेन सिंह, राजेश उर्फ मानसिद, सोहन उर्फ रंगा पुनेम और आप्टन उर्फ चंद्र मोहन हंसदा शामिल हैं।

एनआईए अधिकारी ने बताया, 'सभी 11 लोगों पर यूए(पी) कानून, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), हथियार कानून और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं।

● झारखंड के सारंडा में सक्रिय एक करोड़ का इनामी पतिराम मांझी भी शामिल

जांच के दौरान एनआईए ने पाया कि ये आरोपी लगभग 200 विस्फोटक पैकेट (जिनमें से प्रत्येक में 20 किलोग्राम विस्फोटक था) की लूट की आपराधिक साजिश, योजना और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल थे। ये विस्फोटक झारखंड के सारंडा जंगल में माओवादियों के गढ़ों में ले जाया जा रहा था। इसी दौरान स्थानीय पुलिस के 27 मई को वाहन को रोका था। वाहन को उसके ड्राइवर के साथ 10-15 हथियारबंद माओवादियों ने जबरन अगवा कर लिया और पास के जंगल में आतंकवादी संगठन के एक गढ़ में लेकर चले गये।

एनआईए ने जून में स्थानीय पुलिस से यह मामला अपने हाथ में लिया था। एनआईए ने जांच के दौरान पाया कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सरकारी मशीनरी (जिसमें पुलिस और सुरक्षा बल शामिल हैं) के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए लूटा गया था। यह लूट देश की सुरक्षा और स्थिरता को बाधित करने के लिए माओवादियों की साजिश का हिस्सा थी।

अपराध > ऑडियो क्लिप से गैंगवार की आशंका, मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी
बोकारो में धमकी के बाद युवक का फिल्मी स्टाइल में अपहरण

संवाददाता

बोकारो। हरला थाना क्षेत्र अंतर्गत एक हैरान कर देने वाला अपहरण का मामला सामने आया है, जहां एक कुख्यात अपराधी की सीधी धमकी के बाद एक युवक रहस्यमय ढंग से गायब हो गया है। अपहृत युवक की पहचान सेक्टर-8ए के आवास संख्या 2197 निवासी जयंत कुमार सिंह के रूप में हुई है, जो एक प्लांट में ठेका कर्मी है। युवक की पत्नी अमृता सिंह ने हरला थाने में इस संबंध में तत्काल अपहरण का मामला दर्ज कराया है, जिसमें विनोद खोपड़ी और मुकेश राय को सीधे तौर पर आरोपी बनाया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मुख्य आरोपी विनोद खोपड़ी के खिलाफ पहले से ही कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। अमृता सिंह ने पुलिस को एक चौंकाने वाला ऑडियो भी सौंपा है, जिसमें उनके पति और आरोपी विनोद खोपड़ी के बीच तीखी कहा-सुनी हो रही है और खोपड़ी द्वारा कथित तौर पर देख लेने की सीधी धमकी दी जा रही है।

पत्नी का आरोप-फोन पर पहले देख लेने की धमकी, फिर गायब हुआ पति

पत्नी ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 8 दिसंबर को बोकारो के सेक्टर 6 निवासी विनोद खोपड़ी ने पहले फोन पर बात की और उसके बाद देख लेने की धमकी देते हुए उनके पति को अपने कार्यालय बुलाने की बात कही। इसके बाद, 9 दिसंबर को मुकेश राय नामक व्यक्ति सीधे उनके घर आया और जयंत को विनोद खोपड़ी के कार्यालय ले जाने के लिए कहा, लेकिन जयंत ने जाने से साफ इनकार कर दिया था। सबसे नाटकीय घटनाक्रम 10 तारीख की रात लगभग 8 बजे हुआ, जब अमृता सिंह छत पर गईं और देखा कि उनके पति घर लौट रहे थे। इसी दौरान, ब्लॉक के सामने एक बाइक और एक सफेद रंग की संदिग्ध कार खड़ी थी, जिसके पास कुछ लोग मौजूद थे। पति को देखते ही अमृता सीढ़ी से उतरकर आवास की ओर आईं, लेकिन उनके पति घर नहीं पहुंचे। इसके बाद सुबह आठ बजे तक कॉल करने पर भी उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

आपसी रंजिश की आशंका, सीबीआई कनेक्शन

सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि अमृता सिंह ने आज दोपहर लिखित आवेदन दिया है, जिसमें विनोद खोपड़ी और मुकेश राय को नामजद किया गया है। पुलिस ने ऑडियो साक्ष्य को सुना है और कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि कोई सुराग मिल सके। मामले में सबसे बड़ा मोड़ यह है कि अपहृत जयंत कुमार सिंह स्वयं वर्ष 2014 में आर्म्स एक्ट के तहत जेल जा चुका है। इतना ही नहीं, अपहृत जयंत का भाई मुन्ना सिंह को भी सीबीआई ने पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के झालिदा में हुए पार्षद तपन कांदू हत्याकांड में गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल पुरुलिया जेल में बंद है। पुलिस इस हाई-प्रोफाइल मामले को आपसी रंजिश का परिणाम मानकर छानबीन में जुटी है। खबर लिखे जाने तक पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अरुणाचल में दर्दनाक हादसा, असम के 21 मजदूरों की मौत

एजेंसी

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के अंजॉओ जिले के मेतेंगलियांग गांव के पास सड़क से फिसलकर एक ट्रक लगभग 800 मीटर गहरी खाई में पलट गया, जिसके चलते से 21 मजदूरों की मौत हो गई। इस हादसे में घायल एक व्यक्ति के जरिये दो दिन बाद पुलिस को घटना की सूचना मिली, तब रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। घटनास्थल से 17 शव बरामद किए जा चुके हैं और बाकी चार शवों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक अनुराग द्विवेदी के अनुसार यह दुर्घटना 8 दिसंबर की रात करीब 9 बजे हुई, जब असम के तिनसुकिया जिले से चागलागाम अपने कार्यस्थल की ओर जा रहे मजदूरों का एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पूरे दो दिन बाद 10 दिसंबर को जब मजदूर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचे, तो मजदूरों के सहयोगियों ने हयूलियांग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इस पर हयूलियांग पुलिस ने लापता मजदूरों का पता लगाने के लिए स्थानीय सूत्रों से संपर्क किया।

इस बीच सेना, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन की बचाव टीमों ने दुर्घटनास्थल पर खोज और बचाव कार्य आरंभ किया है। अंतिम सूचना मिलने तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं और बाकी शवों को निकालने का प्रयास जारी है।

संक्षिप्त खबरें

गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाशोत्सव के लिए 15 से निकलेगी प्रभातफेरी

रांची। खालसा पंथ के संस्थापक सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज के 359वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में 15 दिसंबर से श्री गुरु सिंह सभा के दिशा निर्देशन में अलग-अलग गुरुद्वारों से प्रभातफेरी निकाली जाएगी। श्री गुरु सिंह सभा के महासचिव गगनदीप सिंह सेठी ने गुरुवार को बताया कि मेन रोड गुरुद्वारा से 15 दिसंबर से 22 दिसंबर तक सुबह 4.30 बजे से प्रभात फेरी निकालने का फैसला लिया गया। उन्होंने बताया कि पटना साहिब में होने वाले श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाशोत्सव और नगर कीर्तन में शामिल होने के लिए संगत का जत्था 24 दिसंबर को पटना श्री हरमंदिर साहिब के लिए रवाना होगा।

महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद ने आकाशवाणी केंद्र में क्रिसमस संदेश किया रेकॉर्ड

रांची। रांची कैथोलिक महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद रातु रोड में स्थित ऑल इंडिया रेडियो के आकाशवाणी केंद्र पहुंचे। वहां उन्होंने क्रिसमस संदेश रिकॉर्ड किया। महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद द्वारा संदेश का सीधा प्रसारण क्रिसमस पर्व के दिन 25 दिसंबर को प्रातः 10:30 बजे किया जाएगा। सन्देश रेकॉर्ड करने के पश्चात महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद ने वहां के कर्मचारियों के साथ विशेष बात- चीत की। साथ ही रेडियो पर प्रसारित कार्यक्रमों के बारे में जानकारी हासिल की। क्रिसमस संदेश रिकॉर्डिंग करने के अवसर पर रांची के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद के अलावा, जेवियर कंडुलना , ऑल इंडिया रेडियो रांची के निर्देशक, विनोद कुमार, आर्चबिशप के सेक्रेटरी फादर असीम मिंज एवं अन्य सहकर्मचारी मौजूद रहे ।

हिंदी साहित्य भारती, झारखंड प्रदेश की नवगठित कार्यसमिति की बैठक 21 को रांची में

रांची। हिंदी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संवर्धन के लिए समर्पित संस्था हिंदी साहित्य भारती, झारखंड प्रदेश की नवगठित कार्यसमिति की बैठक आगामी 21 दिसंबर 2025 (रविवार) को राजधानी रांची में होगी। यह बैठक होटल सिटी पैलेस, सर्कुलर रोड, लालपुर में प्रातः 11:00 बजे से आयोजित होगी। बैठक में हिंदी साहित्य भारती के राष्ट्रीय महामंत्री रामनिवास शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति रहेगे। बैठक में संगठन की नवगठित कार्यसमिति का परिचय, आगामी साहित्यिक कार्यक्रमों की रूपरेखा, राज्य में हिंदी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार को लेकर रणनीति तथा संगठनात्मक सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। साथ ही प्रदेश, जिला एवं स्थानीय स्तर पर साहित्यिक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर भी विचार-विमर्श होगा। हिंदी साहित्य भारती, झारखंड प्रदेश की महामंत्री डॉ. सुनीता कुमारी एवं अध्यक्ष अजय राय ने संयुक्त रूप से प्रदेश के सभी पदाधिकारीगण, सदस्यगण एवं जिला अध्यक्षों से अपील की है कि वे समय पर उपस्थित होकर बैठक को सफल एवं सार्थक बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

मध्यस्थता अभियान के चौथे दिन सुलझे 11 मामले

रांची। झालसा के निर्देश पर अध्यक्ष-सह-न्यायायुक्त, अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर की देखरेख में व्यवहार न्यायालय, रांची में पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान के चौथे दिन कुल 58 मामले विभिन्न न्यायालयों से स्थानांतरित होकर मध्यस्थता केंद्र, रांची में आये थे, जिसमें, 11 वादों को सफलतापूर्वक मध्यस्थों और अधिवक्ताओं के सहयोग से सुलझा लिया गया। दोनों पक्ष राजी-खुशी से अपने मामले को समाप्त करने के लिए तैयार हो गये।

रांची जिला में पेंशनधारियों को दिसंबर माह की पेंशन राशि का हुआ भुगतान

रांची। सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत रांची जिला में पेंशनधारियों को दिसंबर महीने की पेंशन राशि का भुगतान गुरुवार को कर दिया गया है। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री निर्देशानुसार राज्य संपोषित सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत जिले में कुल 2 लाख 28 हजार 349 लाभुकों के बैंक खाते में पेंशन राशि डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर कर दी गयी है। मुख्यमंत्री राज्य आदिम जनजाति पेंशन योजना 340, एचआईवी/एड्स पीड़ित व्यक्ति सहायतार्थ पेंशन योजना - 419, मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना - 179708, मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना - 47874, ट्रांसजेंडर/तृतीय लिंग के व्यक्तियों हेतु मुख्यमंत्री राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना ।

गुमला में अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा तोड़े जाने के खिलाफ रांची में प्रदर्शन

रांची। गुमला के अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा तोड़े जाने के खिलाफ गुरुवार को रांची के शहीद अल्बर्ट एक्का चौक पर सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने कहा कि गुमला स्थित जारी गांव में अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा को बुलडोजर लगाकर तोड़ दिया था, जबकि इसे अनुशासनपूर्वक जमीन पर रखा जाना था। लेकिन गुमला प्रशासन ने प्रतिमा को हटाने के लिए बुलडोजर का उपयोग किया, और प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई। पूर्व टीएसी सदस्य रतन तिर्की और सामाजिक कार्यकर्ता प्रभाकर तिर्की ने कहा कि बुलडोजर लगाकर प्रतिमा तोड़ने वाले प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी। राज्यपाल और सीएम से भी इसकी शिकायत करने का निर्णय लिया है। रतन तिर्की ने कहा कि जयंती के अवसर पर देश के सैनिकों ने अलबर्ट एक्का की प्रतिमा पर माल्यापर्ण करने नहीं पहुंचे. उन्हें श्रद्धांजलि तक नहीं दी।

दो दिन पूछताछ करेगी विनय सिंह से एसीबी

रांची। शराब घोटाला मामले की जांच कर रही राज्य सरकार की एजेंसी एसीबी जेल में बंद विनय सिंह से पूछताछ करेगी। रांची एसीबी कोर्ट ने इसकी अनुमति दे दी है। कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद एसीबी की टीम लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार हजारीबाग में विनय सिंह से पूछताछ करेगी। एसीबी की ओर से गुरुवार को कोर्ट में आवेदन देकर यह अनुमति मांगी गई थी कि भ्रष्टाचार के अलग-अलग मामलों में जेल में बंद विनय सिंह से तीन दिन पूछताछ करने की अनुमति दी जाए लेकिन कोर्ट ने दो दिनों की अनुमति दी है। विनय सिंह से एसीबी अगले सप्ताह के मंगलवार और बुधवार को पूछताछ करेगी। एसीबी विनय सिंह से पहले भी शराब घोटाला केस में पूछताछ कर चुकी है लेकिन उस पिछली बार पूछताछ में सहयोग नहीं मिला था। जिसके बाद अब एक बार फिरसे उनसे पूछताछ की जाएगी।

सीएम हेमंत सोरेन से मिला असम के चाय बागान का प्रतिनिधिमंडल

वरीय संवाददाता

रांची। असम के चाय बागान क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी परिवारों की समस्याओं को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को झारखंड विधानसभा परिसर में सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की। आदिवासी समन्वय समिति भारत (असम) के सदस्यों ने सीएम को चाय बागान क्षेत्र में बसे झारखंड मूल के आदिवासी समुदाय की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति पर गंभीर मुद्दों से अवगत कराया।

सदस्यों ने बताया कि असम सरकार की उदासीनता के कारण आदिवासी परिवार उपेक्षा और पिछड़ेपन का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शासनकाल में झारखंड से मजदूरों को असम ले जाकर बसाया गया था। लेकिन आज भी इन परिवारों को दोयम दर्जे का व्यवहार झेलना पड़ रहा है।

चाय बागानों में काम कर रहे आदिवासी श्रमिकों के वेतन, भूमि विवाद और सामाजिक पहचान से जुड़े मुद्दे लगातार अनसुलझे हैं।

राज्य सरकार जल्द ही एक डेलिगेशन जाएगा असम

सीएम ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि झारखंड सरकार आदिवासी समुदाय की पहचान और अधिकारों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही एक डेलिगेशन को असम भेजेगी, जो वहां रह रहे आदिवासी समाज की वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष अध्ययन करेगा।

सीएम ने चाय बागान श्रमिकों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि उनके दैनिक वेतन में वृद्धि और भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार सकारात्मक पहल करेगी। कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और अधिकारों की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और झारखंड उन समुदायों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है, जिन्हें ऐतिहासिक कारणों से आज भी संघर्ष करना पड़ रहा है।

मंत्री चमरा लिंडा सहित आदिवासी समन्वय समिति भारत (असम) के जीतेन केरकेट्टा, बिरसा मुंडा, तरुण मुंडा, गणेश, बाबूलाल मुंडा और मंगल हेंब्रम उपस्थित रहे।

रेल मंत्री से मिले रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ

रांची में रेल यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी का किया आग्रह

रांची से अहमदाबाद, जयपुर और हरिद्वार के लिए नई ट्रेन का किया आग्रह

वरीय संवाददाता

रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने गुरुवार को नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। इसक्रम में श्री सेठ ने रांची को दी जा रही रेल परियोजनाओं के लिए उनके प्रति आभार जताया और रांची में रेल यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर आग्रह पत्र सौंपा। अपने पत्र में श्री सेठ ने कहा कि झारखंड की राजधानी होने के कारण रांची से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री आवागमन करते हैं। कई शहरों से सीधे कनेक्टिविटी नहीं होने के कारण उन्हें बड़ी समस्या होती है। इसके समाधान हेतु विभिन्न ट्रेनों के परिचालन और फेरे बढ़ाने जैसे विषयों की तरफ सकारात्मक पहल आवश्यक है।

उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि रांची से आनंद विहार को जाने वाली हटिया आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस

(ट्रेन न.-12825/12826) का विस्तार जयपुर तक किया जाए। इससे झारखंड और राजस्थान की कनेक्टिविटी सुगम हो जाएगा। रांची से अहमदाबाद के लिए नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन शुरू किया जाए। इससे देश के कई राज्यों की कनेक्टिविटी हो सकेगी। इस ट्रेन के परिचालन से आम जनता का आवागमन भी सुगम हो सकेगा। रांची से लोहरदगा के लिए एक पैसेंजर ट्रेन चलती है। इस पैसेंजर ट्रेन के फेरे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है, ताकि अधिक से अधिक लोग सुगम यात्रा कर सकें। इसकी मांग भी क्षेत्र

की जनता लंबे समय से कर रही है। रांची, सिल्ली, मुरी के लिए भी एक नई मेमू ट्रेन के परिचालन की आवश्यकता है। प्रतिदिन इन क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान, विद्यार्थी, नौकरी-पेशा से और व्यवसाय से जुड़े रांची आवागमन करते हैं। ऐसे में नई मेमू ट्रेन का परिचालन यात्रा को और भी सुगम बनाएगा। हटिया-सांकी पैसेंजर/एक्सप्रेस (ट्रेन न०-58663/58664/58665/58666) का विस्तार बरकाकाना-हजारीबाग टाउन तक किया जाए। ऐसा किए जाने से आम जनता की यात्रा कम खचीर्ली और सुगम हो सकेगी। रक्षा राज्य मंत्री ने रेल मंत्री से रांची बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस को सप्ताह में 3 दिन वाया बक्सर होते हुए चलाने का आग्रह किया। उसके अतिरिक्त धरती आबा एक्सप्रेस, हटिया पुने एक्सप्रेस, हटिया एलटीटी एक्सप्रेस, हटिया बेंगलुरु एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों के फेरे बढ़ाए जाने का भी आग्रह श्री सेठ ने रेल मंत्री से किया है।

सुखदेव नगर पुलिस की ब्राउन शुगर के खिलाफ बड़ी कारवाई

ब्राउन शुगर धंधेबाज पति-पत्नी और भाई समेत चार गिरफ्तार

34 ग्राम ब्राउन शुगर और 5 लाख 82 हजार जब्त

सासाराम के शाहिद और पिंटु साह से खरीद कर करते हैं बिक्री

वरीय संवाददाता

रांची। सुखदेव नगर थाने की पुलिस ने जिले के पुलिस कप्तान राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना पर कारवाई करते हुए ब्राउन शुगर के एक महिल समेत चार बड़े सौदागरों को दबोचा है,पुलिस ने इनके पास से कुल 34 ग्राम बीएस और इसे बिक्री से जमा 5 लाख 82 हजार रुपये भी बरामद किये हैं।

मामले की जानकारी देते हुए कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया जिले के पुलिस कप्तान राकेश रंजन को गुप्तचरों से जानकारी प्राप्त हुई थी की चूना भट्ठा में रहने वाला अमित सोनी बड़े पैमाने पर ब्राउन शगर की खरीद बिक्री करता है, जिस पर कार्रवाई के लिए सिटी एसपी पारस राणा के द्वारा डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में थाना प्रभारी सुनील कुशवाहा के साथ एसआईटी बना कर रात करीब ढाई बजे अमित सोनी के घर पर छापेमारी की गयी जहां से पुलिस को कुल 21ग्राम बीएस हाथ लगी, अमित ने पुलिस को बताया कि इसके साथ इस धंधे में रातु रोड के सेंट्रल बैंक गली में रहने वाला अनिकेत उर्फ शिनु का पुरा परिवार भी जुड़ा हुआ है, इसके बाद अमित की निशानदेही पर अनिकेत के घर पर पुलिस ने दबिश बना कर अनिकेत उर्फ शिनु और उसके भाई सोनु के पास से कुल ढाई ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया, वहीं महिला पुलिस द्वारा घर की तलाशी लेने पर एक कमरे में कंबल ओढ़ कर सो रही अनिकेत की पत्नी को उठने कहा गया तो वह उठने और पुलिस को मदद करने से इंकार कर गयी जिस पर पुलिस का शक बढ़ गया, पुलिस ने अनिकेत की पत्नी अनिशा कुमारी का कंबल हटा कर उसे बेड से उठाया तब पता चला की वह रुपयों को छिपा कर सोने का बहाना कर रही थी, बाद में पुलिस ने अनिशा कुमारी के पास से ब्राउन शुगर बिक्री कर जमा किये हुए 5 लख 82 हजार रुपये मोबाइल व अन्य सामान जब्त कर लिये।

पूछताछ में अनिकेत और उसका भाई सोनु व अनिशा ने पुलिस को बताया की ये लोग सासाराम से पिंटु साह से बीएस खरीद कर रांची लाते हैं और महंगे दामों में बिक्री करने का धंधा करते हैं। जबकि आरोपी अमित सोनी ने पुलिस को बताया की वह सासाराम में शाहिद से बीएस ला कर रांची में नशे का धंधा करता है।

ओबीसी के छात्रों को छात्रवृति के नाम पर गुमराह कर रही है भाजपा: कमलेश

वरीय संवाददाता

रांची। कांग्रेस भवन में गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि भाजपा छात्रवृति के नाम पर ओबीसी के छात्रों को गुमराह कर रही है। एक ओर केन्द्र की सरकार राज्य को छात्रवृति का पैसा उपलब्ध नहीं करा रही है।

भाजपा के नेता छात्रवृति पर विधवा विलाप कर संवेदना लेना चाहती है, जबकि हकीकत यह कि राज्य सरकार ने छात्रवृति के मद में केन्द्र सरकार से 2023-24 में 271 करोड़ रूपैया मांगा और केंद्र सरकार ने भुगतान सिर्फ 77 करोड ही किया। पुनः 2024-25 में 253 करोड रूपैया मांगा गया और मिला सिर्फ 33 करोड़, 2025-26 में 370 करोड मांगा गया और मिला 13 करोड रूपैया। भाजपा के नेताओं को इसपर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और महागठबंधन की सरकार इस पर काफी संजीदा है। हम छात्रों को छात्रवृत्ति का पैसा दिलवाकर रहेंगे इसके लिए 10 जनवरी 2026 को बडे पैमाने पर हमारी छात्र संगठन एनएसयूआई लोकभवन का घेराव करेगी और यह बताने का काम करेगी कि लोकभवन लोकहित में काम करे और छात्रों को छात्रवृति दिलाने में मदद करें और केन्द्र में फसी राशि राज्य सरकार को उपलब्ध करवायें।

झारखंड में बिना को-ऑर्डिनेशन कमेटी के महागठबंधन की चल रही है सरकार

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड में जेएमएम के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार चल रही है। इस सरकार में राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस शामिल है और सीपीआई माले सरकार को बाहर से समर्थन कर रहा है। चार दलों के सहयोग से चल रही सरकार में समन्वय स्थापित करने के लिए वर्तमान में कोई समन्वय समिति (को-ऑर्डिनेशन कमेटी) नहीं है। हेमंत सोरेन सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान बनी समन्वय समिति का कार्यकाल नवंबर महीने में समाप्त हो चुका है और वर्तमान में बिना को-ऑर्डिनेशन कमेटी के महागठबंधन की सरकार चल रही है। इस बीच राज्य की सत्ता में शामिल झामुमो, राजद और कांग्रेस ने सरकार में शामिल दलों की समन्वय समिति को जरूरी बताते हुए उम्मीद जताई है कि मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन जल्द सभी सहयोगी दलों के साथ बैठक कर को-ऑर्डिनेशन कमेटी गठित करेंगे।

जल्द समन्वय समिति पुनर्गठित होने की उम्मीद-कमलेश

राज्य में चल रही महागठबंधन की सरकार में शामिल दलों के बीच समन्वय और सभी दलों की चुनावी घोषणापत्रों के अनुरूप सरकार चलें इसके लिए समन्वय समिति (को-ऑर्डिनेशन कमेटी) को बेहद जरूरी बताते हुए झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और खुद समन्वय समिति के सदस्य रहे केशव महतो कमलेश ने कहा कि को-ऑर्डिनेशन कमेटी को लेकर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के.राजू की महागठबंधन के नेता हेमंत सोरेन से बात हुई है और उम्मीद है कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र के बाद को-ऑर्डिनेशन कमेटी गठित कर ली जाएगी।

बेहद कारगर हो जाती है को-ऑर्डिनेशन कमेटी की भूमिका-राजद

राज्य में चल रही महागठबंधन की सरकार को जन आकांक्षाओं पर खरी उतरने वाली सरकार बताते हुए राजद के प्रदेश सचिव रामकुमार यादव ने कहा कि को-ऑर्डिनेशन कमेटी की भूमिका तब बड़ी हो जाती है, जब अलग-अलग दलों के बीच किसी मुद्दे पर समन्वय बनाने की जरूरत होती है। श्री यादव ने कहा कि पूर्व की कमेटी में क्यों बैठकें नहीं हुईं यह अलग मामला है, लेकिन यह बेहद जरूरी है।

को-ऑर्डिनेशन कमेटी पर फैसला हेमंत सोरेन लेंगे: मनोज

झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि किसी भी गठबंधन वाली सरकार में विभिन्न मुद्दों पर समन्वय स्थापित करने के लिए समन्वय समिति यानी को-ऑर्डिनेशन कमेटी की भूमिका को झारखंड मुक्ति मोर्चा भी जरूरी मानता है, लेकिन यह कब गठित होगा इसका फैसला उनके नेता हेमंत सोरेन को लेना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी सहयोगी दलों के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक के बाद समन्वय समिति गठित कर ली जाएगी।

बाबूलाल ने की विधायक और मंत्री के बीच हुई बातचीत की जांच कराने की मांग

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पांचवें और अंतिम दिन गुरुवार को प्रश्नकाल के साथ सदन की कार्यवाही शुरू हुई। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने विधायक और मंत्री के बीच हुई बातचीत की जांच कराने की मांग की। बाबूलाल ने ध्यान आकर्षण के दौरान चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके पास इसकी सीडी भी उपलब्ध है, जो मैं आपको दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह भ्रष्टाचार का मामला है और विधानसभा अध्यक्ष से इस मामले में हस्तक्षेप कर जांच कराने की मांग की। इस पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि जिस प्रकरण की जिक्र हो रही है, वह एक पार्टी कार्यालय के भीतर का मामला है और इससे विधानसभा का कोई सरोकार नहीं है। बाबूलाल ने सदन में उठे छात्रवृति मामले, जिसमें केंद्र सरकार पर सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया था, उसपर कहा कि इस मामले की जांच पर पाया कि झारखंड सरकार ने केंद्र सरकार की गाइडलाइन का पालन नहीं कर 2022 में अपनी गाइडलाइन बना दी।

झारखंड केंद्रीय विवि में भारतीय शास्त्रीय संगीत का भव्य आयोजन

पद्मभूषण एवं ग्रैमी पुरस्कार विजेता पंडित विश्वमोहन भट्ट और तबला विशारद हिमांशु महंत की मनमोहक प्रस्तुति

संवाददाता

रांची। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में भारतीय शास्त्रीय संगीत की विरासत को अनुभव कराने के उद्देश्य से आज स्पिक मैके के सहयोग से एक भव्य संगीत संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविख्यात मोहन वीणा वादक, पद्मभूषण एवं ग्रैमी पुरस्कार विजेता पंडित विश्वमोहन भट्ट ने अपनी अद्वितीय प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ बनारस घराना के प्रख्यात तबला वादक एवं पंडित

किशन महाराज के शिष्य हिमांशु महंत ने सधे हुए ताल-लय से संगत किया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में शाम 4:30 बजे आरंभ हुआ।

आयोजन स्थल पर पंडित विश्वमोहन भट्ट और हिमांशु महंत का स्वागत प्रो. श्रेया भट्टाचार्जी तथा परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी. बी. मिश्रा ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र प्रदान कर किया। इस अवसर पर वित्त अधिकारी श्री पी. के. पंडा, प्रो. सुचेता सेन चौधरी, प्रो. तपन कुमार बसंतिया, प्रो. विमल किशोर, डॉ. शशि सिंह, डॉ. भास्कर सिंह और डॉ. सुदर्शन यादव सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। सीबीपी के प्रतिभागियों ने भी कार्यक्रम में सम्मिलित होकर शास्त्रीय संगीत की बारीकियों को समझा।

पंडित विश्वमोहन भट्ट ने अपनी आध्यात्मिक गहराई, सुरों की नजाकत और मोहन वीणा की अनूठी ध्वनि से दर्शकों को मंत्रबद्ध कर दिया। विश्व मंच पर भारतीय संगीत को नई पहचान दिलाने में उनकी मोहन वीणा एवं विश्व वीणा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। वहीं युवा तबला वादक हिमांशु महंत ने अपनी सुगठित तकनीक और उत्कृष्ट लयबद्धता से पंडितजी के साथ तालमेल साधते हुए कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। दोनों कलाकारों की जुगलबंदी विश्वविद्यालय समुदाय के लिए एक दुर्लभ और अविस्मरणीय अनुभव बनी।

कार्यक्रम के संयोजक और विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. शशि कुमार मिश्रा ने कहा– अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों की प्रस्तुति सुनना विद्यार्थियों, शोधार्थियों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों के लिए एक अद्भुत अवसर था। इस आयोजन ने सभी को भारतीय संगीत की गहराई और उसकी विशिष्टता को समझने का अवसर दिया।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, संगीत प्रेमियों और शहर के नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा से परिचित कराने वाला यह आयोजन विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज होगा।

स्वास्थ्य सेवाओं को रूटीन की तरह नहीं, बल्कि समर्पण से करें: उपायुक्त

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की व्यापक समीक्षा की और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण व कड़े दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार और सिविल सर्जन डॉ. ए बी प्रसाद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने स्वास्थ्यकर्मियों से अपील की कि वे अपने कार्य को केवल रूटीन की तरह न लें, बल्कि समर्पण और पैशन के साथ करें, क्योंकि उनकी भूमिका सीधे आमजन की जिंदगी से जुड़ी है। उन्होंने टीम भावना, समय पालन और गुणवत्तापूर्ण सेवा को अनिवार्य बताते हुए सेवा भाव से कार्य करने पर जोर दिया। उपायुक्त ने मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी एएनसी (एंटिनेटल केयर) जांच के प्रदर्शन पर चिंता जताते हुए सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रखंड चिकित्सा प्रभारी पदाधिकारी (एमओआइसी) को नियमित बैठकें आयोजित कर सभी एएनएम, आंगनबाड़ी कर्मियों व स्वास्थ्य सहिया की समीक्षा और मॉनिटरिंग करने को कहा। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि एमओआइसी केवल चिकित्सा अधिकारी नहीं, बल्कि पूरे प्रखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करने के लिए प्रशासक की भूमिका निभाएं। उन्होंने जिले में हर गर्भवती का शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने का कड़ा निर्देश दिया। उपायुक्त ने एमओआइसी को प्रखंडवार गंभीर रोग ग्रस्त मरीजों की मैपिंग करने और उनकी स्वास्थ्य स्थिति का हेल्थ कार्ड तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि निगरानी और उपचार की प्रक्रिया और मजबूत हो सके। टीकाकरण की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि निजी अस्पतालों में जन्मे शिशुओं को शत-प्रतिशत जीरो डोज सुनिश्चित किया जाए, जिसके लिए इन अस्पतालों में प्रचार-प्रसार और डिस्प्ले बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा। उन्होंने जिले के चिह्नित 2275 टीबी मरीजों को फूड बास्केट योजना का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के लिए सीएसआर नोडल पदाधिकारी श्री शक्ति कुमार को आवश्यक कार्रवाई और समन्वय करने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार ने एएनएम की कार्यकुशलता में सुधार के लिए उन्हें बेहतर प्रदर्शन वाले स्वास्थ्य केंद्रों में व्यावहारिक (हैंड्स-ऑन) प्रशिक्षण देने हेतु एक कैलेंडर तैयार करने को कहा। उन्होंने कम प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी। साथ ही, यह भी निर्देश दिया गया कि जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और सब-सेंटर में संस्थागत प्रसव की व्यवस्था अनिवार्य रूप से शुरू की जाए। बैठक में टीकाकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीबी उन्मूलन, मलेरिया, कुपोषण, आयुष्मान, मेंटल हेल्थ, दवा उपलब्धता, मैनपावर, रिपोर्टिंग सिस्टम समेत एनएचएम के सभी प्रमुख कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जमीनी स्तर पर सेवा का प्रभाव देखने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों से समय पर ड्यूटी, फील्ड विजिट और सटीक रिपोर्टिंग करने को कहा। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों के साथ अच्छा व्यवहार करने की अपील भी की, जिससे स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

संक्षिप्त खबरें

कार्मेल स्कूल का वार्षिक खेलकूद समारोह आज, सीआईएसएफ असिस्टेंट कमांडेंट करेंगे उद्घाटन

बोकारो। बोकारो थर्मल स्थित कार्मेल स्कूल का बहुप्रतीक्षित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन कल, 12 दिसंबर को स्कूल मैदान में किया जाएगा। स्कूल की प्राचार्य सिस्टर एम डीलिया ने इस संबंध में जानकारी दी। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट दिव्यांश भारद्वाज द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डीवीसी के भू-संपदा अधिकारी सुरजीत सरकार और पुलिस निरीक्षक पिंकू कुमार यादव भी मौजूद रहेंगे। इस आयोजन के लिए स्कूल प्रबंधन और छात्र उत्साह से तैयारियों में जुटे हैं, जो छात्रों में खेल भावना और अनुशासन को प्रोत्साहित करेगा।

चंदनकियारी में ही होगी नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा

बोकारो। आगामी 13 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 के संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कार्यालय ने एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। यह सूचना चन्दनकियारी प्रखंड के अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र में परीक्षा केन्द्र के नाम में हुई एक तकनीकी मुद्रण त्रुटि से संबंधित है। डीईओ कार्यालय के अनुसार चन्दनकियारी प्रखंड के लिए निर्धारित वास्तविक परीक्षा केन्द्र होलीक्रास पब्लिक स्कूल, चन्दनकियारी है। हालांकि, तकनीकी त्रुटि के कारण कुछ अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र पर परीक्षा केन्द्र होलीक्रास पब्लिक स्कूल, चास चन्दनकियारी मुद्रित हो गया है। परीक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह केवल एक प्रिंटिंग त्रुटि है और वास्तविक परीक्षा केन्द्र में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। जिन अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र में गलत केन्द्र दशार्या गया है, वे भी होलीक्रास पब्लिक स्कूल, चन्दनकियारी में ही निर्धारित समय पर परीक्षा देने के लिए पहुंचें। जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा ने बताया कि अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए संबंधित विद्यालय और प्रशासनिक टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं, ताकि परीक्षा दिवस पर किसी प्रकार की असुविधा न हो। अभिभावकों और छात्रों से अपील की गई है कि वे सही परीक्षा केन्द्र की जानकारी से अवगत रहें और समय से उपस्थित हों, ताकि परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

बीएसएल में लाइम क्रशर यूनिट शुरू, इससे इस्पात उत्पादन को मिलेगी गति

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट ने अपने रॉ मटेरियल प्रबंधन (आरएमपी) प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। आरएमपी विभाग के लाइम डिस्चार्ज परिसर में 100 टन प्रतिदिन की उत्पादन क्षमता वाली एक नई लाइम क्रशर यूनिट की स्थापना की गई है। इस यूनिट का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन ने किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनूप कुमार दत्त भी उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री रंजन ने कहा कि यह नई लाइम क्रशर यूनिट इस्पात उत्पादन प्रक्रिया को अधिक गतिशील और दक्ष बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने इस परियोजना से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और एफएसएनएल कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए इसे बीएसएल की उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि की दिशा में एक अहम कदम बताया। यह यूनिट सिंटर प्लांट के लिए फ्लक्स उत्पादन में योगदान देगी। इसके अतिरिक्त, यह यूनिट आरएमपी विभाग के रोटरी किल्न को लेस ऑफ-टेक की स्थिति से बचाते हुए किल्न की उत्पादकता और रिफ्रैक्टरी लाइनिंग लाइफ में भी उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करेगी।

एनएच -32 सड़क मरम्मत का कार्य शुरू

बोकारो। बोकारो विधायक श्रीमती श्वेता सिंह के लगातार पत्राचार और प्रयासों का संज्ञान लेते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 32 (एनएच-32) की मरम्मती और सुदृढ़ीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। वर्तमान में यह कार्य आई. टी.आई. मोड़, चास से प्रारम्भ किया गया है। विधायक श्रीमती सिंह ने 17 जनवरी 2025 को केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और 02 जून 2025 को बोकारो जिला उपायुक्त को पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया था कि बालीडीह टोल प्लाजा से तेलीडीह मोड़ तक का राष्ट्रीय राजमार्ग अत्यंत जर्जर स्थिति में है और कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे आमजन के लिए आवागमन अत्यधिक कठिन हो गया है।

डीवीसी के महिला स्वास्थ्य जागरूकता शिविर में महिलाओं को मिला पोषण सुरक्षा कवच

बोकारो। बोकारो थर्मल के गोविंदपुर ई पंचायत सचिवालय में गुरुवार को दामोदर वैली कॉर्पोरेशन के सीएसआर विभाग और हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में एक बृहद महिला स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उनमें व्याप्त पोषण संबंधी कमियों, विशेषकर एनीमिया को दूर करना था। शिविर का उद्घाटन हॉस्पिटल की डीजीएम हेल्थ डॉ. संगीता रानी, डॉ. सतीश कुमार, जिला परिषद सदस्य शहजादी बानो, मुखिया विश्वनाथ महतो, पंचायत समिति सदस्य अनिता देवी और सीएसआर के वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

8 डिग्री सेल्सियस की ठिठुरती रात में गरीबों का हाल जानने सड़कों पर उतरे डीसी

कहीं भी अलाव की व्यवस्था न देख विफरे, लापरवाही पर सीओ को किया शोकॉज

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो में कड़ाके की ठंड और सर्द रात के बीच, जहां तापमान लगभग 8 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है, वहीं जिला प्रशासन की संवेदनशीलता की परीक्षा भी हो रही है। आम जनता के प्रति अपनी सहानुभूति और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए, उपायुक्त अजय नाथ झा बुधवार की देर रात अचानक बोकारो और चास की सड़कों पर निकल पड़े। उनका उद्देश्य था उन गरीबों, मुसाफिरों और रात भर ठिठुरने वाले लोगों का हाल जानना, जिनके लिए उन्होंने एक सप्ताह पहले ही सभी चौक-चौराहों पर अलाव जलाने का निर्देश जारी किया था।

ठंड के कहर और निर्देशों की अनदेखी की शिकायत जब उपायुक्त तक पहुंची, तो उन्होंने प्रशासनिक सुस्ती पर गहरी नाराजगी जताई और खुद जमीनी हकीकत का जायजा लेने का फैसला किया। उपायुक्त ने सेक्टर 1-सी, राम मंदिर, 12 मोड़, दुंदीबाद मोड़, नया मोड़ बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, आईटीआई मोड़ और चास के धर्मशाला मोड़ तक का सघन दौरा किया।।निरीक्षण के दौरान, उपायुक्त ने पाया कि चास निगम क्षेत्र के धर्मशाला चौक को छोड़कर कहीं भी अलाव जलता हुआ नहीं मिला। यह स्थिति देखते ही उपायुक्त अजय नाथ झा ने तुरंत एक्शन लेते हुए चास सीओ रामसेवक साहू को शोकॉज जारी कर दिया। बोकारो शहरी क्षेत्र में भी लापरवाही पाए जाने पर, उन्होंने बीएसएल के नगर सेवा विभाग को 24 घंटे के अंदर सभी महत्वपूर्ण चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने का कड़ा निर्देश दिया। इस औचक निरीक्षण के बाद उपायुक्त अजय नाथ झा ने स्पष्ट संदेश दिया कि आम जनता को राहत पहुंचाने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे मौसम की स्थिति को देखते हुए समय पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएं। उन्होंने बताया कि इस बाबत सभी अंचलों, नगर निगम चास व नगर परिषद फुसरों को राशि और निर्देश पहले ही उपलब्ध कराए जा चुके हैं, बावजूद इसके अलाव की व्यवस्था न होना अधिकारियों की घोर लापरवाही को दर्शाता है।

श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल बोकारो में पराक्रमः फिटनेस फिएस्टा 2025 का भव्य आयोजन, बच्चों ने दिखाया जोश और खेल भावना

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील सिटी स्थित श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल में गुरुवार को वार्षिक खेल दिवस पराक्रमः फिटनेस फिएस्टा 2025 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन प्री-नर्सरी से कक्षा 5 तक के नन्हे प्रतिभागियों ने रंगारंग प्रस्तुतियों, अनुशासन और उत्कृष्ट खेल कौशल से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएल के ईडी (वर्क्स) प्रिय रंजन ने उपस्थित होकर ध्वजारोहण, परेड निरीक्षण, शपथ ग्रहण और प्रतीकात्मक मशाल प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। विद्यालय के अध्यक्ष पी. राजगोपाल ने बच्चों के समग्र विकास, अनुशासन और चरित्र निर्माण के प्रति स्कूल की प्रतिबद्धता पर बल दिया। उपाध्यक्ष शशिन्द्रन करात, मोहनन आर. नायर, महासचिव ई. एस. सुशीलन, कोषाध्यक्ष बालाचंद्रन तथा निदेशक मंडल के सदस्यों ने भी विजेता बच्चों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्य श्रीमती पी. शैलजा जयकुमार ने कहा कि खेल दिवस बच्चों में आत्मविश्वास, टीम वर्क, नेतृत्व क्षमता और शारीरिक फिटनेस विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

मुख्य अतिथि प्रिय रंजन ने बच्चों के उत्साह की प्रशंसा करते हुए इसे आत्म-विश्वास, सहनशीलता और दृढ़ निश्चय की सीख बताया। उन्होंने श्री अय्यप्पा को वीरता और आशीर्वाद के देवता के रूप में वर्णित करते हुए वार्षिक खेल सम्मेलन 2025-26 के उद्घाटन की घोषणा भी की।

प्रतियोगिताओं में जिग-जैग रेस में अंश कुमार सिंह, स्कूल के लिए तैयार होना प्रतियोगिता में राजीव कुमार महाली और आराध्या श्री, जबकि 4100 मीटर रिले में शशंकर कुमार और सृष्टि पटेल के नेतृत्व वाली टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। अभिभावक प्रतियोगिताओं ने कार्यक्रम में और उमंग भर दी, जिसमें संतोष कुमार, पूनम राय और पद्मावती विजेता रहे। विद्यालय के छह हाउस कृयमुना, गंगा, पम्पा, सरस्वती, कावेरी और पेरियार ने प्रेरणादायक प्रतीकात्मक प्रस्तुतियों से खेल दिवस को और भी यादगार बना दिया। कार्यक्रम का समापन उप-प्रधानाचार्य श्रीमती राजलक्ष्मी के धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। खेल दिवस ने बच्चों में उत्साह, एकता, फिटनेस और टीम भावना का जो संदेश दिया, वह लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

बोकारो एयरपोर्ट संचालन में आई तेजी

केंद्रीय उड्डयन मंत्री से विवेक सिंह की मुलाकात के बाद उम्मीदें बढ़ीं

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो एयरपोर्ट के संचालन में आ रही बाधाओं को दूर करने की दिशा में गुरुवार का दिन बेहद अहम साबित हुआ। लंबे समय से अंतिम चरण की कनेक्टिविटी के अभाव में शुरू नहीं हो पा रहे एयरपोर्ट को लेकर जनता में रोष बढ़ता जा रहा था। इसी बीच भाजपा नेता विवेक सिंह ने दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से मुलाकात की और एयरपोर्ट के शीघ्र संचालन की मांग रखी। विवेक सिंह ने मंत्री नायडू को बताया कि बोकारो एयरपोर्ट क्षेत्र की आर्थिक प्रगति की कुंजी है। इसके शुरू होने से उद्योग, व्यापार, पर्यटन और निवेश के नए अवसर पैदा होंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार के मार्ग खुलेंगे। उन्होंने एयरपोर्ट की उपयोगिता एवं बोकारो की औद्योगिक क्षमता पर विस्तृत चर्चा की।केंद्रीय मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि एयरपोर्ट से जुड़ी सभी बाधाओं को जल्द ही हटाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय सभी संबंधित पक्षों को एक मंच पर लाकर लंबित मुद्दों का समयबद्ध समाधान करेगा। गौरतलब है कि विवेक सिंह इससे पहले केंद्रीय इस्पात मंत्री, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और भारत सरकार के कैबिनेट सचिव से भी मुलाकात कर चुके हैं। जनता अब आशान्वित है कि जल्द ही बोकारो एयरपोर्ट उड़ानों के लिए पूरी तरह तैयार हो जाएगा।

झारखंड स्टेट बार काउंसिल चुनाव में सुनील प्रसाद की भागीदारी की घोषणा से अधिवक्ताओं में उत्साह की लहर

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। गुरुवार को बोकारो के वरीय अधिवक्ता सुनील प्रसाद द्वारा झारखंड स्टेट बार काउंसिल के चुनाव में प्रतिभागी बनने की औपचारिक घोषणा ने पूरे अधिवक्ता समुदाय में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार कर दिया। उनकी घोषणा के बाद बोकारो जिला बार एसोसिएशन कैंपस में सैकड़ों अधिवक्ताओं ने एकत्रित होकर उनका जोरदार स्वागत किया और उन्हें अग्रिम बधाई दी। अधिवक्ताओं ने कहा कि सुनील प्रसाद की उम्मीदवारी न सिर्फ बोकारो जिला के लिए गौरव की बात है, बल्कि यह स्थानीय अधिवक्ताओं के लिए एक सकारात्मक संदेश भी है कि उनकी आवाज अब राज्य स्तर पर और मजबूती से उठेगी। कई अधिवक्ताओं ने बताया कि वर्षों से अपने व्यवहार, कार्यकुशलता और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता के कारण सुनील प्रसाद ने वकालत जगत में एक अलग पहचान बनाई है। ऐसे में उनका स्टेट बार काउंसिल चुनाव में उतरना अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बार एसोसिएशन कैंपस में उपस्थित अधिवक्ताओं ने आशा व्यक्त की कि सुनील प्रसाद के चुनाव मैदान में आने से बोकारो के प्रतिनिधित्व को नया आयाम मिलेगा। वहीं, युवा अधिवक्ताओं ने कहा कि सुनील प्रसाद हमेशा से नए अधिवक्ताओं को मार्गदर्शन देते रहे हैं, इसलिए उनकी जीत से अधिवक्ताओं के बेहतरी का रास्ता और अधिक मजबूत होगा। इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने कहा कि स्टेट बार काउंसिल जैसे महत्वपूर्ण पद पर सुनील प्रसाद जैसे अनुभवी और योग्य अधिवक्ता का जाना पूरे जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण है। सभी ने उन्हें आगामी चुनाव के लिए शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे भारी मतों से विजयी होकर अधिवक्ता समाज की आवाज बुलंद करेंगे। मौके पर अधिवक्ता रवि प्रकाश मिश्रा, विश्वजीत कुमार,अभिजीत पाठक, प्रेम कुमार ,साकेत तिवारी, सोनी कुमारी, बिहारी महतो, चन्द्रदीप कुमार, भागीरथ महतो, हरिवंश पोद्दार आदि सैकड़ों लोग मौजूद थे।

विधायक ने बोकारो में आईएमसी प्रोजेक्ट में विलंब होने पर जताई कड़ी आपत्ति

बोकारो। झारखंड विधानसभा के सत्र में गुरुवार को बोकारो की विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने एक गैर सरकारी संकल्प के माध्यम से अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर का निर्माण कार्य अविलंब प्रारम्भ कराने की मांग जोरदार तरीके से उठाई। संकल्प पर जवाब देते हुए उद्योग मंत्री संजय यादव ने बताया कि भारत सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए बोकारो स्टील सिटी में 740 एकड़ भूमि चिन्हित की गई है। उन्होंने वर्तमान स्थिति बताते हुए कहा कि उपायुक्त बोकारो से भूमि हस्तांतरण का अनुरोध किया गया है और भूमि लागत (जो नगर प्रशासन, बोकारो स्टील प्लांट ने पहले 1450 करोड़ रुपये बताई थी) का उच्च स्तरीय समिति द्वारा पुनर्निर्धारण किया गया है, जिसकी संशोधित लागत से संबंधित रिपोर्ट सेल के पास लंबित है।मंत्री के इस उत्तर पर विधायक श्वेता सिंह ने कड़ी आपत्ति जताते हुए विभाग के बार-बार एक जैसे जवाब देने के रवैये की आलोचना की। उन्होंने कहा- बोकारो जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र के लिए विभाग का यह रवैया ठीक नहीं है। राज्य सरकार और विभागों का दायित्व है कि वे समाधान दें, न कि केवल सेल के पास लंबित है, जैसी पंक्तियां दोहराएं। विधायक ने बोकारो के विकास से जुड़े ऐसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर ठोस और समयबद्ध कार्रवाई की मांग की। विधायक की कड़ी आपत्ति के बाद उद्योग मंत्री संजय यादव ने सदन में तत्काल आश्वासन दिया कि कल ही विधायक, विभागीय अधिकारियों और सेल प्रतिनिधियों की एक संयुक्त बैठक बुलाई जाएगी।

इस्पातनगरी बोकारो से चमकेंगे निशानेबाजी के सितारे

डीपीएस बोकारो में खुला झारखंड का पहला विद्यालयी अत्याधुनिक शूटिंग रेंज

डी के वत्स

बोकारो। शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक गढ़ने वाले दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो ने अब खेल के मैदान में एक ऐतिहासिक और दूरगामी कदम उठाया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों की हर विधा को निखारकर उनके समग्र विकास के उद्देश्य से विद्यालय ने जिले में पहली बार एक उच्चस्तरीय शूटिंग रेंज की स्थापना की है। प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार की दूरदर्शी पहल के तहत स्थापित यह अनूठी सुविधा, छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ निशानेबाजी के क्षेत्र में अपना हुनर निखारने का अभूतपूर्व अवसर प्रदान करेगी। यह अत्याधुनिक शूटिंग रेंज पूरे झारखंड में अपनी तरह का सबसे खास और पहला है। इसे अगले शैक्षणिक सत्र से विद्यार्थियों के लिए विधिवत शुरू कर दिया जाएगा। प्रेरणा और उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में, इस रेंज को देश के एकमात्र व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और महान निशानेबाज अभिनव बिन्द्रा के नाम पर समर्पित किया गया है।

विश्वस्तरीय प्रशिक्षण की सुविधाएं हैं मौजूद

यह शूटिंग रेंज पूर्णतया वातानुकूलित है और प्रशिक्षुओं की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यहां एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वाली एक से बढ़कर एक राइफल और पिस्टल उपलब्ध हैं। ये अत्याधुनिक तकनीकयुक्त संसाधन बच्चों का निशानेबाजी कौशल निखारने में अत्यधिक सहायक होंगे। विद्यार्थी पूर्णतया स्वचालित 10 मीटर की शूटिंग मशीन के माध्यम से सटीक निशाना साधने का अभ्यास कर सकेंगे। विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करने के लिए विशेष प्रशिक्षक की भी व्यवस्था की गई है। स्कूली स्तर पर इस प्रशिक्षण का लाभ बहुआयामी है। यह पहल बच्चों में गहन एकाग्रता, मानसिक अनुशासन और लक्ष्य पर फोकस करने के कौशल को विकसित करेगी, जिसका सीधा लाभ उनके शैक्षणिक प्रदर्शन पर भी पड़ेगा। विद्यालय की योजना है कि बच्चों को शूटिंग में इस तरह से तैयार किया जाए कि वे आगे चलकर राज्य और राष्ट्र स्तर की प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग ले सकें।

राज्यपाल ने किया था उद्घाटन, तो रेल डीजी ने साधा था निशाना

गौरतलब हाल ही में विद्यालय के वार्षिकोत्सव समारोह में पहुंचे सूबे के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने इस शानदार शूटिंग रेंज का उद्घाटन किया था, जिसकी सराहना सभी गणमान्य व्यक्तियों ने की। इसके बाद द्वैवार्षिक सदनोत्सव के मुख्य अतिथि झारखंड के रेल महानिदेशक अनिल पालटा ने भी स्वयं राइफल थामकर निशाने साधे और विद्यालय की इस दूरदर्शी पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने इसे विद्यार्थियों को बहुकौशल बनाने की दिशा में विद्यालय का महत्वपूर्ण व अग्रणी प्रयास बताया।

बोकारो को मिलेंगे राष्ट्रीय निशानेबाजः डॉ. गंगवार

इस अनूठी पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने कहा कि हमारा विद्यालय छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हमारी प्राथमिकता है, किंतु हमारा लक्ष्य है कि हमारे विद्यार्थी हर विधा में पारंगत हों। उन्होंने आगे कहा कि निशानेबाजी का अभ्यास छात्रों में जिस गहन एकाग्रता और मानसिक अनुशासन का विकास करता है, वह सीधा उनकी अकादमिक सफलता को बढ़ाता है। यह पहल उन्हें अनुशासन, दृढ़ संकल्प और जीवन में लक्ष्य साधने का अमूल्य पाठ सिखाएगी। इस सुविधा से बोकारो को भविष्य के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के निशानेबाज मिलेंगे। यह सुविधा डीपीएस बोकारो को शिक्षा के साथ खेल-कूद में उत्कृष्टता प्रदान करने वाले विद्यालयों की श्रेणी में सबसे आगे खड़ा करती है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 12 दिसंबर 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

चतरा पुलिस ने 11 एकड़ में फैली अवैध अफीम की खेती को किया नष्ट, आरोपियों की तलाश जारी

चतरा। चतरा पुलिस ने जिले में एक विशेष अभियान चलाकर 11 एकड़ में की जा रही अवैध अफीम की खेती को पूरी तरह नष्ट कर दिया। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के निर्देश पर लावालौंग और वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्रों में गुरुवार को यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान लावालौंग थाना के बरहेट गांव में 10 एकड़ तथा वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के राजगुरू गांव में 1 एकड़ भूमि पर की जा रही अवैध अफीम की फसल को जड़ से उखाड़ दिया गया। पुलिस के अनुसार खेती शुरूआती अवस्था में थी, इसलिए इसे समय पर नष्ट कर दिया गया। पुलिस खेती में शामिल लोगों की पहचान कर रही है और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। चतरा पुलिस ने जिले के आम नागरिकों से अपील की है कि अवैध अफीम की खेती न करें और इस तरह की गैर-कानूनी गतिविधियों को रोकने में प्रशासन की मदद करें।

निष्क्रिय खातों व अवादाकृत राशि को सक्रिय करने के लिए जिला स्तरीय जागरूकता शिविर आज

चतरा। राष्ट्रीय अभियान आपकी पूंजी, आपका अधिकार के तहत चतरा जिले में निष्क्रिय बैंक खातों, पीपीएफ, सावधि जमाओं तथा अन्य वित्तीय योजनाओं में पड़ी अवादाकृत राशि की वापसी के लिए 12 दिसंबर को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट हॉल में सुबह 11 बजे जिला स्तरीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अग्रणी जिला प्रबंधक एहसान अहमद ने बताया कि जिले में बड़ी संख्या में ऐसे बैंक खाते हैं जिन्हें कई वर्षों से संचालित नहीं किया गया है। कई लोगों को अपने पुराने खातों और जमा राशि की जानकारी तक नहीं है। वहीं कई मामलों में जटिल दावा प्रक्रिया के कारण लोग अपनी ही जमा पूंजी निकाल नहीं पा रहे हैं। शिविर में विशेषज्ञ टीम लोगों को निष्क्रिय खातों की स्थिति जानने, अवादाकृत राशि की पहचान करने, दावा दाखिल करने की प्रक्रिया तथा आवश्यक दस्तावेजों के बारे में सरल और स्पष्ट जानकारी देगी। यह उम्मीद की जा रही है कि इस शिविर के माध्यम से बड़ी संख्या में लोग अपनी भूली-बिसरी जमा राशि वापस प्राप्त कर सकेंगे।

ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत, झोलाछाप डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप, गांव में मातम

चतरा। जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव में बुधवार को बच्चेदानी का ऑपरेशन कराने गई 25 वर्षीय कविता देवी की मौत हो गई। परिजनों ने इस मौत का कारण झोलाछाप डॉक्टर की गंभीर लापरवाही बताया है। मृतका दो छोटे बच्चों को छोड़कर चली गई, जिससे पूरा परिवार शोक में डूब गया है। कविता देवी को बुधवार दोपहर गया जिले के बहेरा थाना क्षेत्र स्थित मां लक्ष्मी क्लिनिक में ऑपरेशन के लिए ले जाया गया था। डॉक्टर सुमित्रा भारती द्वारा जांच के बाद करीब 1 बजे ऑपरेशन किया गया, लेकिन महिला को ऑपरेशन के बाद होश नहीं आया। परिजनों का आरोप है कि बार-बार पूछने पर भी डॉक्टर केवल आश्वासन देते रहे। शाम करीब 5 बजे महिला को इंजेक्शन दिया गया लेकिन तब भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद उसे जल्दबाजी में गया रेफर कर दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद क्लिनिक में हड़कंप मच गया और परिजन भड़क उठे। आरोप है कि डॉक्टर और स्टाफ क्लिनिक छोड़कर फरार हो गए। परिजनों ने बहेरा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। प्रशासन ने क्लिनिक को सील कर दिया है और आरोपी डॉक्टर की तलाश जारी है।

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित

तेनुघाट। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 के सुचारू एवं सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी बोकारो जगरनाथ लोहारा की अध्यक्षता में जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय, बोकारो में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्रातः 11 बजे प्रारंभ हुआ। पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय तेनुघाट, बोकारो में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु आयोजित होने वाली चयन परीक्षा का आयोजन बोकारो जिले के सभी प्रखंडों में 13 दिसंबर को होना है। इसी परीक्षा के सफल संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। अभिविन्यास कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय तेनुघाट, बोकारो के पीजीटी केमिस्ट्री संजय कुमार ने प्रवेश परीक्षा के संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधीक्षक बोकारो अतुल कुमार चौबे, प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय तेनुघाट बोकारो विपिन कुमार, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती प्रतिमा दास, कानन कुमार पात्रा, विभिन्न केंद्रों के केंद्राध्यक्ष, नवोदय विद्यालय से नियुक्त सेंट्रल लेवल ऑब्जर्वर डॉ. रविंद्र राम, पी. पांडेय, आर. के. शर्मा, अशोक कुमार सिंह, राजीव रंजन, श्रीमती अन्विता त्रिपाठी, पवन कुमार, जयदेव, श्याम सुंदर महतो, देव मंगल तिवारी, राजन कुमार, मुकेश साहू सहित कई अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे। अभिविन्यास कार्यक्रम के माध्यम से सभी केंद्राधीक्षकों और पर्यवेक्षकों को परीक्षा के नियम, प्रक्रिया तथा उत्तरदायित्वों से अवगत कराया गया, ताकि आगामी चयन परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया जा सके।

झामुमो के पूर्व कोषाध्यक्ष प्रयाग केजरीवाल के निधन पर झामुमो उलगुलान ने जताया शोक

बेरमो। झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व कोषाध्यक्ष सह आंदोलनकारी तथा समाजसेवी प्रयाग केजरीवाल का बुधवार को निधन होने पर झारखंड मुक्ति मोर्चा उलगुलान के केंद्रीय महासचिव सह झारखंड आंदोलनकारी बेनीलाल महतो, कृष्णा थापा, शंभू नाथ महतो, आंदोलनकारी धनेश्वर महतो, पूर्व मुखिया छत्रधारी मिश्रा, मो० इकरामुद्दीन, पूर्व मुखिया जगदीश महतो, छोटेलाल गुप्ता, किरण देवी, सहोदरी देवी, गिरधारी महतो आदि ने शोक व्यक्त किया है। झामुमो उलगुलान के केंद्रीय महासचिव बेनीलाल महतो ने कहा कि दिवंगत प्रयाग केजरीवाल काफी मिलनसार और जरूरतमंदों के मददगार व्यक्ति थे। वे चाचा के नाम से प्रसिद्ध थे। उनके कुशल नेतृत्व में शुरूआती दौर में बहुत से लोग झारखंड आंदोलन और पार्टी से जुड़े। उन्होंने कहा कि दिवंगत प्रयाग केजरीवाल ने दिवंगत शिबू सोरेन को सीबीआई केस के दिनों में काफी सहयोग किए थे।

ऑपरेशन क्लीन में बड़ी सफलता

चतरा पुलिस ने 15 लाख की अवैध अफीम के साथ दो तस्कर दबोचे

झारखंड दर्शन संवाददाता

चतरा। जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की सख्ती लगातार जारी है। इसी अभियान के तहत पुलिस ने गुरुवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए गिद्धौर थाना क्षेत्र के लोटार डैम के पास से दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गुप्त सूचना पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने 3.12 किलोग्राम अफीम बरामद की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है। चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति लोटार इलाके में अफीम की खरीद-बिक्री करने वाले हैं। सूचना मिलते ही उन्होंने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम गठित की और तुरंत गिद्धौर थाना क्षेत्र में भेजा।

टीम ने लोटार डैम से रोहमर जाने वाले रास्ते पर निगरानी शुरू की। थोड़ी ही देर में दो संदिग्ध व्यक्ति दिखे, जो पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को मौके पर पकड़ लिया। तलाशी में उनके पास से एक सफेद प्लास्टिक बैग में भारी मात्रा में अफीम बरामद हुई। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान पप्पू कुमार (19 वर्ष) और बबलू कुमार महतो (32 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी गिद्धौर थाना क्षेत्र के ही निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने उनके पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं, जो तस्करी में उपयोग किए जा रहे थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बरामद अफीम की भारी मात्रा को देखते हुए मामला बेहद गंभीर श्रेणी में आता है। पुलिस दोनों तस्करों से उनके नेटवर्क, सप्लायर और खरीदारों के बारे में विस्तार से पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह कार्रवाई जिले को नशे के जाल से मुक्त करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

कोल इंडिया अधिकारियों से मिले एससी-एसटी-ओबीसी काउंसिल के पदाधिकारी

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर काउंसिल के पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को कोलकाता स्थित कोल इंडिया मुख्यालय पहुंचा। यहां उन्होंने कोल इंडिया के निदेशक कार्मिक विनय रंजन और महाप्रबंधक आईआर/एचआर गौतम बनर्जी से शिष्टाचार मुलाकात करते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।बैठक के दौरान काउंसिल ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों की समस्याओं, आरक्षण नियमों, प्रमोशन रोस्टर तथा प्रशिक्षण से जुड़ी विभिन्न आवश्यकताओं को विस्तार से रखा। साथ ही सभी सहयोगी कंपनियों के संपर्क अधिकारियों को एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के कर्मचारियों को नियमित रूप से प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई। कोल इंडिया मुख्यालय परिसर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में ऑल इंडिया एससी-एसटी-ओबीसी एम्प्लाई कोऑर्डिनेशन काउंसिल के कोल इंडिया अध्यक्ष ब्रिज किशोर राम, सीएमपीडीआई के महासचिव मनोज कुर्रे और काउंसिल के रीजनल प्रभारी तथा भाजपा नेता जगरनाथ राम ने कोयलांचल क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। ओबीसी से जुड़े मुद्दों को कोल इंडिया के ओबीसी उपाध्यक्ष दिलीप कुमार ने गंभीरता के साथ रखा।

तेनुघाट में 'विज्ञान-प्रदर्शनी' आयोजित, बच्चों की प्रतिभा देख अभिभावक हुए उत्साहित

झारखंड दर्शन संवाददाता

तेनुघाट। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विद्यालय परिसर में गुरुवार को ह्यविज्ञान-प्रदर्शनीड्ढ का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक सोच, व्यावहारिक ज्ञान और रचनात्मकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश कुमार मछुआ और विशिष्ट अतिथि के रूप में तेनुघाट व्यवहार न्यायालय की अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमती रश्मि अग्रवाल, झारखंड जोन-1 के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ० जी. एन. खान, डीएवी स्वांग की प्राचार्या श्रीमती डी० बनर्जी, बीआरएल डीएवी के प्राचार्य आर. के. सिंह, डीएवी ललपनिया के प्राचार्य तन्मय बनर्जी, तेनुघाट मुखिया नीलम श्रीवास्तव तथा तेनुघाट ओपी प्रभारी भजन लाल महतो समेत बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित थे। बच्चों द्वारा तिलक लगाकर अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया।

प्राचार्या स्तुति सिन्हा ने सभी अतिथियों को पुष्प-गुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। इसके बाद मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। डीएवी परंपरा के अनुरूप सामूहिक रूप से डीएवी गान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इनमें भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित एक लघु नाटक और आकर्षक नृत्य प्रस्तुति विशेष रूप से सराहे गए।

सीसीएल ढोरी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई

सीआईएसएफ और पुलिस ने 21 टन अवैध कोयला जब्त किया

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। सीसीएल ढोरी क्षेत्र में गुरुवार को सुरक्षा विभाग, सीआईएसएफ और बेरमो पुलिस की संयुक्त टीम ने मेन रोड फुसरो स्थित रानीबाग में छापेमारी कर 21 टन अवैध कच्चा कोयला जब्त किया। यह कार्रवाई महाप्रबंधक रंजय सिन्हा के निर्देश पर क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी सुरेश कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। छापेमारी के दौरान जब्त कोयले को जेसीबी के माध्यम से ट्रैक्टर पर लोड कर अमलो रेलवे साइडिंग स्थित क्रशर में जमा कराया गया। सुरक्षा अधिकारी सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि रानीबाग इलाके में लंबे समय से चोरी कर अवैध रूप से कोयला जमा करने और उसकी तस्करी की सूचना मिल रही थी। कई नामचिन्ह लोगों की संलिप्तता की भी आशंका है। तस्कर रात के अंधेरे में वाहनों के माध्यम से कोयला बाहर भेजकर बेचने का काम करते थे। उसी सूचना पर कार्रवाई करते हुए कोयले को जब्त किया गया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कोयला चोरी और तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जाएगा।

वहीं, सीआईएसएफ अधिकारियों ने कहा कि माइंस क्षेत्र के बाहर उनकी तैनाती नहीं है, लेकिन यदि कहीं कोयला चोरी की सूचना मिलती है तो सीसीएल प्रबंधन, जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस के सहयोग से संयुक्त छापेमारी की जाएगी।

फुसरो वेस्ट मैनेजमेंट कर्मियों की हड़ताल वार्ता के बाद समाप्त, 15 दिसंबर तक मिलेगा बकाया बोनस

झारखंड दर्शन संवाददाता

फुसरो। नगर परिषद फुसरो के अंतर्गत फुसरो वेस्ट मैनेजमेंट में कार्यरत सफाई कर्मियों और वाहन चालकों की बुधवार से परिषद कार्यालय के समीप चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल गुरुवार की शाम प्रशासन और पदाधिकारियों के साथ हुई सफल वार्ता के बाद समाप्त हो गई। फुसरो नगर परिषद प्रशासक राजीव रंजन, पूर्व अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह और पूर्व उपाध्यक्ष छेदी नोनिया ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि 15 दिसंबर तक सभी कर्मियों का बकाया बोनस और शीघ्र ही लंबित एरियर का भुगतान किया जाएगा।

इस भरोसे के बाद सभी सफाई कर्मियों ने अपना आंदोलन वापस ले लिया। प्रशासक राजीव रंजन ने वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी से बात कर कर्मचारियों की सभी मांगों की जानकारी दी और बकाया एरियर एवं बोनस भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। कंपनी की ओर से 15 दिसंबर तक बोनस एवं जल्द ही एरियर भुगतान करने का आश्वासन दिया गया। कर्मियों की प्रमुख मांगों में वर्ष 2022-23 में सप्ताह के सातों दिन किए गए कार्य के एवज में संडे का पारिश्रमिक भुगतान, न्यूनतम मजदूरी 2022-23 एवं 2024-25 की बढ़ोतरी का एरियर भुगतान, सभी कर्मियों चालक, सफाई कर्मी व मैकेनिक को प्रति सप्ताह चार साबुन एवं सर्फ उपलब्ध कराना, प्रति वर्ष दो जोड़ी कपड़े, सेफ्टी किट और जूते उपलब्ध कराना, टिप्पर वाहनों का मरम्मत कार्य तथा सभी वाहनों के कागजात दुरुस्त करना शामिल था। मौके पर सिटी मैनेजर अजमल हुसैन, फुसरो वेस्ट मैनेजमेंट इंचार्ज ऋषितोश कुमार, नप कर्मी राजीव रंजन कुमार, शंकर राम, देवोजीत कुमार, सेवक राम, सन्नी घांसी, विक्की कुमार, राहुल कुमार, गौरीशंकर राम, सगीर अंसारी, सुखदेव कुमार, ओम सागर, अरुण कुमार, कृष्णा यादव, गुड्डु कुमार, करण कुमार, राजकुमार, विजय चौबे, पिंटू कुमार, छोटू राम, विशाल हरि, प्रदीप कुमार, शरद कुमार, मनु कुमार, आकाश घांसी, मनोज राम, संतोष कुमार सहित कई कर्मी उपस्थित थे।

पिछरी में कार के चपेट में आने से दो छात्रा हुई घायल

बेरमो। जैनामोड़ मुख्य मार्ग के पिछरी में गुरुवार की सुबह एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार के चपेट में आने से स्कूटी सवार दो छात्रा गिर कर घायल हो गयी। स्थानीय लोगों ने घायल दोनों छात्रा को उठाया और उसके स्वजनों को सूचना दी। बताया जाता है कि तुपकाडीह के मानगो निवासी बीएससी की छात्रा काव्या कुमारी व संध्या कुमारी फुसरो से ट्यूशन पढ़कर स्कूटी संख्या जेएच 09 एवाई 7946 से अपने घर वापस लौट रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने धक्का मारते हुए फरार हो गया। कार के चपेट में आने से स्कूटी सड़क किनारे गिर गया। जिससे स्कूटी में पीछे बैठी संध्या कुमारी घायल हो गयी। उसके पैर व कमर में चोट लगी है। वहीं स्कूटी चला रही काव्या को हल्की चोट लगी है। सूचना पाकर संध्या कुमारी के चाचा मनोज पाल घटना स्थल पहुंचे और दोनों छात्रा को अपने साथ ले गये।

सेंट्रल हॉस्पिटल ढोरी में ईटीपी व एसटीपी प्लांट शुरू

अब दूषित पानी का होगा आधुनिक तरीके से शोधन

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। सीसीएल के सेंट्रल हॉस्पिटल ढोरी में ईटीपी (इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) और एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) का उद्घाटन गुरुवार को ढोरी महाप्रबंधक रंजय सिन्हा ने शिलापट का अनावरण कर किया। इस अवसर पर जीएम सिन्हा ने कहा कि अस्पताल के वार्डों, लैबों और ऑपरेशन थिएटर से निकलने वाले दूषित पानी तथा मेडिकल अपशिष्ट का सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से शोधन सुनिश्चित करने के लिए इन प्लांटों की स्थापना की गई है। उन्होंने बताया कि लगभग 50 लाख रुपए की लागत से सृष्टि पॉलिटेक, धनबाद द्वारा इन प्लांटों को स्थापित किया गया है। इनके प्रारंभ होने से अस्पताल परिसर में गंदगी, दुर्गंध और बैक्टीरिया जनित संक्रमण की समस्या समाप्त होगी। साथ ही शुद्धिकरण प्रक्रिया के बाद निकलने वाला पानी भूजल और मिट्टी को दूषित होने से बचाएगा तथा संक्रामक बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम होगा। जीएम सिन्हा ने कहा कि ईटीपी और एसटीपी प्लांट अस्पताल से निकलने वाले सभी तरल अपशिष्ट को ऑटोमेटिक तरीके से शुद्ध करेंगे, जिससे यह आधुनिक स्वास्थ्य मानकों पर खरा उतरेगा।

बालक-बालिका व्यक्तित्व विकास वर्ग में उमड़ी प्रतिभा की चमक

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को किया गया सम्मानित

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। श्री श्री दामोदर नाथ महादेव मंदिर परिसर स्थित अग्रसेन भवन धर्मशाला मंगलवार को बच्चों की हंसी, उत्साह और रचनात्मकता से गूंज उठा, जब कक्षा द्वितीय से पंचम तक के भैया-बहनों के बीच आयोजित बालक एवं बालिका व्यक्तित्व विकास वर्ग का भव्य समापन हुआ।

इस वार्षिक आयोजन में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का ऐसा अद्भुत प्रदर्शन किया कि उपस्थित सभी अभिभावक और विद्यालय परिवार का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। गुरुवार को विद्यालय के सचिव एवं समाजसेवी अनिल अग्रवाल ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार प्रदान किया।

व्यक्तित्व विकास वर्ग के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में साइंस प्रोजेक्ट, मैथ्स प्रोजेक्ट, रंगोली, मूर्ति कला, जलेबी रेस, हिंदी और अंग्रेजी कविता वाचन जैसी कई गतिविधियां शामिल थीं। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना, टीम भावना विकसित करना और उनकी कला, विज्ञान एवं भाषा कौशलों को निखारना था। बड़ी संख्या में भैया-बहनों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लेते हुए अपने हुनर का बेहतरीन प्रदर्शन किया। मैथ्स प्रोजेक्ट में बहन केशर भाटिया और प्राची कुमारी ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति के दम पर प्रथम स्थान हासिल किया। राधिका कुमारी और रूपा कुमारी (ग्रुप) ने अपने आकर्षक कार्य से द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि सूर्यांश कुमार और दिव्यांशी कुमारी (ग्रुप) ने तृतीय स्थान प्राप्त कर सबकी प्रशंसा बटोली।

बच्चों ने गणितीय सिद्धांतों को सरल और समझने योग्य मॉडल में ढालकर यह साबित किया कि गणित केवल एक विषय नहीं, बल्कि एक कला भी है।साइंस प्रोजेक्ट में क्लास पांच के हर्ष भाटिया और निशा कुमारी (ग्रुप) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विज्ञान के प्रति उनकी जिज्ञासा और गंभीरता उनके मॉडल में साफ झलक रही थी। द्वितीय स्थान अनन्या कुमारी (ग्रुप) को मिला, जिन्होंने प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

कड़ाके की ठंड में गरीबों का सहारा बनी समाजसेवी और राजद नेता कंचन यादव

झारखंड दर्शन संवाददाता

हंटरगंज। हंटरगंज क्षेत्र में पड़ रही कड़ाके की ठंड से गरीबों की हालत खराब है, ऐसे में समाजसेवी एवं राजद नेता कंचन यादव उनके लिए राहत बनकर सामने आए हैं। पिछले तीन दिनों से वे लगातार डुमरी कला पंचायत के गांवों में जाकर घर-घर गरीब परिवारों को कंबल बांट रहे हैं। गुरुवार को भी उन्होंने सैकड़ों परिवारों तक पहुंचकर हजारों कंबल वितरित किए। कंचन यादव ने बताया कि इस वर्ष ठंड अधिक पड़ रही है, जिससे गरीबों को गम्भीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने 5000 गरीब परिवारों तक कंबल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को आगे बढ़कर जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। पिछले वर्ष भी उन्होंने एक हजार से अधिक गरीबों को कंबल उपलब्ध कराया था।

संक्षिप्त खबरें

विस में विधायक राज सिन्हा ने उठाया आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिकाओं के नियमितीकरण का मुद्दा

धनबाद। झारखंड विधानसभा के सचेतक एवं धनबाद विधायक राज सिन्हा ने महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग से संबंधित गंभीर और जनहित के मुद्दों को सदन में जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि विभाग के अंतर्गत 52 परियोजनाओं में वर्ष 2005 से संविदा पर कार्यरत आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिकाओं के नियमितीकरण का मामला वर्षों से फाइलों में दबा हुआ है, जबकि अन्य विभागों में 2014 से कार्यरत संविदाकर्मियों का नियमितीकरण कर दिया गया है। इस गंभीर असमानता पर सदन में प्रश्न उठाते हुए विधायक ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए और कहा कि इन पर्यवेक्षिकाओं ने वर्षों तक सरकार के लिए ईमानदारी से सेवाएं दीं, लेकिन नियमितीकरण को लेकर विभाग की उदासीनता उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ के समान है। उन्होंने सदन में यह भी कहा कि 24 जनवरी 2024 को प्रशासी पदवर्ग की ओर से इन संविदा आधारित पदों को प्रत्यर्पित करते हुए इन्हें नियमित पद में परिवर्तित कर दिया गया था, इसके बावजूद मंत्री परिषद की स्वीकृति के इंतजार में यह मामला लंबित पड़ा रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। विधायक ने सरकार से प्रश्न करते हुए मांग की कि जब प्रशासनिक स्तर पर पदों का नियमितीकरण कर दिया गया, तो फिर मंत्रिमंडल की मंजूरी में देरी क्यों हो रही है और इसका लाभ इन कर्मियों को कब तक मिल सकेगा। राज सिन्हा ने कहा कि जिन पर्यवेक्षिकाओं ने दो दशक से सेवा दी है, उनकी आशाएं अब सरकार के न्यायपूर्ण निर्णय पर टिकी हैं। उन्होंने विभाग से तुरंत कार्रवाई कर लंबित मामले को समाप्त करने की मांग की।

फुटपाथ दुकानदारों के समर्थन में पप्पू कुमार तिवारी का नगर निगम प्रशासन पर तीखा हमला

धनबाद। नगर निगम प्रशासन द्वारा धनबाद शहर में फुटपाथ दुकानदारों को हटाने की प्रक्रिया के खिलाफ गुरुवार को जिला कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन सह प्रवक्ता पप्पू कुमार तिवारी ने जोरदार विरोध जताते हुए निगम प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि फुटपाथ दुकानदारों को बिना वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराए जबरन हटाना न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि प्रशासन की असंवेदनशीलता का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार गरीबों, श्रमिकों और छोटे दुकानदारों के हितों में अनेक कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, ताकि उनकी आजीविका सुरक्षित रह सके। ऐसे समय में नगर निगम के कुछ अधिकारी गरीबों को परेशान कर सरकार की छवि खराब करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी भाजपा मानसिकता से प्रेरित होकर जानबूझकर गरीब लोगों और फुटपाथ दुकानदारों पर कठोर कार्रवाई कर रहे हैं।पप्पू कुमार तिवारी ने शहर के वर्तमान नगर आयुक्त के कार्यकाल पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि एक अधिकारी का लगभग 10 वर्षों तक एक ही जिले में डीटीओ और फिर नगर आयुक्त के रूप में पदस्थापित रहना प्रशासनिक दृष्टि से उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि इतना लंबा समय किसी अधिकारी को जन-समस्याओं के प्रति असंवेदनशील बना देता है और विकास कार्यों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान नगर आयुक्त के कार्यकाल में धनबाद नगर निगम के अधिकांश वार्डों में विकास कार्य ठप पड़े हैं और शहर की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए नगर निगम प्रशासन लगातार तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर जनता को भ्रमित करने का काम कर रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना में करोड़ों का घोटाला उजागर

अधूरे घरों के बदले निकाली पूरी राशि, लाभुक और अधिकारी कटघरे में

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद/कतरास। बाघमारा प्रखंड के सिनीडीह पंचायत के हनुमान नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना में भारी अनियमितताओं और बड़े घोटाले के खुलासे से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। बुधवार को स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए निरीक्षण में जो तथ्य उजागर हुए, उसने पंचायत स्तर से लेकर प्रखंड कार्यालय तक की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य गरीब और भूमिहीन लोगों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है, लेकिन सिनीडीह पंचायत में इस योजना का इस्तेमाल भ्रष्टाचार और मिलीभगत के लिए किया गया प्रतीत हो रहा है। जनप्रतिनिधियों ने बताया कि हकीकत में अधिकांश आवासों का निर्माण अधूरा है। कई घरों में केवल चार दीवारें खड़ी की गई हैं, छत डालने तक की जरूरत नहीं समझी गई। कई आवासों में ढलाई वाली छत की जगह एडबेस्टर का प्रयोग कर कागजी खानापूर्ति की गई है। अधिकांश घरों में न कोई दरवाजा लगा है और न ही खिड़की, जबकि दस्तावेजों में सभी आवासों को पूर्ण दिखाया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि लाभुकों ने आवास की 1 लाख 20 हजार रुपये की पूरी राशि निकाल ली है, जबकि घर आज भी अधूरे पड़े हुए हैं। दस्तावेजों के अनुसार 2019-20 के अंतर्गत स्वीकृत इस परियोजना को 2021 में पूर्ण बताया गया है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट सामने आई।

स्थानीय लोगों और शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि इस पूरे घोटाले में पंचायत प्रतिनिधियों और प्रखंड कार्यालय के अधिकारियों की मिलीभगत है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या बिना भौतिक सत्यापन किए ही अधिकारियों ने पूरे धन की तीनों किस्तें लाभुकों के खाते में भेज दी, या फिर जांच प्रक्रिया में बड़ी लापरवाही बरती गई। कुल 72 आवासों का आवंटन किया गया था, लेकिन दोहलान लाभुकों को छोड़कर किसी भी घर में कोई नहीं रहता और न ही कोई घर पूर्ण अवस्था में दिखता है। इससे साफ होता है कि इस योजना के नाम पर सरकारी धन की भारी बंदरबांट हुई है। कई लाभुकों ने बताया कि पंचायत के मुखिया पति बिट्टू चौहान ने उनके पासबुक और राशि यह कहकर ले लिए थे कि वह घर बनवाकर देंगे, लेकिन वर्षों बाद भी उन्हें घर नहीं मिला। वहीं बिट्टू चौहान ने इन सभी आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि विरोधी गुट उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहा है और लाभुकों से गलत बयान दिलवा रहा है।

5 करोड़ की लागत से बना एसएनएमएमसीएच का ऑडिटोरियम जर्जर, चार वर्षों से बंद पड़ा

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। शहीद महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) का करीब ?5.06 करोड़ की लागत से निर्मित अत्याधुनिक ऑडिटोरियम अब अपनी दयनीय हालत के कारण चर्चा का विषय बना हुआ है। जिस ऑडिटोरियम को विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए शैक्षणिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र माना जाता था, वह पिछले चार वर्षों से उपयोग के योग्य नहीं रह गया है। भवन के अंदर प्रवेश करते ही गिरती फॉल्स सीलिंग, दीमक से क्षतिग्रस्त लकड़ी का मंच और टूट चुकी कुर्सियों की स्थिति किसी भी समय हादसे का कारण बन सकती है। ऑडिटोरियम वर्ष 2014 में मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (अब नेशनल मेडिकल कमीशन) के निर्देश पर बनाया गया था, परंतु निर्माण गुणवत्ता में कमी और रखरखाव में की गई भारी लापरवाही के कारण यह कुछ ही वर्षों में जर्जर हो गया। कोविड-19 के समय इसका उपयोग बंद हुआ और इसके बाद कभी पुनः शुरू नहीं हो सका। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने इस परियोजना के लिए ?4.15 करोड़ की स्वीकृति दी थी, लेकिन लागत बढ़ने के कारण कुल खर्च ?5.06 करोड़ तक पहुंच गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. डीके गिंदौड़िया ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में दीक्षांत समारोह, सेमिनार, कार्यशाला, बैठक और अन्य कई महत्वपूर्ण गतिविधियों के लिए एक सुसज्जित ऑडिटोरियम की अत्यंत आवश्यकता होती है, परंतु विभाग को कई बार पत्र लिखने के बावजूद अब तक मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

केंदवाडीह गैस रिसाव कांड पर झामुमो का आक्रोश

डॉ. नीलम मिश्रा ने केंद्र सरकार और बीसीसीएल को दी कड़ी चेतावनी

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। केंदवाडीह पांच नंबर नया धौड़ा राजपूत बस्ती में जहरीली गैस रिसाव से दो महिलाओं की मौत और सैकड़ों लोगों के बीमार होने की घटना ने पूरे जिले को झकझोर दिया है। घटना के बाद बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा की केंद्रीय सदस्य और मीडिया पैनलिस्ट डॉ. नीलम मिश्रा जिला अध्यक्ष लखी सोरेन, महानगर अध्यक्ष मंटू चौहान सहित अनेक पदाधिकारियों के साथ घटनास्थल पहुंचीं। उन्होंने बीसीसीएल के जिम्मेदार पदाधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली और हादसे के लिए सुरक्षा प्रबंधन में घोर लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया।

डॉ. नीलम मिश्रा ने कहा कि बीसीसीएल वर्षों से धनबाद में कोयले का दोहन कर केंद्र सरकार को अरबों रुपये उपलब्ध करा रही है, लेकिन खनन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी लगातार होती रही है। उन्होंने केंद्र सरकार और बीसीसीएल को तीखी चेतावनी देते हुए कहा कि झामुमो इस तरह की घटना दोबारा न हो, इसके लिए कोयला भवन सीएमडी कार्यालय में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेगी। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और राज्य सरकार पीड़ितों को हर संभव सहायता और राहत उपलब्ध कराएगी। मौके पर केंद्रीय सदस्य जग्गू महतो, उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, अजय रवानी, राज आनंद, समीर रवानी, हरीश सिंह, बंटी सिंह, राजू प्रामणिक, मदन राम, नईम अंसारी, टिंकू सरकार, जितेंद्र पासवान, रीना पासवान, कुणाल कुमार, मंसूर अंसारी, महादेव हंसदा, सुधीर यादव, फरीद मलिक और दिलीप महतो समेत बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जहरीली गैस के खतरे में केंदुआडीह थाना

पुलिस कर्मियों की सुरक्षा को देखते हुए स्थानांतरण की प्रक्रिया तेज

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। केंदुआडीह क्षेत्र में परित्यक्त कोयला खदान से पिछले दस दिनों से लगातार जहरीली गैस का रिसाव हो रहा है, जिसके कारण आसपास के कई घरों और इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। इस गैस ने दो लोगों की जान ले ली है और कई लोग गंभीर रूप से बीमार हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार्बन मोनोऑक्साइड समेत अन्य जहरीली गैसों का उत्सर्जन लगातार जारी रहने से प्रशासन ने प्रभावित परिवारों के लिए राहत शिविर बनाए हैं और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। इस खतरनाक स्थिति का प्रभाव अब केंदुआडीह थाना परिसर पर भी पड़ रहा है। जहरीली गैस के फैलाव से थाना परिसर भी प्रभावित हो गया है, जिससे थाना प्रभारी से लेकर सभी पुलिसकर्मियों की जान पर खतरा मंडराने लगा है। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए पुलिस विभाग ने थाने को जल्द से जल्द सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। थाना के लिए नए भवन की तलाश जारी है और डीसी तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर लगातार बातचीत हो रही है। एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन, बीसीसीएल, सिम्फर, डीजीएमएस और एनडीआरएफ की टीमें लगातार रिसाव को रोकने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन जब तक स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आती, पुलिसकर्मियों को खतरे में रखना अनुचित होगा। इसी कारण थाने का स्थानांतरण प्राथमिकता बन गया है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है और लोगों को सावधानी बरतने तथा आवश्यक दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील की है।

विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विवि में दीक्षांत समारोह की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में आगामी द्वितीय दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर गुरुवार को सीनेट हॉल में कुलपति वरीय प्रो॰ डॉ॰ रामकुमार सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में दीक्षांत समारोह के सफल और गरिमामय आयोजन हेतु गठित सभी समितियों की अब तक की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष डॉ॰ पुष्पा कुमारी ने समारोह का पूरा प्रारूप प्रस्तुत किया और बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन दीक्षांत समारोह को यादगार बनाने के लिए अनेक स्तरों पर तेजी से कार्य कर रहा है। सभी समितियों, जिनमें पंडाल एवं मंच प्रबंधन, आमंत्रण व्यवस्था, सफाई एवं प्रबंधन, गोल्ड मेडल चयन, मोमेंटो, रिसेप्शन, रिहर्सल, रिफ्रेशमेंट, प्रोसेशन, सौवेनियर, ग्रीन रूम, वित्तीय व्यवस्था, आवास एवं आतिथ्य, कॉस्ट्यूम मैनेजमेंट, डिग्री प्रापकर्ता प्रबंधन, अनुशासन, सीटिंग अरेंजमेंट, घोषणा व्यवस्था, मीडिया/फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी, फर्स्ट एड, डिजास्टर मैनेजमेंट, परिवहन, पार्किंग, आईटी-टेक्निकल, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा वॉलंटियरिंग जैसी समिति शामिल हैं, के संयोजकों एवं सदस्यों ने अपने-अपने विभाग की तैयारियों की जानकारी दी।

समाहरणालय में कार पर्किंग निर्माण कार्य प्रगति पर, 64 कार व 80 दुपहिया हो सकेंगे खड़े

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर समाहरणालय आने वाले आगंतुकों के लिए समाहरणालय के पूर्वी हिस्से में विशाल पार्किंग शेड का निर्माण कार्य प्रगति पर है। पार्किंग का फ्रेमवर्क पूरा हो चुका है। शीघ्र शेड लगाने का कार्य आरंभ होगा। इस संबंध में उपायुक्त ने कहा कि प्रतिदिन बड़ी तादाद में आम लोग अपने विभिन्न कार्यों से समाहरणालय आते हैं। आम जनों के साथ पदाधिकारी, मीडिया कर्मी भी समाहरणालय आते हैं। अक्सर उनके वाहन खुले में खड़े रहते हैं। इसलिए चार पहिया और दुपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग शेड युक्त विशाल पार्किंग एरिया बन रहा है। पार्किंग शेड बन जाने के बाद उसमें 64 चार पहिया तथा 80 से अधिक दुपहिया वाहनों को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से पार्क किया जा सकेगा।

लोदना क्षेत्र में सुरक्षा प्रहरियों के लिए राजभाषा कार्यशाला, अधिकारियों ने हिंदी में कार्य को बढ़ावा देने पर दिया जोर

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। बीसीसीएल के लोदना क्षेत्र में 11 दिसंबर को सुरक्षा प्रहरियों के लिए राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें लोदना क्षेत्र के अवर महाप्रबंधक परवेज आलम ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की। क्षेत्रीय प्रबंधक मानव संसाधन, दीपक कुमार सिंह ने मुख्यालय से आए बीसीसीएल के प्रबंधक राजभाषा, उदयवीर सिंह और अनुवादक अनिरुद्ध नोनिया को पुष्पगुच्छ और पुस्तकों के साथ सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान अवर महाप्रबंधक, क्षेत्रीय प्रबंधक मानव संसाधन, नोडल अधिकारी राजभाषा, सौरभ सिंह तथा मुख्यालय के हिंदी अधिकारियों ने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के चित्र पर पुष्प अर्पित कर राष्ट्रगान तथा कोल इंडिया गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यशाला का संचालन वरीय लिपिक राजभाषा बिश्वनाथ धीवर ने किया। क्षेत्रीय प्रबंधक मानव संसाधन, दीपक कुमार सिंह ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि अधिक से अधिक कार्य हिंदी में होना चाहिए ताकि राजभाषा का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। सुरक्षा निरीक्षक रामजी पांडेय ने स्वागत भाषण देते हुए कार्यशाला की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके बाद प्रबंधक राजभाषा, उदयवीर सिंह ने राजभाषा नीति और उसके प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी।

लायंस क्लब ऑफ धनबाद कोलफील्ड्स ने थैलीसीमिया जागरूकता का दिया संदेश

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। लायंस क्लब ऑफ धनबाद कोलफील्ड्स की ओर से गुरुवार को राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर में थैलीसीमिया जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कक्षा 6, 7 और 8 के कुल 312 विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों एवं उनके माध्यम से समाज में थैलीसीमिया जैसे गंभीर लेकिन रोकथाम योग्य रोग के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय से आईं प्रो॰ डॉ॰ सुनीता जेटली ने छात्रों को थैलीसीमिया के कारण, पहचान, रोकथाम और इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वह आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, नई दिल्ली में कार्यरत हैं तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में थैलीसीमिया अवेयरनेस एंड स्क्रीनिंग की प्रभारी हैं।

इसके साथ ही वह भोर लिविंग ह्यूमन फाउंडेशन की निदेशक एवं लायंस क्लब श्री राधे, दिल्ली में थैलीसीमिया और कैंसर जागरूकता की जिला चेयरपर्सन भी हैं। डॉ॰ जेटली ने कहा कि थैलीसीमिया का इलाज नहीं है, लेकिन यह पूरी तरह से रोकी जा सकने वाली बीमारी है। जागरूकता की कमी के कारण कई परिवार आर्थिक, मानसिक और शारीरिक रूप से पीड़ित होते हैं। उन्होंने बताया कि बीमारी का पता लगाना बेहद आसान है। सामान्य सीबीसी टेस्ट के दो पैरामीटर एमसीवी और आरबीसी से मेंट्जर इंडेक्स निकालकर पता लगाया जा सकता है कि कोई व्यक्ति थैलीसीमिया का कैरियर है या नहीं।

उन्होंने समझाया कि यदि दोनों पति-पत्नी कैरियर हों तो बच्चे में इस बीमारी के होने की संभावना काफी अधिक होती है। इसलिए विवाह से पहले थैलीसीमिया स्क्रीनिंग टेस्ट कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि यदि शादी हो चुकी हो तो गर्भ के तीन महीने के अंदर भ्रूण की जांच से पता लगाया जा सकता है कि बच्चा कैरियर होगा या बीमारी से ग्रसित। इसके लिए विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना अनिवार्य है। कार्यक्रम में लायन सोमनाथ घ्रुथी ने बताया कि थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों को नियमित रक्त की आवश्यकता होती है। इसलिए 18 वर्ष से अधिक आयु वाले प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को साल में कम से कम तीन बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। रक्तदान से न केवल किसी की जान बचती है, बल्कि दान करने वाले व्यक्ति के स्वास्थ्य की भी महत्वपूर्ण जांच हो जाती है। लायन ए. पी. जे. सिंह ने बच्चों को तनावमुक्त रहने, सकारात्मक सोच अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली का महत्व समझाया। स्कूल के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने लायंस क्लब और डॉ॰ सुनीता जेटली का आभार व्यक्त करते हुए छात्रों से आग्रह किया कि वे इस ज्ञान को अपने परिवार और समुदाय तक पहुंचाएं ताकि अधिक से अधिक लोग जागरूक हों और इस बीमारी की संभावना घटे।

गोविंदपुर क्षेत्र में 28 दिसंबर तक जारी रहेगा चार घंटे का लोड शेडिंग

बिजली संकट से आमजन और उद्योग प्रभावित

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद/कतरास। सर्द मौसम के बीच गोविंदपुर क्षेत्र के लोग बिजली संकट से परेशान हैं। बीसीसीएल और डीवीसी के बीच बिजली आपूर्ति से जुड़े तकनीकी और प्रशासनिक मुद्दों के चलते नवंबर माह में भारी लोड शेडिंग हुई, जिसके तहत प्रतिदिन चार घंटे तक बिजली कटौती की गई। अब दिसंबर माह में भी इसी तरह की स्थिति बनी रहेगी। डीवीसी ने घोषणा की है कि 28 दिसंबर तक दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक प्रतिदिन लोड शेडिंग की जाएगी।

स्थानीय लोगों की मानें तो लोड शेडिंग के बाद भी कई बार बिजली तुरंत नहीं आती और एक से दो घंटे की अतिरिक्त कटौती झेलनी पड़ती है। इससे न केवल लोगों के दैनिक जीवन पर असर पड़ रहा है बल्कि बीसीसीएल के उत्पादन कार्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। सर्दी के मौसम में जहां बिजली की आवश्यकता बढ़ जाती है, वहीं लगातार कटौती ने लोगों को परेशान कर दिया है। व्यापारी, छात्र और आम लोग समाधान की मांग कर रहे हैं ताकि क्षेत्र को स्थायी बिजली राहत मिल सके।

सुभाषितम्

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी, छाया में दूसरों का ताप दूर करता है। - तुलसीदास

भारत-रूस संबंध और बदलता वैश्विक समीकरण

डॉ. प्रियंका सौरभ

रूस के साथ भारत के संबंध दशकों से सामरिक साझेदारी, रक्षा सहयोग और राजनीतिक विश्वास की मजबूत नींव पर टिका रहा है। शीतयुद्ध के दौर से लेकर वर्तमान तक रूस उन कुछ देशों में रहा, जिसने कठिन समय में भी भारत के हितों का समर्थन किया। परंतु साल 2022 में शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति, ऊर्जा बाजार, वित्तीय ढांचे और सामरिक गठबंधनों को जिस तरह बदल दिया है, उसने भारत-रूस संबंधों को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों ने न केवल रूस की अर्थव्यवस्था और उसकी रक्षा-उत्पादन क्षमता को प्रभावित किया है, बल्कि भारत जैसे साझेदार देशों के लिए भी अभूतपूर्व कूटनीतिक चुनौतियां पैदा की हैं। एक ओर अमेरिका, यूरोप और इंडो-पैसिफिक साझेदार भारत से पश्चिमी मानदंडों का पालन करने की उम्मीद करते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत रूस से ऊर्जा, रक्षा और अंतरराष्ट्रीय संतुलन की जरूरतों को अनदेखा नहीं कर सकता। इस दोराहे पर भारत की सबसे बड़ी परीक्षा है कि कैसे रूस के साथ संबंधों को बनाए रखते हुए अपनी सामरिक स्वायत्तता को मजबूती से स्थापित किया जाए। आज की सबसे बड़ी जटिलता यह है कि रूस धीरे-धीरे चीन के करीब जाता दिख रहा है और यह समीकरण भारत के हितों की दृष्टि से पूरी तरह अनुकूल नहीं कहा जा सकता।

चीन के साथ रूस का बढ़ता आर्थिक, तकनीकी और सैन्य सहयोग उस क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित कर रहा है, जिसमें भारत अपनी सुरक्षा रणनीति का निर्माण करता है। भारत जानता है कि चीन की मंशा केवल एशिया प्रभुत्व तक सीमित नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन को बदलने की है। ऐसे में रूस-चीन निकटता भारत की सामरिक गणना को कठिन बनाती है। पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंध भी भारत के लिए कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। रूस से होने वाले रक्षा आयात और महत्वपूर्ण स्पेयर पाट्र्स पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण धीमे पड़ रहे हैं। भारत की वायुसेना और थलसेना जिन कई प्रमुख प्रणालियों पर निर्भर हैं, वे रूस द्वारा निर्मित या रूस के सह-उत्पादन वाले हैं। यूक्रेन युद्ध के चलते रूसी रक्षा उद्योग पर जो दबाव बढ़ा है, उसने भारत को कई सैन्य परियोजनाओं की समय-सीमा को लेकर चिंतित कर दिया है। कुछ हथियार प्रणालियों और मिसाइल डिलीवरी में देरी भी इसे दशार्ती है। यह स्थिति भारत को मजबूर करती है कि वह दीर्घकालिक रूप से अपने रक्षा स्त्रोतों को विविध बनाए और घरेलू उत्पादन पर अधिक ध्यान दे। इसी बीच व्यापारिक असंतुलन भी भारतझ्ररूस संबंधों का एक गंभीर पहलू बनकर उभरा है। कच्चे तेल के आयात में भारी वृद्धि ने रूस के साथ भारत के व्यापार को एकतरफा बना दिया है। रूस को भारत से निर्यात बेहद कम है और भुगतान प्रणाली भी स्पष्ट ढंग से स्थिर नहीं हो पाई है। रुपयाझ्ररूबल व्यापार व्यवस्था पश्चिमी प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग नियमों के कारण अपेक्षित दक्षता हासिल नहीं कर पाई है। इससे दोनों देशों के व्यापारिक ढांचों में अनिश्चितता और जोखिम बढ़ा है।

दूसरी ओर पश्चिमी देश भी चाहते हैं कि भारत रूस को समर्थन कम करे और यूक्रेन मुद्दे पर एक 'नैतिक' रुख अपनाए। लेकिन भारत की विदेश नीति का आधार साझा नैतिकता से अधिक राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कई बार मतदान से दूरी बनाकर यह स्पष्ट किया है कि वह किसी भी पक्ष का सीधा समर्थन नहीं करेगा। भारत का यह संतुलित रुख उसकी सामरिक स्वायत्तता का प्रतीक है। परन्तु पश्चिमी देशों में इसे लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं। कुछ इसे भारत की 'प्रैगमैटिक डिप्लोमेसी' कहते हैं, तो कुछ इसे रूस के प्रति 'अतिरिक्त सहानुभूति' की तरह देखते हैं। भारत को इन दबावों के बीच अपनी विदेश नीति को चतुराई से साधना होगा। भारत के सामने एक चुनौती यह भी है कि रूस और अमेरिका दोनों उसके महत्वपूर्ण साझेदार हैं। अमेरिका आज भारत का सबसे बड़ा तकनीकी और आर्थिक भागीदार है, साथ ही क्वाड के माध्यम से एशिया-प्रशांत सुरक्षा ढांचे का अभिन्न हिस्सा भी। वहीं रूस पारंपरिक सहयोगी है और दशकों से भारत के रक्षा ढांचे का मुख्य स्तंभ बना हुआ है। इन दोनों स्तंभों के बीच संतुलन बनाए रखना भारत की कूटनीति के लिए अत्यंत जटिल किंतु आवश्यक कार्य है। भारत को यह दिखाना होगा कि दोनों साझेदारियों में विरोधाभास नहीं बल्कि परस्पर पूरक लाभ हैं।

भारत इस मुश्किल संतुलन को बनाए रखने के लिए कई कूटनीतिक रणनीतियाँ अपना सकता है। सबसे पहले, उसे रक्षा आयात पर निर्भरता कम करके 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' को तेजी से आगे ले जाने की नीति अपनानी होगी। रूस के साथ संयुक्त उत्पादन और तकनीकी सहयोग को भारतीय भूमि पर बढ़ाया जा सकता है, जिससे सीधे आयात पर निर्भरता घटेगी और प्रतिबंधों का प्रभाव न्यूनतम होगा। इसके साथ ही भारत को यूरोप, अमेरिका, फ्रांस और इजराइल जैसे देशों के साथ नई रक्षा साझेदारियों को मजबूत करना होगा।

भावनाओं की अति इंसान को भीतर तक तोड़ देने वाली अदृश्य पीड़ा

विनय कुमार तिवारी

मनुष्य कितना भी मजबूत क्यों न हो, दिल के अंदर एक नर्म हिस्सा हमेशा ऐसा रहता है जो संबंधों, संवाद, विश्वास और उम्मीदों पर टिका होता है। यही हिस्सा उसे इंसान बनाता है, लेकिन यही हिस्सा उसे सबसे ज्यादा पीड़ा भी देता है। जीवन के अनुभव हमें बार-बार यह सिखाते हैं कि किसी भी चीज की अति अच्छी नहीं होती। यह बात भावनाओं पर भी पूरी तरह लागू होती है। जरूरत से ज्यादा बातचीत, जरूरत से ज्यादा लगाव, जरूरत से ज्यादा उम्मीद और जरूरत से ज्यादा भरोसा, ये चार बातें इंसान को सबसे ज्यादा दर्द देती हैं, कारण कि इनके टूटने पर व्यक्ति का आत्मविश्वास, मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता, सब कुछ हिल जाता है। आज के समय में, जहां रिश्ते तेजी से बदलते हैं, जहां लोग अपनी प्राथमिकताओं में उलझे हुए हैं, वहां यह समझना और भी आवश्यक हो जाता है कि मनुष्य को अपनी भावनाओं को किस हद तक आगे बढ़ाना चाहिए। हर संबंध में संतुलन बनाए रखना जितना जरूरी है, उतना ही मुश्किल भी।

भावनाओं की अति अच्छे-खासे मजबूत इंसान को भी भीतर तक कमजोर बना देती है। जब हम किसी से जरूरत से ज्यादा बातचीत करने लगते हैं, तो धीरे-धीरे हमारी आदत उसी पर निर्भर होने लगती है। शुरूआत में यह सब अच्छा लगता है - हर बात शेयर करना, हर छोटी चीज पर चर्चा करना, हर घंटे एक-दूसरे का हाल पूछना। इससे एक जुड़ाव बनता है, रिश्ता गहराता है और दिल को सुकून मिलता है। लेकिन समय के साथ यह सुकून एक आदत बन जाता है, और आदत ही कमजोरी का सबसे बड़ा कारण होती है। यदि एक दिन बातचीत कम हो जाय या जवाब देर से मिले, तो बेचैनी होने लगती है। मन में अनगिनत सवाल उठने लगते हैं। क्या वह नाराज है? क्या वह बदल गया? क्या अब वही जुड़ाव नहीं रहा? इस तरह का मानसिक तनाव इंसान को अंदर ही अंदर खाता जाता है। लगाव भी इसी तरह की एक अदृश्य डोर है। लगाव एक खूबसूरत भावना है, लेकिन जब यह हद से ज्यादा बढ़ जाता है, तो इंसान अपनी भावनाओं पर नियंत्रण खोने लगता है। जरूरत से ज्यादा लगाव व्यक्ति को भावनात्मक रूप से निर्भर बना देता है। वह अपने फैसलों, खुशियों, दुखों और यहां तक कि अपने आत्मसम्मान को भी किसी और के व्यवहार से जोड़ने लगता है।

सामने वाला यदि व्यस्त हो, बदल जाय या थोड़ी सी दूरी बना ले, तो दिल टूट जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हमने अपनी भावनाएं उस जगह लगा दी होती हैं, जहां से हमें बदले में उतनी गहराई मिलना शायद मुमकिन नहीं होता। यही असंतुलन दर्द का सबसे बड़ा कारण है। उम्मीदें इंसान की ज़िंदगी को दिशा देती हैं, लेकिन उम्मीदों की अति इंसान को बर्बाद भी कर सकती है। एक छोटी-सी उम्मीद के टूटने से भी इंसान कितना विचलित हो जाता है, इसका अंदाजा वही लगा सकता है जिसने दिल से किसी पर विश्वास किया हो। सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि हम अपनी उम्मीदों को सामने वाले की क्षमता से ज्यादा ऊंचा बना लेते हैं। हम कल्पना कर लेते हैं कि सामने वाला हमेशा हमारी भावनाओं को समझेगा, हमेशा हमारे हिसाब से चलेगा, हमेशा हमारे बारे में सोचेगा। लेकिन वास्तविकता हमेशा उम्मीदों जैसी नहीं होती। जब उम्मीदें टूटती हैं तो इंसान खुद को असफल या कमतर महसूस करने लगता है। उसे लगता है कि शायद उसके भीतर ही कुछ कमी है। यही सोच इंसान की आत्मशक्ति को धीरे-धीरे खत्म करती जाती है। इस सबके बीच सबसे खतरनाक चीज होती है जरूरत से ज्यादा भरोसा। भरोसा हर रिश्ते की नींव है, लेकिन अति-भरोसा उस नींव को कमजोर कर देता है। जब हम किसी पर जरूरत से ज्यादा विश्वास कर लेते हैं, तो हम उसकी गलतियों को भी नजरअंदाज करने लगते हैं। हम अपने दिल के दरवाजे पूरी तरह खोल देते हैं। और इंसान वहां से ही सबसे ज्यादा चोट खाता है, जहां वह खुद को सबसे ज्यादा सुरक्षित समझ रहा होता है। जब वही व्यक्ति, जिस पर आपने अपनी पूरी भावनाएं, अपने राज, अपनी कमजोरी और अपना भरोसा सौंप दिया, अचानक बदल जाय या आपको आघात पहुंचाए, तब दर्द असहनीय होता है। यह दर्द सिर्फ दिल को नहीं, आत्मा को भी चोट पहुंचाता है।

भावनाओं की अति की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह हमें स्वयं से दूर कर देती है। हम दूसरों पर इतना केंद्रित हो जाते हैं कि अपनी खुशी, अपनी मानसिक स्थिति, अपनी प्राथमिकताएं और अपनी जरूरतें भूल जाते हैं। धीरे-धीरे हम अपनी पहचान को ही खोने लगते हैं। और जब सामने वाला हमारे जैसे भावनात्मक निवेश के लायक नहीं निकलता, तो यह खालीपन और भी गहरा हो जाता है। हर रिश्ता, हर भावना, हर जुड़ाव तभी खूबसूरत होता है, जब उसमें संतुलन हो। संतुलन ही वह चीज है जो इंसान को मानसिक रूप से मजबूत बनाती है। संतुलन का मतलब यह नहीं कि आप भावनाएं न रखें। इसका अर्थ सिर्फ इतना है कि आप खुद को कहीं इस हद तक न खो दें कि वापस लौटने की ताकत भी न रहे। जीवन में हमें सीखना होगा कि बातचीत जरूरी है, लेकिन इतनी भी नहीं कि हमारी दुनिया किसी एक व्यक्ति पर टिक जाय।

लगाव जरूरी है, लेकिन इतना भी नहीं कि हमारा आत्मसम्मान गिर जाय। उम्मीदें जरूरी हैं, लेकिन इतनी भी नहीं कि उनका टूटना हमें तोड़ दे। भरोसा जरूरी है, लेकिन इतना भी नहीं कि हम अंधे हो जाएं। समझदार वही है जो अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना जानता है। क्योंकि संसार की सबसे बड़ी पीड़ा इंसान को तब मिलती है जब वह अपनी भावनाएं गलत जगह, गलत इंसान या जरूरत से ज्यादा लगा देता है। इसलिए जीवन का मूलमंत्र यही है - दिल से जीओ, पर सीमाओं के साथ। प्यार करो, पर खुद को भूलकर नहीं। भरोसा करो, पर सोच-समझकर। उम्मीद रखो, पर इतना भी नहीं कि वह तुम्हें भीतर से तोड़ दे। यदि इंसान यह समझ ले कि दुनिया में कोई भी रिश्ता इतना स्थायी नहीं कि उसके लिए खुद को खो दिया जाय, तो वह जीवन को बहुत हल्के, शांत और संतुलित ढंग से जी सकता है। भावनाओं की अति से मुक्त होकर ही सुकून मिलता है और सुकून से ही जीवन खूबसूरत बनता है।

धर्म और विकास : वैज्ञानिक चेतना से दूर होता भारत

कुशवाहा राकेश महतो

भारत 21वीं सदी में विश्व की एक उभरती हुई शक्ति के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष अनुसंधान और डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में देश ने दुनिया को अपनी क्षमता का अहसास कराया है। मंगलयान, चंद्रयान, सुपरकंप्यूटिंग, जैव-प्रौद्योगिकी, नैनो-टेक्नोलॉजी और आईटी सेक्टर में भारत की उपलब्धियां आज विश्व भर में प्रशंसा पा रही हैं। हर वर्ष लाखों युवा इंजीनियर, वैज्ञानिक, डॉक्टर और तकनीकी विशेषज्ञ तैयार हो रहे हैं। यह वैज्ञानिक भारत की तस्वीर का उजला पक्ष है, पर इसके समानांतर एक दूसरी तस्वीर भी उभर रही है अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता, अवैज्ञानिक मान्यताओं और तर्कहीन प्रवृत्तियों के बढ़ते प्रभाव की। यह परस्पर विरोधी मानसिकता भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास की गति को कम करती है। विज्ञान आगे बढ़ रहा है, लेकिन समाज का एक बड़ा हिस्सा उल्टी दिशा में चलता हुआ दिखाई देता है। यही विरोधाभास भारत की प्रगति के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनकर खड़ा है।

आम जन जीवन में वैज्ञानिक सोच और तर्क की जगह चमत्कारवाद, टोने-टोटकों और मिथकीय व्याख्याओं ने ले ली है। अंतरिक्ष की उपलब्धियों पर देश गर्व तो करता है, लेकिन उसी तेजी से धार्मिक चमत्कारिक व्याख्याएं, अफवाहें और अवैज्ञानिक संदेश फैलते हैं। विज्ञान और समाज के बीच यह मानसिक विभाजन भारत के विकास को धीमा करता है। धर्म का मूल उद्देश्य मनुष्य को नैतिकता, करुणा, अनुशासन और सदाचार का मार्ग दिखाना है। लेकिन आधुनिक भारत में धर्म का उपयोग राजनीति के हथियार के रूप में अधिक होने लगा है। मंदिर-मस्जिद विवाद, धार्मिक जुलूस, ऐतिहासिक आक्रोश और सामुदायिक भावनाओं को भड़काने वाले मुद्दे राजनीति के प्रमुख औजार बन चुके हैं। विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान और अर्थव्यवस्था जैसे वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। जिन देशों ने विज्ञान और शिक्षा को प्राथमिकता दी अमेरिका, जापान, जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण कोरिया वे आज विश्व की अग्रणी शक्तियां हैं। भारत को भी वैश्विक शक्ति बनने के लिए धार्मिक ध्रुवीकरण से ऊपर उठकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्राथमिकता देनी होगी। शिक्षा प्रणाली में भी वैज्ञानिक मानसिकता के विकास की बेहद कमी दिखाई देती है। स्कूलों में विज्ञान पढ़ाया जरूर जाता है, लेकिन आलोचनात्मक चिंतन, तर्क, सवाल पूछने की क्षमता और प्रयोग आधारित शिक्षा की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। बच्चे विज्ञान को परीक्षा पास करने का साधन समझते हैं, जीवन-दृष्टि नहीं। कई जगह धार्मिक मान्यताओं को विज्ञान का दर्जा दिया जाने लगा है, जिससे युवा पीढ़ी भ्रमित हो रही है।

विकसित देशों में विज्ञान जीवन का आधार है, जबकि भारत में विज्ञान अभी भी पुस्तक तक सीमित है। जब तक शिक्षा अनुसंधान, नवाचार और वास्तविक प्रयोग संस्कृति को प्रोत्साहित नहीं करेगी, तब तक भारत विश्व स्तर की प्रतिस्पर्धा में पीछे ही रहेगा। अंधविश्वास और चमत्कारवाद वैज्ञानिक चेतना के सबसे बड़े शत्रु हैं। ग्रह-नक्षत्र का डर, झाड़-फूंक, चमत्कारी तेल-पानी, टोना-टोटका, चमत्कारी बाबाओं के दावे ये सब धर्म नहीं, बल्कि अज्ञान, भय और भ्रम के परिणाम हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टें बताती हैं कि अंधविश्वास के कारण समय पर इलाज नहीं मिल पाता, टीकाकरण प्रभावित होता है, महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ता है। कोविड महामारी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अफवाहें, धार्मिक भीड़ और अवैज्ञानिक दावे किस तरह लाखों लोगों के लिए घातक सिद्ध हुए। जब समाज अपने निर्णय विज्ञान पर नहीं, बल्कि धार्मिक आख्यानों पर आधारित करता है, तब विकास अवरुद्ध होना स्वाभाविक है। धार्मिक ध्रुवीकरण केवल सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक विकास के लिए भी बड़ा खतरा है। निवेश वही होता है जहां सामाजिक स्थिरता, शांति और कानून व्यवस्था हो। धार्मिक दंगों और विवादों से निवेशकों का विश्वास टूटता है। पर्यटन पर भी इसका सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रशासनिक ऊर्जा धार्मिक भीड़ और तनाव को नियंत्रित करने में खर्च होती है, जिससे विकास कार्य प्रभावित होते हैं। युवाओं की ऊर्जा धार्मिक बहसों में उलझकर नवाचार और उत्पादकता से दूर चली जाती है, जो किसी भी राष्ट्र के भविष्य के लिए सबसे हानिकारक स्थिति है।

धार्मिक उन्माद समाज की एकता को भी कमजोर करता है। जब धर्म पहचान बन जाता है और पहचान राजनीति का हथियार, तब अविश्वास, विभाजन, नफरत और संघर्ष बढ़ते हैं। एक अस्थिर समाज कभी भी प्रगति नहीं कर सकता। जिस दिन नागरिकों की ऊर्जा धार्मिक विवादों में उलझ जाती है, उसी दिन वैज्ञानिक और आर्थिक विकास की राह धीमी पड़ जाती है। भारत को धर्म विरोधी नहीं, बल्कि धार्मिक कट्टरता विरोधी राष्ट्र बनना होगा। धर्म को उसके मूल रूप में आध्यात्मिकता, मानवीय मूल्यों और नैतिकता के रूप में सम्मान देना चाहिए, पर राजनीति, सत्ता और वोट बैंक से उसका संबंध समाप्त करना होगा। शिक्षा में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

वैज्ञानिक नीतियां धार्मिक या राजनीतिक भावनाओं से प्रभावित न हों। अंधविश्वास विरोधी अभियान राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जाएं। मीडिया को अवैज्ञानिक सामग्री के प्रसार पर रोक लगानी चाहिए। धार्मिक संस्थानों और नेताओं को भी समाज में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। युवा वर्ग को शोध, नवाचार, तकनीकी कौशल और स्टार्टअप संस्कृति की ओर प्रेरित किया जाना चाहिए। भारत का भविष्य विज्ञान के मार्ग पर ही सुरक्षित है। धार्मिक कट्टरता और उन्माद जितना बढ़ेगा, भारत उतना ही विकास की राह से भटकेगा। धर्म समाज की आत्मा है, लेकिन जब धर्म राजनीति का साधन बन जाय, तब वह विकास का सबसे बड़ा शत्रु बन जाता है। यदि भारत को विश्व गुरु बनना है, तो अंधविश्वास के अंधेरे से निकलकर वैज्ञानिक चेतना के उजाले में कदम बढ़ाना होगा। अंततः तर्क, विज्ञान और विवेक ही भारत को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है।

सोशल मीडिया पर नए लिक्खाड़ों का आगमन और पुरानों का नाक-भौं सिकोड़ना!!

राजीव थेपड़ा

लगभग 20-25साल होने जा रहे हैं भारत में इंटरनेट के द्वारा पहले ब्लॉग्स के द्वारा और उसके पश्चात फेसबुक के माध्यम से हजारों/लाखों रचनाधर्मियों ने स्वयं को इन माध्यमों पर अभिव्यक्त किया है और क्योंकि कोई भी अपनी प्रोफाइल बनाकर अपनी वॉल पर कुछ भी व्यक्त कर सकता है और उसके दोस्त उसे प्रशंसित कर सकते हैं या रद्द भी कर सकते हैं या इग्नोर भी कर सकते हैं, तो सारे ऑप्शन हमारे हाथ में है इस प्रकार एक अथाह सृजन हमारे सामने बिखरा हुआ है। उसमें उनमें से कौन सा सृजक आगे चलकर और बेहतर हो सकता है। किसे किस प्रकार निखारना है और किस में बिल्कुल दम नहीं है, उसे ₹तमाचा₹ बिल्कुल नहीं मारते हुए उसे यह समझाना है कि इस विषय में क्या किया जाना चाहिए। जब भी कोई नई चीज आविष्कृत होती है अथवा सामने आती है तो उसके समस्त आयाम होते हैं और उसमें अच्छाइयों के साथ बुराइयां भी सन्निहित होती है।

इसी भांति सोशल मीडिया भी किसी भी व्यक्ति के लिए अपने आप को व्यक्त करने का सबसे आसान माध्यम है, इसलिए कोई भी व्यक्ति कुछ भी सृजन करके अपनी प्रोफाइल या अपनी वॉल पर डाल देता है। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं है कि हर कोई बेहतरीन हो, हर कोई श्रेष्ठ हो या हर कोई उच्च दर्जे का सृजक ही हो। लेकिन साथ ही इसका अर्थ यह भी नहीं है कि जो बेहतर सृजक या रचयिता नहीं है, उसे बेहतरीन रचयिता या श्रेष्ठतम सृजक गालियां दे या तमाचे मारे या उनके बारे में अपशब्दों का उपयोग करे। दोस्तों। हर किसी की अपनी वॉल हैं और अपनी उस वॉलनुमा 'देश' के क्षेत्र में वह व्यक्ति पूरी तरह से 'संप्रभु' है और वह अपनी वॉल का उपयोग किस तरह करता है, यह उसके ऊपर निर्भर करता है! बेशक यहां पर यह तथ्य जोड़ देना भी उचित मालूम पड़ता है कि अपनी वॉल पर 'संप्रभु' होने का अर्थ यह भी नहीं है कि आप कुछ भी ऊटपटांग या ऐसी चीजें डालते चलें, जिनका कोई माने-मतलब नहीं हो या फिर जिनसे वैमनस्य फैलता हो, ईर्ष्या फैलती हो या फिर जो किसी भी मायने में कुछ भी नहीं हो या फिर जो किसी भी प्रकार की हिंसा फैलाता हो। लेकिन यहां पर फिर वही बात आती है कि हर चीज की कुछ अच्छाइयां होती हैं तो कुछ-बहुत सारी बुराइयां भी होती हैं। किसी चीज में गुण-अवगुण उन चीजों के उपयोग के ऊपर निर्भर करता है कि हम उन चीजों को किस प्रकार समाज के हित में या स्वयं के ही सृजन के हित में या स्वयं को ही और और और बेहतर बनाने के लिए उपयोग करते हैं।

यह सब सिर्फ और सिर्फ हमारे ऊपर निर्भर है! तो मुख्य बात यह है, जो कि विशेष तौर पर चर्चा का विषय था वह यही है कि रचनाधर्मियों की इस बाढ़ में अनेकानेक ऐसे नए रचना धर्मी भी सामने आए हैं जो वाकई में कमाल हैं, जिनका वास्तव में कोई जोड़ नहीं और ऐसे भी अनेकानेक लिक्खाड़ सामने आए हैं, जिन्होंने अपने बिल्कुल नए विचारों या नए अंदाज से हम सबको लुभाया है और अनेकानेक लोगों की शैलियों ने भी हम सबका मन मोहा है। इस युग के आने से पहले जब तक किताबों का युग हुआ करता था, तब तक कुछ लोग ही ऐसे जाने-माने नाम हुआ करते थे, जिन्हें लेखक की संज्ञा दी जाती थी और जिन का बहुत सम्मान होता था और जिन्हें लोग बड़े चाव से पढ़ा करते थे। लेकिन साथ ही यह बात भी अनिवार्य थी कि लेखक होने की पहली शर्त उनका किसी किताब के रूप में प्रकाशित होना या साहित्यिक पत्रिकाओं में और समाचार पत्रों में प्रकाशित होना था। ऐसा भी नहीं है कि अखबारों और पत्रिकाओं में सारा का सारा लेखन अपने श्रेष्ठ दर्जे के रूप में प्रकाशित होता रहा हो। यहां भी संपादकों ने कम पक्षपात नहीं किए, जिनसे अनेकानेक ऐसे लोग भी प्रकाशित हो पाए, जिनकी रचनाओं में किसी भी प्रकार का कुछ भी सार-तत्व नहीं था, बल्कि कुछ भी नहीं था। तो उस माध्यम कि वह अपनी तरह की एक बुराई थी। उसी तरीके से वर्तमान माध्यमों में यह सबसे बड़ी बुराई है कि अपनी वॉल पर कोई कुछ भी डाल कर उसके मजे ले सकता है। बेशक उसका परिणाम चाहे जो भी हो और यह बुराई एक ऐसी बुराई है जिसका निदान किसी भी तरीके से संभव नहीं दिखता। क्योंकि हर कोई ना तो कलाकार है ना लेखक है ना किसी और कला में कोई बहुत बेहतर सृजक ही है। बावजूद इसके, हर कोई अपने वॉल पर कुछ भी डाले दे रहा है। इस प्रकार इन माध्यमों में बेसुरा गायन भी प्रकाशित हो रहा है। बेकार के चित्र भी दिखाई देते हैं और रचनाओं की बाढ़ के बीच से अच्छी रचनाओं को चुनना भी कंकड़ में मोती चुनने के समान है। फिर भी अंतिम बात वही आ पहुंचती है कि इन चुनौतियों से कैसे निपटा जाए? तो सर्वप्रथम एक हल तो मुझे यही दिखाई देता है कि तमाम बेकार की चीजों को इग्नोर किया जाए और चाहे कोई आपका कितना भी अच्छा दोस्त क्यों न हो, लेकिन अगर उसमें सृजन की तमीज नहीं, लेकिन वह अनाप - सनाप सृजन करके अपने वाल को भरे ही चले जा रहा है, तो उसे अच्छी राय देना मित्र का हक बनता है, लेकिन यहां पर भी एक दूसरी बात पैदा हो जाती है कि जो स्वयं को रचनाधर्मी समझते हुए अपने वॉल पर कुछ भी उटपटांग डाल दे रहा है, उसके दोस्त भी वैसे ही हैं, जो उन ऊटपटांग चीजों की भी इतनी जमकर प्रशंसा कर रहे हैं कि वह ऊटपटांग लेखक या सृजक या कलाकार सातवें आसमान पर जा पहुंचता है। और सच तो यह है कि इस दुनिया में सबसे ज्यादा यही हो रहा है गंभीर सृर्जनशीलता तो पनाह मांगती है, किन्तु अगंभीर चीजें इतनी प्रशंसित होती है कि किसी भी गंभीर सृजक को तो दांतों तले अंगुली दबा लेने पर ही विवश होना पड़ता है कि आखिर ये हो क्या रहा है? लेकिन सच तो यह है कि जिस प्रकार गंभीर लोगों के लिए यह मीडिया गंभीर बातें करने का मंच है, उसी प्रकार अगंभीर लोगों के लिए यह ऊटपटांग करने का ही मंच है या इंटरटेन करने का मंच है, जहां वे अपनी भड़ास निकालते हैं, जहां वे अपने दोस्तों के साथ मजाक करते हैं! जहां वे ऐसा कुछ भी करते हैं, जिससे सिवाय उनको और उनके कतिपय दोस्तों को कुछ खुशियां मिलने के, समाज को कुछ भी लाभ नहीं होता। किसी प्रकार का भी लाभ नहीं होता! न मानसिक न भौतिक न किसी और अर्थ में लेकिन यहां पर भी लोग बहस कर सकते हैं कि लाभ कैसे नहीं होता? इन मंचों पर जो लोग बहुत सारी ऊंटपटांग बातें करते हैं, चीजें करते हैं, उससे जो हास्य का माहौल पनपता है, वह एक तरह की मानसिक खुराक ही तो होता है!! तो इस प्रकार की बातें भी होंगी!! कुल-मिलाकर यही कि जो जैसा चल रहा है, वैसा ही चलेगा। इसका कुछ भी नहीं किया जा सकता। अच्छा तो यही है कि जो लोग गंभीर हैं या जो वास्तव में समाज के बारे में कुछ अच्छा सोचते हैं, उन्हें ऊटपटांग लोगों की परवाह नहीं करते हुए अपने काम को जारी रखना चाहिए और अपने सृजन पर लाइक-कमेंट या प्रशंसाओं की चिंता न करते हुए अपने आपको लगातार निखारते हुए अपना सृजन जारी रखना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। आलस्य को त्याग।

वृष : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग।

मिथुन : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। श्रम अधिक करना पड़ सकता है।

कर्क : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

सिंह : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ।

कन्या : क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा।

तुला : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा।

वृश्चिक : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं।महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं।

धनु : कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें।

मकर : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कुम्भ : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी।

मीन : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

किसानों का बीज ब्लैक करने की कोशिश, ग्रामीणों ने पकड़ा वाहन और थाना को सौंपा

हजारीबाग। चुरचू प्रखंड में सरकारी बीज की कथित हेराफेरी को लेकर बुधवार देर रात बड़ा मामला सामने आया। ग्रामीणों ने बिना नंबर प्लेट वाले पिकअप वाहन को रोककर उसमें लदे चना और गेहूं के बीज के साथ चालक को पकड़कर थाना को सुपुर्द कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि किसानों के लिए आए सरकारी बीज को ब्लैक करने की कोशिश की जा रही थी। वाहन पकड़ने के बाद ग्रामीणों ने प्रखंड कृषि पदाधिकारी काशीनाथ गुप्ता को मौके पर घेर लिया। ग्रामीणों का कहना था कि बीज वितरण का तय समय होता है, लेकिन अंधेरे में गाड़ी से बीज निकालना गड़बड़ी की ओर इशारा करता है। इधर प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि बीज गुरुवार को किसानों में बांटने के लिए भेजे जा रहे थे। पुलिस ने वाहन और बीज को कब्जे में लेकर बिल, बाउचर और अन्य दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है। गुरुवार को सुबह से थाना और ब्लॉक मुख्यालय में बड़ी संख्या में ग्रामीण जुटे रहे और कार्रवाई की मांग की। बीडीओ के नहीं पहुंचने पर लोगों में नाराजगी भी देखी गई। जिला कृषि पदाधिकारी रायमनी हेम्ब्रम ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है, सत्यता मिलने पर कार्रवाई होगी। विधायक प्रतिनिधि प्रदीप कुमार यादव ने दोषियों पर मुकदमा दर्ज करने और किसानों के हक की रक्षा की बात कही।

फेडरेशन ऑफ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने बिरहोर टांडा में जरूरतमंदों को बांटे गर्म वस्त्र

हजारीबाग। कटकमदाग प्रखंड के ढेंगुरा स्थित बिरहोर टांडा में गुरुवार को फेडरेशन ऑफ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से स्वेटर, टोपी, मोजे, चप्पल और कंबल का वितरण किया गया। बढ़ती ठंड को देखते हुए आयोजित यह कार्यक्रम स्थानीय समुदाय के लिए बड़ी राहत साबित हुआ। वितरण के दौरान महिलाओं, बच्चों और वृद्धों में उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में चेंबर अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुबोध कुमार, सचिव राकेश ठाकुर और संयुक्त सचिव नीरज अग्रवाल मौजूद थे। पदाधिकारियों ने बिरहोर समुदाय के लोगों से मिलकर उनकी जरूरतों को जाना और आगे भी सहायता जारी रखने की बात कही। अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल ने कहा कि ठंड से बचाव के लिए जरूरतमंद परिवारों तक गर्म वस्त्र पहुँचाना संगठन की प्राथमिकता है। सचिव राकेश ठाकुर ने कहा कि दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाना बेहद जरूरी है और फेडरेशन भविष्य में भी ऐसे मानवीय कार्य जारी रखेगा। फेडरेशन ने बताया कि आने वाले दिनों में विभिन्न प्रखंडों में राहत वितरण अभियान चलाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों को लाभ मिल सके।

झूमर 2025: अंतर महाविद्यालय युवा महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर कला एवं संस्कृति पर्षद की मेजबानी में 15 से 17 दिसंबर तक होने वाले अंतर महाविद्यालय युवा महोत्सव झूमर-2025 की तैयारियों को लेकर गुरुवार को आर्यभट्ट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष डॉ. विकास कुमार ने की। बैठक में विभिन्न समितियों के अध्यक्ष, संयोजक और सदस्यों ने अब तक की तैयारियों और शेष कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष ने सभी सुझावों को दर्ज कराते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा कराने का आश्वासन दिया। संयुक्त आयोजन सचिव डॉ. अमिता कुमारी और अर्चना रीना धान ने बताया कि अब तक 24 दलों से प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं। प्रतिभागियों और संगतकारों की कुल संख्या लगभग 850 होगी। सभी दलों का पंजीकरण 14 दिसंबर को किया जाएगा, जिसके लिए पाँच उपसमितियाँ बनाई गई हैं। बैठक का संचालन स्नातकोत्तर कला एवं संस्कृति पर्षद के सचिव डॉ. सुकल्याण मोइत्रा ने किया।

बड़कागांव-केरेडारी के किसानों की आवाज संसद में गूंजे

उपजाऊ तीन-फसली जमीन पर कोल ब्लॉक आवंटन का सांसद ने किया कड़ा विरोध

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। संसद के शीतकालीन सत्र में बड़कागांव और केरेडारी क्षेत्र के विस्थापनझेल रहे किसानों की पीड़ा सदन में गूंज उठी। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने गुरुवार को इन क्षेत्रों की उपजाऊ तीन-फसली कृषि भूमि पर कोल ब्लॉक आवंटन का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाते हुए सरकार का ध्यान खींचा।

सांसद ने कहा कि गोंदलपुरा, बादम, हरली, महूगाई, चंदौल, अंबाजीत, रतवे और केरेडारी ब्लॉक की जमीनें सिर्फ खेत नहीं, बल्कि अन्नदाताओं की पहचान हैं। यह इलाका हजारीबाग सहित आसपास के जिलों की सब्जी आपूर्ति का प्रमुख स्रोत है और उच्च गुणवत्ता वाले गुड़ के उत्पादन के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से किसान शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन उन्हें केवल निराशा और पीड़ा मिली है। विकास योजनाओं के नाम पर किसानों की पहचान, आजीविका और कृषि विरासत पर संकट खड़ा हो गया है।

एनटीपीसी द्वारा जारी अधिग्रहण प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए सांसद ने कहा कि मुआवजे की दरें पाँच वर्षों से नहीं बदली हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। ह्यकट-ऑफ डेटह्ल को उन्होंने मनमानी और किसानों के हक के खिलाफ बताते हुए इसे समाप्त करने की मांग की।

सांसद जायसवाल ने स्पष्ट कहा कि देश के विकास के लिए ऊर्जा जरूरी है, पर इसकी कीमत किसानों के भविष्य, उपजाऊ भूमि और पर्यावरण को दांव पर लगाकर नहीं चुकाई जा सकती। सरकार से उन्होंने आग्रह किया कि कोल माइनिंग के लिए हो रहे अधिग्रहण को रोकते हुए कृषि विरासत की रक्षा के लिए नीतिगत पुनर्विचार किया जाए।

राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत जनता दरबार में प्राप्त मामलों की प्रगति की समीक्षा से हुई, जिसमें उपायुक्त ने सभी लंबित मामलों को जल्द निपटाने का निर्देश दिया। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार शिविरों में मिले आवेदनों की प्रखंडवार समीक्षा भी की गई। उपायुक्त ने कहा कि जाति, आय, आवासीय, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित सभी आवेदनों का एक सप्ताह के भीतर शून्यीकरण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में म्यूटेशन, जमीन मापी, परिशोधन, ई-कोर्ट, सुओ-मोटो म्यूटेशन, पीजी पोर्टल और सरकारी भूमि अतिक्रमण पर विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को राजस्व कार्यों में तेजी लाने और हाई कोर्ट से जुड़े भू अर्जन मामलों को सावधानीपूर्वक निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व से जुड़े सभी मामलों का समयबद्ध निष्पादन जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

विस्थापन पर विस में गरजे बड़कागांव विधायक, सरकार से नियमावली में सुधार की मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी ने सोमवार को विधानसभा में विस्थापन मुद्दे पर सरकार को कड़ी चुनौती दी। उन्होंने कहा कि बड़कागांव का विस्थापन सिर्फ भूमि अधिग्रहण नहीं, बल्कि जीविका, संस्कृति और पहचान का संकट है। वर्तमान विस्थापन नियमावली को कमजोर बताते हुए उन्होंने कहा कि इन नियमों से किसी भी परिवार को उचित अधिकार और लाभ नहीं मिल पाएगा।

विधायक ने आरोप लगाया कि विस्थापन के नाम पर लोगों की स्थानीयता और पारंपरिक अधिकार छीने जा रहे हैं। उन्होंने चेताया कि अगर नियमों में सुधार नहीं हुआ तो आने वाले समय में पूरे राज्य में विस्थापन की स्थिति गंभीर रूप से बढ़ सकती है। बड़कागांव में कंपनियों के खिलाफ हुई महापंचायत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लोग पूर्व के कटु अनुभवों के कारण भरोसा नहीं कर पा रहे हैं।

उन्होंने सदन से नियमावली में संशोधन कर वास्तविक विस्थापितों के अधिकार सुनिश्चित करने की मांग की और कहा कि वे अपने क्षेत्रवासियों के अधिकार और न्याय की लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रखेंगे।

सरकार की ओर से मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि विस्थापन आयोग सभी पुराने मामलों की समीक्षा कर निर्णय लेगा और उसकी अनुशंसाओं पर सरकार कार्रवाई करेगी। उन्होंने विधायक से संबंधित मामले आयोग को भेजने का आग्रह किया।

विष्णुगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार मिथलेश वर्मन को पितृ शोक, गांव में शोक की लहर

विष्णुगढ़। दैनिक हिन्दुस्तान के वरिष्ठ संवाददाता मिथलेश वर्मन के पिता जगदीश वर्मन (70) का गुरुवार सुबह निधन हो गया। उनके निधन से पूरे इलाके में शोक की लहर है। परिवार में दो पुत्र, दो पुत्रियाँ और अन्य परिजन शोकाकुल हैं। निधन की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पहुँचे और परिजनों को सांत्वना दी। शोक व्यक्त करने वालों में स्थानीय पत्रकार, समाजसेवी और विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग शामिल थे। इनमें आजसू पार्टी के दीपू अकेला, अजय कुमार मंडल, कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष अब्बास अंसारी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुरेंद्र मिश्र, विशेश्वर प्रसाद स्वर्णकार, पत्रकार ललित कुमार मिश्र, बटेश्वर मिश्र, जीवन सोनी, संतोष कुमार शर्मा, प्रसाद सोनी, धीरज शर्मा, भास्कर दुबे, सुबोध मिश्रा, राजेश दुबे, सुशांत कुमार पाठक, घनश्याम पाठक और राजेश्वर महतो शामिल रहे।

हजारीबाग में एनआईए की गोपनीय छापेमारी

आईएसआईएस लिंक की कड़ी तलाश में एजेंसियां सक्रिय

झारखंड दर्शन संवाददाता

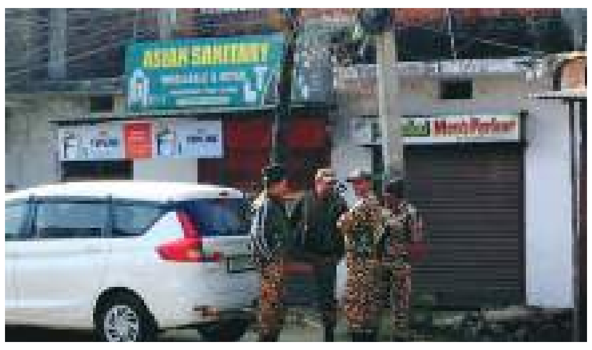

हजारीबाग। पेलावल थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एनआईए ने एक बार फिर छापेमारी कर इलाके में हलचल बढ़ा दी। एनआईए की टीम एटीएस के साथ मिलकर एक घर पर पहुँची, जहाँ कई घंटों तक घर के सदस्यों से पूछताछ की गई। छापेमारी के दौरान सुरक्षा को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात रहा।

सूत्रों के अनुसार कार्रवाई 2023 में गिरफ्तार किए गए संदिग्ध शाहनवाज आलम से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में की गई है। शाहनवाज आलम झारखंड के हजारीबाग का रहने वाला है और पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अक्टूबर 2023 में उसे पकड़ा था। उससे पहले वह हजारीबाग में डकैती और चोरी के मामलों में भी जेल जा चुका है।जानकारी है कि जेल से बाहर आने के बाद वह आईएस हैंडलर के संपर्क में आया। पुणे पुलिस की हिरासत से फरार होने पर एनआईए ने उस पर 3 लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया था। शाहनवाज सफीउज्जमा आईएसआईएस का कुख्यात सदस्य माना जाता था और उसने पुणे के जंगलों में प्रशिक्षण भी लिया था। बृहस्पतिवार की छापेमारी पूरी तरह गोपनीय तरीके से हुई। जांच टीम घर से एक प्रिंटिंग मशीन भी जब्त कर अपने साथ ले गई, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि कुछ दस्तावेज या फोटो प्रिंटिंग से संबंधित सुराग तलाशे जा रहे हैं। टीम ने घर में मौजूद वृद्ध व्यक्ति से भी पूछताछ की। अधिकारियों ने फिलहाल छापेमारी को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन माना जा रहा है कि यह कार्रवाई आईएसआईएस नेटवर्क की कड़ियों की पड़ताल का हिस्सा है।

अठारह सूत्री मांगों को लेकर एबीवीपी प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की विनोबा भावे विश्वविद्यालय इकाई ने गुरुवार को कुलपति से मुलाकात कर अठारह सूत्री मांग पत्र सौंपा। परिषद ने कहा कि वह लंबे समय से छात्र हित के मुद्दों पर सक्रिय रही है और विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों में व्याप्त शैक्षणिक व प्रशासनिक समस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाती रही है। प्रतिनिधिमंडल ने छात्रसंघ चुनाव बहाल करने, सभी महाविद्यालयों में शिक्षक-कर्मचारी की कमी दूर करने, वोकेशनल कोर्सों की लैब सुविधा उपलब्ध कराने, पुस्तकालयों में किताबों की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा शौचालय, पेयजल, सफाई और बेंच-डेस्क सहित बुनियादी सुविधाओं में सुधार की मांग की। एबीवीपी ने कहा कि महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की सुरक्षा बढ़ाई जाए। वर्षों से तैयार ट्राइबल भवन को जल्द उपयोग में लाया जाए तथा महाविद्यालयों की वेबसाइटों को दुरुस्त किया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने सेल्फ फाइनेंस कोर्स में शिक्षक बहाली, खेल शिक्षकों की नियुक्ति, एबीवीपी परीक्षा आयोजन, स्पेशल जेनेरिक परीक्षा तिथि घोषित करने और गिरिडीह महाविद्यालय में कई विषयों की स्नातकोत्तर पढ़ाई शुरू करने की मांग रखी।

बेस पंचायत के ग्रामीणों ने प्रदूषण और बेरोजगारी पर उपायुक्त-एसपी से की कार्रवाई की मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। कटकमदाग प्रखंड के बेस पंचायत के ग्रामीणों ने गुरुवार को प्रदूषण, बेरोजगारी और फैक्ट्रियों की मनमानी के खिलाफ जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की। पूर्व बेस मुखिया प्रत्याशी विक्की कुमार धान के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को अलग-अलग ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में स्थित मरहन्द स्पंज आयरन प्लांट, नरसिंहम्मा आयरन स्पंज प्लांट, झारखंड सेल्स आयरन स्पंज प्लांट, जगतारिणी स्पंज आयरन प्लांट और पोल फैक्ट्री पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी कर रही हैं। भारी धूल और धुएं के कारण गाँव का वातावरण दूषित हो गया है और लोग स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

रोजगार के मुद्दे पर ग्रामीणों ने कहा कि स्थानीय युवाओं की जगह बाहरी राज्यों के लोगों को नौकरी दी जा रही है, जबकि पंचायत के मजदूरों को 2024 में अचानक काम से हटा दिया गया। इससे उनके सामने रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया है।

विक्की कुमार धान ने प्रशासन से मांग की कि प्रदूषण नियंत्रण और स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। चेतावनी दी गई कि समस्या का समाधान नहीं होने पर ग्रामीण बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

हजारीबाग यूथ विंग का शीतकालीन राहत अभियान 14 दिसंबर से शुरू

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग यूथ विंग द्वारा 14 दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 तक शीतकालीन राहत अभियान आयोजित किया जाएगा। नगर निगम क्षेत्र और ग्रामीण इलाकों में हर रविवार को 100 कंबलों का वितरण किया जाएगा, ताकि कड़ाके की ठंड से प्रभावित जरूरतमंदों को राहत मिल सके। अध्यक्ष करण जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अभियान को सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई। इस वर्ष कम-से-कम 1200 कंबलों का वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के दौरान ठंड से राहत के लिए शाम में प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था भी की जाएगी।

संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि यह अभियान केवल कंबल वितरण नहीं, बल्कि जरूरतमंदों तक गर्माहट और मुस्कान पहुँचाने का प्रयास है। बैठक में सचिव रितेश खंडेलवाल, मार्गदर्शक जयप्रकाश खंडेलवाल और अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक के बाद अध्यक्ष करण जायसवाल और उनकी पत्नी अवंतिका जायसवाल की विवाह वर्षगांठ पर केक काटकर शुभकामनाएँ दी गईं।

जल संसाधन और कृषि-पशुपालन विभाग की खामियों पर विधानसभा में विधायक प्रदीप प्रसाद ने उठाए सवाल

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड विधानसभा में जल संसाधन तथा कृषिझपशुपालन विभाग से जुड़े अल्पसूचित प्रश्नों पर मिले सरकारी उत्तरों ने राज्य की सिंचाई और कृषि व्यवस्था की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी। विधायक प्रदीप प्रसाद द्वारा पूछे गए प्रश्नों के आधार पर सरकार ने स्वीकार किया कि हजारीबाग सहित कई जिलों में निर्धारित सिंचाई क्षमता का लक्ष्य अब तक हासिल नहीं हो सका है। विधायक प्रसाद ने इसे कृषि ढाँचे की चिंताजनक स्थिति बताते हुए कहा कि योजनाएँ कागजों पर सक्रिय हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर प्रगति बेहद धीमी है।

सरकार ने माना कि कटकमदाग प्रखंड के गोदा डैम समेत कई पुराने बांध वर्षों से अनुपयोगी पड़े हैं। जल संचयन क्षमता घटने से सिंचाई व्यवस्था प्रभावित है, जबकि कई डैमों का निर्माण, मरम्मत और सफाई कार्य अधूरा है। क्षमता-वृद्धि को लेकर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। विधायक प्रसाद ने कहा कि यह स्थिति किसानों के हितों के विरुद्ध है और राज्य की सिंचाई योजनाओं की कार्यक्षमता पर सवाल खड़ा करती है।

कृषि और पशुपालन विभाग द्वारा दिए गए उत्तर में यह भी स्पष्ट हुआ कि मुख्यमंत्री ग्रामीण पशुधन योजना के संचालन में कई जिलों में बिचौलियों और अव्यवस्थित प्रक्रियाओं का हस्तक्षेप है, जिसके कारण लाभार्थियों तक योजना का लाभ पूरी तरह नहीं पहुँच पा रहा है। विभाग ने माना कि पशु क्रय अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से ही संभव है तथा स्वतंत्र खरीद स्थानीय प्रशासन के अधीन है। वहीं बेडक सिस्टम को हटाने पर सरकार विचार नहीं कर रही है, जिससे कई व्यवहारिक समस्याएँ बनी हुई हैं।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि सरकारी जवाबों से स्पष्ट है कि सिंचाई, जल संसाधन, कृषि और पशुपालन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में राज्य अपने लक्ष्यों से काफी पीछे है। उन्होंने कहा कि डैमों की मरम्मत, जल संचयन क्षमता में सुधार, सिंचाई विस्तार और पशुधन योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन पर तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है, ताकि हजारीबाग सहित पूरे राज्य के किसानों और पशुपालकों को वास्तविक लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर वे सदन और सड़क–दोनों जगह आवाज उठाते रहेंगे और किसानों से जुड़े किसी भी विषय को अनदेखा नहीं होने दिया जाएगा।

मां सारदा देवी की जयंती पर विचार गोष्ठी

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। विवेकानंद आईटीआई, जबरा रोड कोर्रा में मां सारदा देवी की जयंती समारोह श्रद्धा और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत श्री रामकृष्ण परमहंस, मां सारदा और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। वेद मंत्र और स्वदेश मंत्र के साथ पूरे वातावरण में आध्यात्मिकता का संचार हुआ।

हजारीबाग विवेकानंद युवा महामंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अंकित कुमार, अनूप सिंहा और गजानंद पाठक ने मां सारदा देवी के जीवन, आदर्शों और उनके आध्यात्मिक संदेशों पर विस्तार से अपने विचार रखे।

गजानंद पाठक ने कहा कि मां सारदा सभी को मातृभाव से स्वीकार करने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने उद्धृत किया कि कोई पराया नहीं है, सभी अपने हैं। दूसरों का दोष मत देखो, यदि देखना हो तो अपना दोष देखो। अनूप सिंहा ने मां सारदा देवी और श्री रामकृष्ण परमहंस के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दोनों एक आदर्श दांपत्य के रूप में आध्यात्मिक जीवन के स्तंभ रहे। मां सारदा उनके आध्यात्मिक मार्ग में प्रेरणास्त्रोत और सहायक रहीं।

कार्यक्रम में अंकित कुमार ने स्वामी विवेकानंद के विचारों पर आधारित महामंडल के पाठ चक्र की जानकारी दी, जो हर शुक्रवार शाम 4 बजे से 5 बजे तक विवेकानंद आईटीआई में आयोजित होता है। समारोह में शिक्षकों और विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शुक्रवार 12 दिसंबर 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

ठंड बढ़ने पर सीडीपीओ ने आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को वितरित किए स्वेटर, पोषाहार की गुणवत्ता पर दिए कड़े निर्देश

मेहरमा। शीत लहर के प्रभाव को देखते हुए प्रखंड क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययनरत बच्चों को ठंड से बचाने के उद्देश्य से बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पूनम कुमारी ने गुरुवार को बनोधा वन आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण किया। स्वेटर वितरण से पहले उन्होंने केंद्र की साफ-सफाई, बच्चों की उपस्थिति, पोषाहार व्यवस्था और समग्र प्रबंधन की भी बारीकी से जांच की। सीडीपीओ ने सेविका और सहायिका को सख्त निर्देश दिए कि ठंड के मौसम में कोई भी बच्चा बिना स्वेटर के आंगनबाड़ी केंद्र में न आए। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को इस बारे में जागरूक किया जाए ताकि छोटे और मासूम बच्चों के स्वास्थ्य पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े। इसके साथ ही उन्होंने पोषाहार की गुणवत्ता और मात्रा पर किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की चेतावनी दी। इस अवसर पर सेविका मिला कुमारी और सहायिका सोनी कुमारी भी उपस्थित रही। स्वेटर वितरण से बच्चों के चेहरे पर खुशी झलक उठी, वहीं अधिकारियों ने भविष्य में भी इस प्रकार की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने का निर्देश दिया।

रेसलिंग चैंपियनशिप के लिए गोड्डा के रौशन कुमार साह बतौर प्रशिक्षक चयनित, जिले में खुशी की लहर

गोड्डा। गुजरात के अहमदाबाद में 12 से 14 दिसंबर तक आयोजित होने जा रही सीनियर नेशनल ग्रीको रोमन रेसलिंग चैंपियनशिप के लिए झारखंड की तेरह सदस्यीय टीम बुधवार को रांची से ट्रेन द्वारा रवाना हुई। यह टीम झारखंड कुश्ती जगत का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय पटल पर अपने प्रदर्शन का दम दिखाएगी। इसी टीम में गोड्डा के चर्चित राष्ट्रीय पदकवीर पहलवान रौशन कुमार साह को बतौर प्रशिक्षक शामिल किए जाने से जिले के खेल जगत में उल्लास का वातावरण है। जिला कुश्ती संघ के सचिव सुरजीत झा ने बताया कि रौशन का चयन न केवल गोड्डा के लिए सम्मान की बात है बल्कि यह इस बात का प्रमाण भी है कि जिले की प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रही हैं। वर्षों से कुश्ती में सक्रिय रौशन ने अपने खेल कौशल और अनुशासन से राज्य में एक अलग पहचान बनाई है। रौशन के चयन पर जिला कुश्ती संघ के सभी पदाधिकारी, सदस्य और वरीय एवं नवोदित पहलवानों ने उन्हें बधाई दी है। सबने कहा कि रौशन का यह कदम गोड्डा के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। जिले के खेल प्रेमियों का मानना है कि रौशन के मार्गदर्शन में झारखंड की टीम इस बार शानदार प्रदर्शन करेगी। रौशन के चयन से गोड्डा में जश्न जैसा माहौल है और लोग इसे जिले की ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देख रहे हैं।

अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग में संत जेवियर स्कूल की दमदार जीत, सूरज राज बने 'मैन ऑफ द मैच'

साहिबगंज। सिदो-कान्हू स्टेडियम में जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग में बुधवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में संत जेवियर स्कूल ने पोखरिया पैंथर्स को 5 विकेट से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। मैच के दौरान दर्शकों में उत्साह और खिलाड़ियों में रोमांच देखने को मिला। पहले बल्लेबाजी करते हुए पोखरिया पैंथर्स की टीम 16.3 ओवर में 124 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से कुणाल यादव ने 26, पीयूष यादव ने 29 और कुश कुमार ने 13 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। संत जेवियर स्कूल की ओर से गेंदबाजी में सूरज राज सबसे अधिक प्रभावी रहे, जिन्होंने 4 विकेट चटकाए, जबकि आदित्य यादव ने 2 विकेट लेकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए संत जेवियर स्कूल ने शानदार शुरूआत की। शांतनु ने 28 रन, आदित्य यादव ने 27 रन और आदित्य यादव ने ही नाबाद 22 रन की प्रभावशाली पारी खेली। टीम ने 13.4 ओवर में 5 विकेट खोकर 126 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। पोखरिया की ओर से सत्यम ने 3 और पीयूष ने 2 विकेट लिए। अद्वितीय प्रदर्शन के लिए सूरज राज को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईएस कोच योगेश यादव ने उन्हें ट्रॉफी प्रदान की। मैच में अंपायरिंग का दायित्व श्याम रंजन तिवारी और चंदन यादव ने निभाया तथा स्कोरिंग मो० अनाउल्लाह अंसारी द्वारा की गई। टूर्नामेंट इंचार्ज अशफाक आलम ने बताया कि टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल माही स्पोर्ट्स येलो और संत जेवियर स्कूल बी के बीच खेला जाएगा।

धमड़ी कॉलेज में आयोजित होगा मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, मुख्य वक्ता होंगे डॉ. विनोद

मेहरमा। गोड्डा जिले के धमड़ी स्थित एसआरटी कॉलेज पहली बार मानसिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण और समसामयिक विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है। आईक्यूएसी की ओर से आयोजित यह एक दिवसीय कार्यक्रम शुक्रवार को कॉलेज परिसर में आयोजित होगा, जिसमें संताल परगना कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केंद्र के निदेशक डॉ० विनोद कुमार शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। कॉलेज के मीडिया प्रभारी महेश्वर इंदवार ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. शंभु कुमार सिंह की अध्यक्षता में होगा। कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहेंगे। यह पहली बार है जब कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष रूप से केंद्रित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य छात्रों को तनाव प्रबंधन, मानसिक संतुलन, व्यवहारगत चुनौतियों और सकारात्मक सोच के संबंध में जागरूक करना है। डॉ० शर्मा यूजीसी द्वारा निर्धारित विषयों पर अपने विचार रखेंगे और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के साथ-साथ इसके प्रति समाज में व्याप्त भ्रांतियों, चुनौतियों और समाधान पर गंभीर चर्चा करेंगे। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी और मार्गदर्शक साबित होने वाला है।

उपायुक्त हेमंत सती ने समीक्षा बैठक में दिखाई सख्ती

अपूर्ण योजनाओं को समय पर पूरा करने का कड़ा निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

साहिबगंज। समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में गुरुवार को आयोजित महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में उपायुक्त हेमंत सती ने पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जल जीवन मिशन, जिला जल एवं स्वच्छता समिति तथा स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण से संबंधित सभी योजनाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन किया। बैठक की शुरूआत में ही उपायुक्त ने पिछली बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन की अद्यतन स्थिति की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को यह स्पष्ट कर दिया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपायुक्त ने प्रत्येक प्रखंड में जल साथियों के रिक्त पदों की समस्या को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिया कि ग्राम सभा के माध्यम से इन पदों को शीघ्रातिशीघ्र भरने की प्रक्रिया पूरी की जाए, ताकि जल जीवन मिशन के कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, कचरा पृथक्करण केंद्रों की कार्यप्रणाली, ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित गतिविधियों और उनकी प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को कार्य में गति लाने और

गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने साहिबगंज मेगा जलापूर्ति योजना, शहरी जलापूर्ति योजना, तालझारी, बोरियो और मंडरो प्रखंडों में संचालित पूर्ण कवरेज ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजनाओं के साथ-साथ साहेबगंज-गोड्डा-दुमका एनवीएस परियोजना की अद्यतन स्थिति, प्रगति, अधूरे और हैंडओवर लंबित कार्यों की विस्तृत जानकारी कार्यपालक अभियंता से प्राप्त की।

उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को कड़े शब्दों में कहा कि जिन योजनाओं में देरी हो रही है, उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत अब तक कितने घरों में पाइप जलापूर्ति पहुंचाई गई है, इसकी जानकारी लेते हुए उन्होंने लक्ष्य आधारित कार्य निष्पादन और गुणवत्ता की अनिवार्यता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता और दक्षता प्राथमिक होनी चाहिए, क्योंकि यह योजनाएं सीधे जनता के जीवन स्तर को प्रभावित करती हैं। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला पंचायत राज पदाधिकारी अनिल कुमार, जेएसएलपीएस डीपीएम मार्टिन तारिक, नगर प्रशासक अभिषेक कुमार सिंह, विभिन्न सहायक अभियंता, कनीय अभियंता तथा जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन टीम के समन्वयक एवं कर्मी उपस्थित रहे।

टेंपू चालक की आड़ में ब्राउन शुगर का बड़ा कारोबार, मधुपुर पुलिस की कार्रवाई में भंडाफोड़

झारखंड दर्शन संवाददाता

देवघर। नशे के खिलाफ मधुपुर पुलिस की मुहिम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। लंबे समय से टेंपू चालक के रूप में अपनी पहचान बनाए रखने वाला आरोपी अरमान बाबू उर्फ लल्लू वास्तव में ब्राउन शुगर की तस्करी में गहराई से लिप्त था। खलासी मुहल्ला निवासी अरमान बाबू के अवैध कारोबार की गुप्त सूचना पुलिस को मिली, जिसके आधार पर विशेष टीम का गठन कर कोर्ट मोड़ के पास सटीक छापेमारी की गई। छापेमारी इतनी गोपनीय और तेज थी कि आरोपी भाग भी नहीं सका और वहीं गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी के पास से कुल आठ पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद की गई, जो बाजार में बड़ी कीमत पर बेची जाती है। इसके अलावा पुलिस ने लगभग

नौ हजार रुपये नकद, दो मोबाइल फोन और तस्करी में इस्तेमाल होने वाला टेंपू भी जब्त कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने कई महत्वपूर्ण बातें कबूल की हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि वह इस अवैध कारोबार में लंबे समय से सक्रिय था और कई स्थानों पर नशीले पदार्थों की आपूर्ति करता था। पुलिस ने आरोपी को अनुमंडलीय अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि क्षेत्र में नशे के कारोबार पर पूरी तरह नकेल कसने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है और आने वाले समय में ऐसे अवैध व्यापार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। मधुपुर पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशे के कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति है और लोग पुलिस की इस दृढ़ कार्रवाई की सराहना कर रहे हैं।

डीएवी पब्लिक स्कूल में मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

छात्रों ने बनाई मानव श्रृंखला

झारखंड दर्शन संवाददाता

पाकुड़। मानवाधिकार दिवस के अवसर पर डीएवी पब्लिक स्कूल पाकुड़ में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रार्थना सभा के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को मानवाधिकारों की मूल भावना, इनके महत्व और इनके संरक्षण की आवश्यकता से अवगत कराया गया। कार्यक्रम की सबसे विशेष गतिविधि वह थी, जब स्कूली बच्चों ने विश्वभर में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अन्याय और अत्याचार के विरोध में एक विशाल मानव श्रृंखला बनाकर मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए एकजुट होने का संदेश दिया। इस दौरान स्कूल परिसर में मानवाधिकारों की महत्ता के नारे भी गूंजते रहे।

कार्यक्रम में भाषण और पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने समानता, गरिमा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शिक्षा का अधिकार, लैंगिक समानता और मानवता जैसे मूल सिद्धांतों को अपनी रचनात्मकता के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्राचार्य डॉ. विश्वदीप चक्रवर्ती ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मानवाधिकार किसी राज्य द्वारा प्रदान नहीं किए जाते, बल्कि यह प्रत्येक मनुष्य को जन्म से ही प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में नैतिक मूल्यों का क्षय ही मानवाधिकारों के हनन का मूल कारण है, इसलिए यह दिवस हमें अपने आचरण और कर्तव्यों पर गंभीर चिंतन का अवसर प्रदान करता है। प्राचार्य ने यह भी कहा कि प्राचीन और मध्यकाल में जिन मूल मानव अधिकारों को लोगों से छीना गया, उन्हें पूरी तरह से बहाल करना ही इस दिवस का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम के दौरान सभी छात्रों और शिक्षकों ने शपथ ली कि वे मानवाधिकारों की रक्षा के साथ अपने कर्तव्यों का भी ईमानदारी से पालन करेंगे और समाज को न्यायपूर्ण तथा समावेशी बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

तेज रफ्तार रोलर की चपेट में आने से 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

गोड्डा। महागामा थाना क्षेत्र के शीतल-नया नगर मुख्य मार्ग पर गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें शीतल गांव निवासी 50 वर्षीय मोहम्मद इसराइल सड़क निर्माण में उपयोग होने वाले भारी रोलर की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मोहम्मद इसराइल साइकिल से नया नगर की ओर जा रहे थे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार रोलर ने उन्हें कुचल दिया। घटना के बाद वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर ही गिर पड़े और कुछ ही क्षणों में उनकी मृत्यु हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि रोलर चालक ने घटना के समय कान में एयरफोन लगाया हुआ था, जिसके कारण उसे सामने जा रहे साइकिल सवार का अंदाजा नहीं हो सका। चालक की लापरवाही को लेकर ग्रामीणों में गहरा आक्रोश फैल गया और उन्होंने घटनास्थल पर सड़क को जाम कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद ने घटना की पुष्टि की और आश्वासन दिया कि मामले की गहन जांच की जाएगी तथा दोषी पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गोड्डा भेज दिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

देवघर जिले में 42 पैक्सों के माध्यम से होगी धान की खरीद, किसानों को 48 घंटे में मिलेगा भुगतान

झारखंड दर्शन संवाददाता

देवघर। जिले में इस बार धान खरीद व्यवस्था को पूर्णतः व्यवस्थित और किसानों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारी की गई है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने बताया कि जिले में धान खरीद से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं और किसानों को सुविधा देने हेतु कुल 42 पैक्सों का चयन किया गया है। प्रशासन का उद्देश्य है कि किसानों को न्यूनतम दूरी पर ही धान बेचने की सुविधा उपलब्ध हो और उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। धान की ढुलाई, मिलिंग और सीएमआर की आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए इन पैक्सों को पांच राइस मिलों के साथ टैग किया गया है। इस बार धान खरीद के लिए 48.60 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। किसानों को प्रति क्विंटल 2450 रुपये की दर से धान खरीद का भुगतान किया जाएगा, जिसमें बोनस भी शामिल है। उपायुक्त ने कहा कि पहले भुगतान में देरी होने के कारण किसानों को कई बार धान खुले बाजार में कम दाम पर बेचना पड़ता था, जिससे उन्हें नुकसान होता था। लेकिन अब सरकार ने नई व्यवस्था लागू करते हुए धान प्राप्ति के 48 घंटे के भीतर शत-प्रतिशत भुगतान किसान के खाते में भेजने का प्रावधान किया है। किसानों को नजदीकी पैक्स में ही पंजीकरण करने की सुविधा दी गई है ताकि उन्हें लंबे रास्ते तय न करने पड़ें। जिला प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित किया है कि यदि किसी किसान को भुगतान में कोई तकनीकी या अन्य समस्या आती है, तो जिला स्तर से उसका तत्काल समाधान किया जाएगा। प्रखंडवार पैक्सों का चयन कर लिया गया है, जिससे हर इलाके के किसान को धान बेचने की समान सुविधा प्राप्त हो सके। प्रशासन का दावा है कि इस बार धान खरीद प्रक्रिया पारदर्शी, सरल और पूर्णतः किसान हितैषी होगी।

ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

जेएसएलपीएस की दीदियों को मिला 'बीमा सखी' का प्रशिक्षण

झारखंड दर्शन संवाददाता

देवघर। मधुपुर प्रखंड सभागार में गुरुवार को एक विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जेएसएलपीएस के अंतर्गत मधुपुर और मगोर्मुंडा प्रखंडों की दीदियों को 'बीमा सखी' के रूप में प्रशिक्षित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय सेवाओं से जोड़ना, उन्हें आय के नए अवसर उपलब्ध कराना और वित्तीय समावेशन को मजबूत करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में करीब 50 सखी मंडल की सक्रिय दीदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एलआईसी देवघर के वरिष्ठ प्रबंधक अरुण सिन्हा ने बीमा सखी योजना के महत्व, उसकी रूपरेखा, लाभ तथा कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीमा सखी बनने से ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का एक नया मार्ग प्रशस्त होता है, क्योंकि इससे उन्हें अतिरिक्त आय का स्रोत मिलता है। साथ ही वे ग्रामीण परिवारों को बीमा सुरक्षा से जोड़कर सामाजिक सुरक्षा कवच को भी मजबूत करती हैं। श्री सिन्हा ने कहा कि इस योजना का मूल उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर बीमा जागरूकता को बढ़ाना है, ताकि समाज का हर वर्ग आर्थिक जोखिमों से सुरक्षित रह सके। प्रशिक्षण के दौरान दीदियों को बीमा उत्पादों की जानकारी, प्रीमियम भुगतान की प्रक्रिया, ग्राहक पंजीकरण, दावा निपटान, बीमा एजेंट की भूमिका और बीमा सखी के उत्तरदायित्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान सुनीता देवी, गीता कुमारी, अनिता मरांडी, रेखा हेंब्रम, पुष्पा कुमारी, ललिता देवी, मालती सोरेन, अफशाना प्रवीण, संजना कुमारी, काजल हेंब्रम, विमला देवी, रुक्शाना खातून सहित कई दीदियों ने सक्रिय रूप से अपने सवाल और अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम में प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अरविन्द कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (वित्तीय समावेशन) परशुराम कुमार, एलआईसी के सहायक प्रबंधक स्नेहान्सू कुमार और मधुपुर एलआईसी शाखा प्रबंधक प्रेम प्रकाश मौजूद थे। अधिकारियों ने दीदियों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि बीमा सखी ग्रामीण समाज में परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं। उनके माध्यम से ग्रामीण महिलाओं में आर्थिक जागरूकता का विस्तार होगा और परिवारों को भविष्य की अनिश्चितताओं से सुरक्षा मिलेगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मृणाल टुडू, प्रवीन झा, आनंद कुमार, श्रवण कुमार और सन्नी गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

गोड्डा में जल जांच और गुणवत्ता निगरानी पर आयोजित प्रशिक्षण में जलसहिया को मिली विस्तृत तकनीकी जानकारी

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। जल जीवन मिशन के तहत पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोड्डा के प्रखंड गोड्डा और पथरगामा में बुधवार को जलसहिया के लिए जल जांच, गुणवत्ता निगरानी और अनुश्रवण विषय पर एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने और जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए जलसहिया को वैज्ञानिक पद्धति से प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी ने की, जिन्होंने जलसहिया को उनके दायित्व और प्रशिक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि जलसहिया ग्रामीण क्षेत्रों की रीढ़ हैं और वे अपने गांवों में जल गुणवत्ता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रशिक्षण के बाद प्रत्येक जलसहिया को अपने गांव के सभी जल स्त्रोतों का एफटीके किट के माध्यम से परीक्षण करना है और गांव की पांच महिलाओं को भी यह विधि सिखानी है। जल जांच के बाद रिपोर्ट को डब्ल्यूक्यूएमआईएस पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। प्रत्येक गांव के चापाकल, कुएं, तालाब और जलमीनार सहित सभी जल स्त्रोतों का सर्वे कर 16 दिसंबर 2025 तक रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। जिला समन्वयक-आईईसी शत्रुघ्न प्रसाद ने जल जीवन मिशन के विभिन्न घटकों और ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित जल की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। जिला स्तरीय जल जांच प्रयोगशाला गोड्डा के रोहित कुमार, संजीव कुमार और माइक्रोबायोलॉजिस्ट नीलेश कुमार ने एफटीके किट के माध्यम से पीएच, टरबिडिटी, कठोरता, क्लोराइड, क्षारीयता, लौह, नाइट्रेट, अमोनिया, सल्फेट, फास्फेट सहित कुल 12 पैरामीटर की जांच की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। प्रशिक्षण में सभी जलसहिया, कनीय अभियंता और प्रखंड समन्वयक उपस्थित रहे और प्रशिक्षण कार्यक्रम देर शाम तक जारी रहा।

किशोर-किशोरियों के सर्वांगीण विकास में बैसी लीडरों की भूमिका को बताया महत्वपूर्ण

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोआरीजोर। स्वयंसेवी संस्था 'साथी' द्वारा बोआरीजोर प्रखंड के बड़ा बोआरीजोर पंचायत भवन में किशोर-किशोरियों के विकास से जुड़े प्रावधानों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में मांझी हाड़ाम (ग्राम प्रधान), नायकी, गुड़ित, प्राणिक और योगमांझी जैसे बैसी लीडर बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य था–ग्राम स्तर पर ऐसे नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना, जो किशोर-किशोरियों के शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित कर सकें।

पंचायत की मुखिया मंजू कुमारी ने कहा कि यह प्रशिक्षण किशोर-किशोरियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा कि बैसी लीडरों की जिम्मेदारी केवल ग्राम की परंपरागत सामाजिक संरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें वर्तमान समय में बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए

युवाओं और किशोरियों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ ग्राम सभा में उठाना होगा। मुखिया ने यह भी घोषणा की कि ग्राम सभा के माध्यम से किशोर-किशोरी सशक्तिकरण योजना तैयार कर उसे पंचायत के माध्यम से जिला स्तर पर अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा, ताकि बच्चों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा के सभी आयाम सुनिश्चित किए जा सकें।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साथी संस्था के निदेशक कालेश्वर मंडल ने कहा कि ग्राम सभा ही गांव का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक मंच है। इसके माध्यम से छूटे हुए किशोर-किशोरियों की पहचान कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ना, बाल विवाह रोकना, बाल तस्करी से बचाना, यौन हिंसा से प्रभावित बच्चों की पहचान और उनकी सहायता करना बैसी लीडरों की मूल जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस पंचायत को किशोरी सशक्तिकरण के क्षेत्र में मॉडल पंचायत बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जहां हर बच्चा सुरक्षित, शिक्षित और सशक्त हो। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान चमरू पहाड़िया, महेंद्र मालतो, श्रीमती सोरेन, नेहा हांसदा, कुसुम मालतो, मेरी मालतो, सुनीता, मेरी एंजेला सहित बड़ी संख्या में बैसी लीडर उपस्थित थे। प्रशिक्षण के दौरान सभी ने किशोर-किशोरियों की बेहतरी के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त खबरें

सीएम ने दिया झगरू पंडित की प्रतिमा अनावरण का भरोसा

मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल के चेयरमैन एवं झामुमो युवा नेता अविनाश देव ने विधानसभा परिसर में बुधवार को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने जामताड़ा निवासी झगरू बाबा के परिवार को मुख्यमंत्री से मिलवाया। झगरू पंडित झारखंड अलग राज्य आंदोलन के दौरान दिशोम गुरुजी के महत्वपूर्ण सहयोगी रहे थे और दोनों के बीच गहरा पारिवारिक संबंध भी था। दोनों आंदोलनकारी अब इस दुनिया में नहीं रहे, किंतु उनके योगदान की स्मृतियां आज भी लोगों के बीच जीवित हैं। गांव और समाज के सहयोग से दिवंगत झगरू पंडित की प्रतिमा का निर्माण पूरा हो चुका है और अब केवल अनावरण शेष है। इसी मुद्दे को लेकर उनके बहुओं, पोते-पोतियों और परिवार के अन्य सदस्यों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बात रखी। उन्होंने आग्रह किया कि झगरू पंडित जैसी संघर्षशील और ऐतिहासिक शख्सियत की प्रतिमा का अनावरण स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा किया जाए। अविनाश देव ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र देकर सम्मान किया और प्रतिमा लोकार्पण से संबंधित जानकारी विस्तार से दी। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि प्रतिमा अनावरण जल्द किया जाएगा। मुलाकात को सकारात्मक और सार्थक बताते हुए अविनाश देव ने कहा कि मुख्यमंत्री से अन्य मुद्दों पर भी संक्षिप्त बातचीत हुई है और उम्मीद है कि आगे भी सामाजिक व राजनीतिक स्तर पर बेहतर पहल देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि झगरू पंडित का व्यक्तित्व राज्य के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है और उनका सम्मान राज्य की संस्कृति व संघर्ष की विरासत का सम्मान है। जाते - जाते उन्होंने जोहार कहते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

चैनपुर थाना के पास चला वाहन चेकिंग अभियान, कई दोपहिया वाहनों को किया गया जब्त

मेदिनीनगर। न्यायालय के निर्देशानुसार गुरुवार को चैनपुर थाना के पास दोपहिया वाहनों की विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले नौ बाइक चालकों का चालान काटकर उनके वाहनों को न्यायालय, मेदिनीनगर भेजा गया। सभी वाहन फिलहाल चैनपुर थाना परिसर में सुरक्षित रखे गए हैं। अभियान के दौरान कई ऐसे बाइक सवार भी मिले जो हेलमेट अपने साथ रखते थे, लेकिन पहनते नहीं थे। पुलिस ने ऐसे चालकों को कड़ी हिदायत देते हुए समझाया कि बिना हेलमेट वाहन चलाना न केवल नियमों का उल्लंघन है बल्कि यह स्वयं के जीवन के प्रति लापरवाही भी है।
इस अभियान का नेतृत्व एसआई अनिल विद्यार्थी ने किया। अभियान में एसआई संजय चौधरी, एएसआई वीरेंद्र राम, दीपू दुबे, मनीष दुबे, शिवम दुबे, ओम प्रकाश चंद्रवंशी, धीरेन्द्र यादव सहित अन्य जवान सक्रिय रूप से शामिल थे। थाना प्रभारी राम शर्मा ने बताया कि न्यायालय के निर्देशानुसार यह चेकिंग अभियान लगातार चलाया जा रहा है, ताकि लोग यातायात नियमों के प्रति जागरूक हों और हेलमेट पहनने की आदत विकसित करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान अपराध नियंत्रण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जांच प्रक्रिया से असामाजिक तत्वों पर भी नियंत्रण स्थापित होता है।

आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार का निधन, पूरे पलामू में शोक की लहर

मेदिनीनगर। आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सह पलामू जिला प्रभारी सतीश कुमार के असमय निधन से पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। वे पिछले कई दिनों से एम्स पटना में इलाजरत थे, जहां बुधवार की देर रात उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना मिलते ही न केवल आजसू कार्यकर्ताओं में गहरा दुख फैल गया बल्कि विभिन्न राजनीतिक दलों, बुद्धिजीवी वर्ग और आम जनता ने भी इस क्षति को अपूरणीय बताया। सतीश कुमार का पार्थिव शरीर जैसे ही उनके गृह नगर डालटनगंज पहुंचा, लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। शहर भर में मातम का माहौल देखा गया और बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पहुंचकर नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई देते पहुंचे। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि सतीश बाबू एक समर्पित, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ नेता थे। उनका जाना पार्टी की अपूरणीय क्षति है और उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। उनके निधन पर केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता देवशरण भगत, केन्द्रीय महासचिव संजय मेहता, मीडिया संयोजक परवाज खान, पूर्व विधायक लम्बोदर महतो, इम्तेयाज अहमद नजमी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की। पार्थिव शरीर के आगमन पर केंद्रीय सचिव विजय मेहता, विकेश शुक्ला, चन्द्रशेखर सिंह छोटू, बबलू गुप्ता, जिला कार्यकारी अध्यक्ष तुलसी शुक्ला, गढ़वा जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा, लातेहार जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, संजू सिंह, शिवशंकर प्रसाद, मनजीत मेहता, बिरेन्द्र मेहता, प्रदीप पांडेय, राहुल मिश्रा, अभिषेक राज सहित बड़ी संख्या में आजसू कार्यकर्ता उपस्थित रहे और पार्टी का झंडा लपेटकर अंतिम सम्मान अर्पित किया। सतीश कुमार के निधन पर भाजपा नेता मनोज सिंह, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, विधायक आलोक चौरसिया के प्रतिनिधि भीष्म चौरसिया, जेएमएम जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा, पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी, धनंजय त्रिपाठी, मेयर अरुणा शंकर सहित कई राजनीतिक दलों के नेताओं, समाजसेवियों, व्यवसायियों, पत्रकारों और शहर के गणमान्य लोगों ने भी श्रद्धांजलि दी। अंतिम संस्कार बेलवाटिका स्थित श्मशान घाट में विधिवत रूप से किया गया, जहां हजारों लोगों ने भावपूर्ण विदाई दी।

जेएसएलपीएस द्वारा ग्रामीण उद्यमिता एवं ऋण वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर के टाउन हॉल में जेएसएलपीएस द्वारा ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रम सह ऋण वितरण समारोह का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मेदिनीनगर एसडीओ सुलोचना मीणा, एनडीसी नीरज कुमार और जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनिता केरकेट्टा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की। समारोह में उपस्थित महिला उद्यमियों का उत्साह देखते ही बन रहा था।
अपने संबोधन में डीपीएम अनिता केरकेट्टा ने बताया कि जेएसएलपीएस ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रहा है। इसके तहत महिलाओं को छोटे-छोटे व्यवसाय स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है और बैंक ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में जिले में 14 हजार से अधिक उद्यम शुरू कराए गए हैं, जिनमें किराना दुकान, चाय-समोसा स्टॉल, चूड़ी-बाला निर्माण, खाद्य सामग्री उत्पादन, नमकीन, चूड़ा, सरसों तेल, आटा पैकिंग, पनीर, दूध-दही उत्पादन जैसे अनेक व्यवसाय शामिल हैं।
एसडीओ सुलोचना मीणा ने कहा कि जिले की सखी मंडलों की दीदियों में अपार क्षमता है और वे नवाचार अपनाकर आर्थिक रूप से सक्षम बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने उद्यम के माध्यम से अपनी पहचान स्वयं बनानी चाहिए और जिले को एक विशेष उद्यम का केंद्र बनाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं को लगातार सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जिसका लाभ उठाते हुए वे अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकती हैं। समारोह के दौरान एसडीओ सुलोचना मीणा ने छह महिला उद्यमियों दुर्गावती देवी, सुलेखा कुमारी, मंजू देवी, सुप्रिया देवी, रानी बेगम और रीना देवी को व्यक्तिगत ऋण के सांकेतिक चेक प्रदान किए।
इस मौके पर एलडीएम आलोक श्रीवास्तव, झारखंड ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अरुण कुमार, क्रेडिट मैनेजर संजीव कुमार, जिला कौशल पदाधिकारी नीरज कुमार, आरसेटी निदेशक ब्रह्मानंद, जिला प्रबंधक स्किल एवं जॉब नवल किशोर राजू सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिले की बड़ी संख्या में महिला उद्यमियों ने भाग लिया और उद्यमिता को लेकर उपयोगी जानकारी प्राप्त की।

अंचलाधिकारी ने चपरवार आंगनवाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

झारखंड दर्शन संवाददाता

हरिहरगंज। पीपरा प्रखंड के चपरवार स्थित आंगनवाड़ी केंद्र कोड संख्या 401 का गुरुवार को हरिहरगंज अंचलाधिकारी मनोज कुमार सिन्हा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय सेविका हीरामणि देवी और सहायिका फुलपतिया देवी उपस्थित रहीं। केंद्र में कुल 40 बच्चों का नामांकन दर्ज है, लेकिन उपस्थिति सूची में केवल 37 बच्चों के नाम मिले, जबकि मौके पर महज 25 बच्चे ही उपस्थित थे। बच्चों के पठनइपाठन के लिए स्लेट, चौक, चार्ट और कॉपी का समयबद्धमय पर वितरण किया गया है। साथ ही, पूर्व में प्रत्येक बच्चे को दोइदो स्वेटर उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन निरीक्षण के दौरान कई बच्चे बिना स्वेटर के पाए गए। इस पर अंचलाधिकारी ने सेविका को निर्देश दिया कि अभिभावकों के साथ नियमित साप्ताहिक बैठक आयोजित कर बच्चों की पूर्ण उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और सभी अभिभावक बच्चों को स्वेटर पहनाकर केंद्र भेजें। रसोई घर के निरीक्षण के दौरान बच्चों के लिए तैयार खिचड़ी मिली और अंडा उबलता पाया गया। अंचलाधिकारी ने केंद्र में समुचित व्यवस्था बनाए रखने तथा पोषण एवं शिक्षा से जुड़ी सभी योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने का निर्देश दिया।

पलामू कप में रनों का तूफान, बारालोटा इलेवन के डब्लू ने जड़ा धुआंधार शतक

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। दिशोम गुरु स्व० शिबू सोरेन मेमोरियल पलामू कप सीजन-3 के पांचवे दिन मैदान पर रोमांच अपने चरम पर था। बारालोटा इलेवन और बेलवाटिका की टीमों के बीच हुए मुकाबले में दर्शकों ने धुआंधार बल्लेबाजी का नजारा देखा। इस मैच में बारालोटा इलेवन के बल्लेबाज डब्लू ने मात्र 35 गेंदों पर तूफानी 101 रन ठोकते हुए टूर्नामेंट का पहला शतक जड़ दिया। उनके इस अद्भुत प्रदर्शन ने पूरे मैदान में उत्साह भर दिया और दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट लंबे समय तक गूंजती रही।
आज का टॉस डीसीए के राजू शुक्ला ने कराया, जिसमें बेलवाटिका टीम ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया, लेकिन यह निर्णय उनके लिए नुकसानदेह साबित हुआ। बारालोटा इलेवन ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया और निर्धारित ओवरों में 172 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। इसके जवाब में बेलवाटिका की टीम ने संघर्षपूर्ण पारी खेली और 141 रन बनाए, लेकिन लक्ष्य से 31 रन दूर रह गई। डब्लू को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें ट्रॉफी एवं वर्ल्ड के प्रोपराइटर मनीष सिंह ने प्रदान की। इसके अलावा तीन गेंदों पर लगातार तीन छक्के लगाने के लिए शहर के प्रसिद्ध व्यवसायी रौशन नाग ने डब्लू को 501 रुपए का विशेष पुरस्कार दिया।
आयोजक झामुमो नेता सन्नी शुक्ला और आशुतोष विनायक ने बताया कि टूर्नामेंट अब बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुँच चुका है। उन्होंने कहा कि अब केवल मजबूत टीमें ही खिताब की दौड़ में बनी हुई हैं। कल से क्वार्टर फाइनल मुकाबलों की शुरुआत होगी, जो दर्शकों के लिए अत्यंत रोमांचक साबित होंगी। आज के मुकाबले ने यह साफ कर दिया कि पलामू कप के आने वाले मैचों में मनोरंजन और तीव्रता और भी बढ़ने वाली है।

नामधारी महाविद्यालय की अव्यवस्थाओं को लेकर छात्र मोर्चा का पुतला दहन

झारखंड दर्शन संवाददाता

गढ़वा। झारखंड छात्र मोर्चा, जिला गढ़वा ने बुधवार को श्री सद्गुरु जगजीत सिंह नामधारी महाविद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं और छात्रों की लगातार उपेक्षा के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और महाविद्यालय प्रशासन का पुतला दहन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष निशांत चतुर्वेदी ने किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में वर्षों से अव्यवस्था बनी हुई है और शिक्षण कार्य, परीक्षा व्यवस्था, पंजीकरण, छात्र सुविधाओं तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं में लगातार लापरवाही देखने को मिल रही है। छात्रों को अपनी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है, लेकिन महाविद्यालय प्रशासन उनकी आवाज को अनसुना कर रहा है। कोषाध्यक्ष सूरज तिवारी ने बताया कि कक्षाओं के संचालन से लेकर प्रशासनिक कार्यों और छात्र सुविधाओं तक कई गंभीर समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। छात्र मोर्चा की ओर से कई बार प्राचार्य को मांग पत्र सौंपे गए, लेकिन किसी भी शिकायत पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी कारण मजबूरन छात्रों को सड़क पर उतरना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान छात्र शांतिपूर्वक गढ़वा सदर अस्पताल चौक से पैदल मार्च करते हुए चिनिया मोड़, साहिजाना मोड़ होते हुए रंका मोड़ पहुंचे, जहां पुतला दहन कर प्रशासन के प्रति अपना तीखा आक्रोश व्यक्त किया। जिला उपाध्यक्ष किरण कुमारी ने कहा कि छात्र मोर्चा लोकतांत्रिक तरीके से छात्रों की समस्याओं को उठाता रहेगा और यदि प्रशासन ने छात्रों की आवाज नहीं सुनी तो भविष्य में बड़े आंदोलन की तैयारी की जाएगी। अरूणा टोप्पो ने कहा कि महाविद्यालय प्रशासन की उदासीनता छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है और इस स्थिति को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए, जिनमें विकास चंद्रवंशी, शमशेर अंसारी, शुभम, मनीष गुप्ता, प्रफुल्ल, रोहित, अंकित, देव, राज, विशाल, प्रियांशु, पवन, सत्प्रकाश, अनूप, शुभम सिंह, काजल, लाजो, मुस्कान, अमृता, करिश्मा, रीना, प्रिया, स्नेहा सहित कई छात्र मौजूद थे।

हरिहरगंज थाना में हिंसा के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम

झारखंड दर्शन संवाददाता

हरिहरगंज। महिला सुरक्षा और घरेलू हिंसा रोकथाम को लेकर गुरुवार को हरिहरगंज थाना परिसर में एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस पदाधिकारियों और जेएसएलपीएस की जेंडर सीआरपी टीम ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया और समाज से हिंसा मुक्त वातावरण बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन एसआई संतोष कुमार ने किया। उन्होंने महिलाओं से जुड़े विभिन्न कानूनों जैसे घरेलू हिंसा अधिनियम, दहेज निषेध कानून, महिला सुरक्षा कानून, बाल विवाह रोकथाम कानून तथा कानूनी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज में जागरूकता और कानून की समझ बढ़ाने में जेंडर सीआरपी टीम की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। एसआई हेमंती बासेकी, राकेश सिंह, एएसआई अभय त्रिपाठी, संजय कुमार, पुनम देवी सहित कई सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता अभियान महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक

पीपरा प्रखंड में पीडीएस दुकानदारों की बैठक, पारदर्शी वितरण पर जोर

झारखंड दर्शन संवाददाता

हरिहरगंज। पीपरा प्रखंड सभागार में बुधवार को प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ब्रजेश कुमार की अध्यक्षता में जन वितरण प्रणाली से जुड़े दुकानदारों और कर्मियों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीडीएस दुकानदारों को साफ निर्देश दिया गया कि सभी लाभुकों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए और वितरण प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाए। आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा कि खाद्यान्न वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी और शिकायत मिलने पर संबंधित दुकानदार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ई-केवाईसी के शत-प्रतिशत लक्ष्य को शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। बैठक में धोती-साड़ी वितरण की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की गई और लाभुकों के घर-घर जाकर वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में कंप्यूटर ऑपरेटर विश्वनाथ विश्वकर्मा, डीलर संघ के अध्यक्ष विजय यादव, मोटी सिंह, रामनारायण राम, संजय सिंह, नंदलाल सिंह, चितरंजन दास, पिंटू सिंह, रंजय ठाकुर, कमलेश राम सहित कई दुकानदार उपस्थित थे।

कैमरा बुकिंग कर घर लौट रहे निशांत के साथ हादसा, 10 दिनों से कोमा में, मदद की अपील की

झारखंड दर्शन संवाददाता

पांकी। पांकी थाना क्षेत्र के हुरलौंग पंचायत निवासी निशांत कुमार एक भीषण सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए, जिसके बाद से उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, 29 नवंबर को निशांत रामकंडा से अपने कैमरा की बुकिंग कर घर लौट रहे थे। जैसे ही वे रंका मोड़ के पास पहुंचे, उनकी बाइक का जोरदार एक्सीडेंट हो गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीण तुरंत उनकी सहायता के लिए पहुंचे और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि स्थिति गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उन्हें रांची रिम्स रेफर कर दिया। पिछले 10 दिनों से निशांत आईसीयू में कोमा की अवस्था में हैं और डॉक्टरों ने उनकी हालत अत्यंत नाजुक बताई है। निशांत अपने परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनका परिवार महंगा इलाज कराने में सक्षम नहीं है। इस परिस्थिति में निशांत के परिजनों ने जिले के लोगों, समाजसेवियों और सरकार से आर्थिक सहयोग की अपील की है। परिजनों ने कहा कि किसी भी प्रकार की छोटी-बड़ी मदद से निशांत के बेहतर इलाज की संभावना बढ़ सकती है। उन्होंने फोन पे स्कैनर और संपर्क नंबर साझा करते हुए लोगों से मानवता के आधार पर सहायता की गुहार लगाई है। उनका नंबर 9523940343 है।

करमा और छोटा मुक्ता से छह हज यात्री मक्का-मदीना के लिए रवाना, फूल-माला से किया गया सम्मान

झारखंड दर्शन संवाददाता

सतबरवा। सतबरवा प्रखंड के ग्राम करमा और छोटा मुक्ता से हज यात्रा के लिए कुल छह श्रद्धालुओं का जत्था पवित्र मक्का-मदीना की ओर रवाना हुआ। करमा ग्राम से मोहम्मद आरिफ अंसारी और उनके पिता अनवर हुसैन, जबकि छोटा मुक्ता से मोहम्मद रहमतुल्लाह अंसारी, डॉ. मुस्तकीम अंसारी, मोहम्मद इरफान अंसारी और आलम अंसारी मंगलवार रात करीब 7 बजे अपनी धार्मिक यात्रा पर निकले। जत्था रवाना होने से पूर्व स्थानीय लोगों और समाजसेवियों ने हज यात्रियों को फूल-माला पहनाकर उनका स्वागत किया। मौके पर युवा समाजसेवी बबलू खान, मोहम्मद वकील अंसारी, मास्टर केसर अंसारी, लाडले अंसारी, डॉ. मन्नू, मुमताज अंसारी, खुर्शीद अंसारी और कई अन्य लोगों ने यात्रियों का अभिनंदन किया। पांकी विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि एवं सोशल मीडिया प्रभारी महेश यादव और वरिष्ठ समाजसेवी अबुल हसन उर्फ जुमन मियां ने भी हज यात्रियों को अंगवस्त्र और मालाओं से सम्मानित किया। इस दौरान महेश यादव ने कहा कि हज यात्रा दुनिया भर के मुसलमानों को एकता और भाईचारे के संदेश से जोड़ती है। उन्होंने इसे एक आध्यात्मिक और जीवन को दिशा देने वाला अनुभव बताया। डॉ० मुस्तकीम अंसारी ने कहा कि मक्का-मदीना पहुंच कर वे देश, राज्य, जिला और प्रखंड के विकास, सुख-शांति और आपसी भाईचारे के लिए प्रार्थना करेंगे। रवाना होने के दौरान बबलू अंसारी, डब्लू अंसारी, मंटू अंसारी, राजा अंसारी, हाफिज सन्नी, सद्दाम अंसारी, इसरार अहमद, पूर्व सदर मोहिउद्दीन अंसारी, मौलाना शहीद रजा और कई अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे और यात्रियों के मंगलमय सफर की शुभकामनाएं दीं।

कॉमरेड सतीश कुमार के निधन से जनसंघर्ष की मजबूत आवाज हुई मौन : अविनाश देव

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड आंदोलन के सशक्त साथी और सामाजिक-राजनीतिक संघर्षों के प्रमुख चेहरे रहे कॉमरेड सतीश कुमार का मंगलवार की देर रात पटना के अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन से पलामू सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने नई मोहल्ला स्थित उनके आवास पर पहुंचकर अंतिम दर्शन किए और उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। सतीश कुमार विचारधारा से वामपंथी थे और गरीबों तथा वंचितों के हकों की लड़ाई में उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। नक्सली आंदोलन में उनकी भूमिका इतनी प्रभावशाली थी कि तत्कालीन पुलिस अधीक्षक दीपक वर्मा तक उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार करते थे। वे गुरिल्ला युद्ध में भी शामिल रहे और सामंती शोषण के विरुद्ध पलामू में निर्णायक संघर्ष किए, जिसकी वजह से आज यहां की पीढ़ी एक स्वतंत्र और बेहतर सामाजिक माहौल में सांस ले पा रही है। उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा। परिवार, नौकरी और सुख-सुविधाओं से दूर रहकर उन्होंने जनमुक्ति का रास्ता चुना।

हिन्दी दैनिक झारखंड दर्शन बोकारो, शुक्रवार 12 दिसंबर 2025 E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

सचिवालय वॉरियर्स और सचिवालय पैंथर्स मोनाल कप के सेमीफाइनल में पहुंचे

देहरादून। मोनाल कप 2025 के तहत गुरुवार को महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में सचिवालय वॉरियर्स और सचिवालय पैंथर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दोनों टीमों की जीत के साथ अब सेमीफाइनल मुकाबले कल खेले जाएंगे। पहले क्वार्टर फाइनल में सचिवालय वॉरियर्स का मुकाबला सचिवालय ईगल्स से हुआ। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ईगल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 138 रन बनाए। टीम की ओर से भूपेंद्र बिष्ट ने 25 रन का योगदान दिया, जबकि गेंदबाजी में पवन असवाल ने 3 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सचिवालय वॉरियर्स ने 15.1 ओवरों में 5 विकेट खोकर मैच अपने नाम कर लिया। वॉरियर्स की जीत में सचिन की 40 रनों की अहम पारी निर्णायक रही। वहीं, ईगल्स के सुशील और तेजपाल ने 2-2 विकेट लिए। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए सचिन रौथान को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया।

भारत के अब्दुल कादिर इंदौरी ने तैराकी में जीते दो स्वर्ण पदक

दुबई। एशियन यूथ पैरा गेम्स 2025 में भारतीय तैराक अब्दुल कादिर इंदौरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इंदौरी ने 50 मीटर बटरफ्लाई और 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। पैरा ओलंपिक समिति ऑफ इंडिया ने एक्स पर उनकी सफलता की सराहना करते हुए लिखा भारत के लिए स्वर्णिम उपलब्धि। यह उनकी मेहनत, अनुशासन और भारत के युवा पैरा खिलाड़ियों की बढ़ती क्षमता का प्रतिबिंब है। बधाई हो, अब्दुल! इसी बीच, बुधवार को दुबई में एशियन यूथ पैरा गेम्स 2025 का उद्घाटन समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ एशिया के विभिन्न देशों से आए युवा पैरा खिलाड़ियों ने भाग लिया। पिछले संस्करण (बहरीन 2021) में 51 स्वर्ण पदक जीतकर तालिका में शीर्ष पर रहने वाला ईरान इस बार भी सबसे बड़ा दल उतार रहा है। कुल 195 खिलाड़ी भेजकर ईरान ने युवाओं के विकास और पैरा खेलों के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता को दशार्या है। एशियन पैरा ओलंपिक कमेटी की जानकारी के अनुसार, उजबेकिस्तान (124), थाईलैंड (122) और भारत (122) क्रमशः दूसरे और तीसरे सबसे बड़े दल लेकर प्रतियोगिता में उतरे हैं।

टी 20 मैच : आज से शुरू होगी ऑफलाइन टिकट बिक्री

धर्मशाला। धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में 14 दिसम्बर को भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जाने वाले टी-20 मैच को लेकर शुक्रवार को ऑफलाइन टिकटों की बिक्री शुरू होगी। जानकारी के अनुसार गेट के बाहर टिकट की बिक्री के लिए काउंटर लगाया जाएगा, जहां मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमियों को 1500 रूपए की सबसे सस्ती टिकट के साथ ऑफलाइन टिकट मिल सकेगी। सुबह 10 बजे से लगने वाले काउंटर में लाइन में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर क्रिकेट प्रेमी अपनी वैध आई.डी. (आधार कार्ड) बताकर मैच का टिकट प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा मैच को लेकर ऑनलाइन टिकट बुकिंग की प्रकिया जारी है। जहां पांच हजार, सात हजार, नौ हजार, 12500 व 20 हजार की टिकट उपलब्ध है। गौरतलब है कि 14 दिसम्बर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच टी 20 मैचों की सीरीज का तीसरा मैच धर्मशाला में खेला जाना है।

लेजेंड्स प्रो टी-20 लीग में खेलेंगे रॉबिन उथप्पा, क्रिस गेल और जैक कैलिस

उद्घाटन सत्र में अंबाती रायुडू और स्टुअर्ट बिन्नी भी हुए शामिल

नई दिल्ली। एजेंसी

लेजेंड्स प्रो टी-20 लीग ने अपने डेब्यू सीजन के लिए खिलाड़ियों की सूची जारी की है, जिसमें क्रिस गेल, जैक कैलिस, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू और स्टुअर्ट बिन्नी की भागीदारी की पुष्टि की गई है। क्रिस गेल आयोजकों की ओर से जारी एक बयान में ने कहा, ह्लमेरी कई बेहतरीन क्रिकेट यादें उन खिलाड़ियों से जुड़ी हैं जो इस लीग में खेलेंगे। मैंने कैलिस के खिलाफ खेला है, जब उन्हें पार करना लगभग नामुमकिन लगता था। उथप्पा के साथ बल्लेबाजी की लय पर बात की है, और रायुडू के मजाक इतने सुने हैं कि अब गिन नहीं सकता और जब धवन या वॉटसन जैसे नाम फिर सामने आते हैं, तो वो एहसास और बढ़ जाता है। दोबारा साथ आना–वही मजाक, वही प्रतिस्पर्धा, वही सम्मान–सब वापस ले आता है। लेजेंड्स प्रो टी20 लीग हमें यही मौका दे रही है। जैक कैलिस ने कहा जब आप खेल से थोड़ा दूर रहते हैं तो एहसास होता है कि हाथ में बल्ला पकड़ने का एहसास कितना मिस होता है, मैं सच में उत्साहित हूँ– फिर से गेंद मारने की वह आसान-सी लय, टाइमिंग ढूँढना, एक खिलाड़ी जैसा महसूस होना और माइकल क्लार्क का लीग कमिश्नर के रूप में आना एक नई ऊर्जा जोड़ता है। उनका क्रिकेटिंग दिमाग हमेशा तेज रहा है, और उनकी नई भूमिका पूरे सेटअप में नई पेशेवरियत और विजन लाती है। इससे मैदान पर लौटने और परिचित चेहरों के साथ खेल का आनंद लेने की उत्सुकता और बढ़ जाती है।

> जब आप खेल से थोड़ा दूर रहते हैं तो एहसास होता है कि हाथ में बल्ला पकड़ने का एहसास कितना मिस होता है, मैं सच में उत्साहित हूं
>
> — जैक कैलिस

रॉबिन उथप्पा ने कहा मैंने रायुडू का पहले प्रतिद्वंद्वी के रूप में सामना किया और बाद में ड्रेसिंग रूम भी साझा किया–उनकी तीव्रता हमेशा अलग दिखती है,दिनेश कार्तिक के साथ मैंने फिनिशिंग पर अनगिनत चचाएँ की हैं, और अंडर-19 के दिनों से साथ खेलने की वजह से हमारे बीच एक स्वाभाविक तालमेल है। शॉन मार्श उन बल्लेबाजों में से थे जो बल्लेबाजी को बेहद आसान दिखाते थे। इसे फिर से जीना– और वो भी बिना फ्रेंचाइजी दबाव के–वास्तव में मैं इसका इंतजार कर रहा हूँ। यह बिल्कुल वैसा है जैसे पुराने क्रिकेटिंग रिश्तों को फिर वहीं से आगे बढ़ा देना।

अंबाती रायुडू ने उन रिश्तों की बात की जो फॉर्मेट और सीजन से परे भी बने रहते हैं। उन्होंने कहा जब आप अपने आसपास उन खिलाड़ियों को देखते हैं जिनके खिलाफ खेला है और जिनके साथ खिताब जीते हैं, तो आपको याद आता है कि आप इस खेल से इतना प्यार क्यों करते हैं, मैंने बिन्नी के साथ कड़े मुकाबले खेले हैं, उथप्पा के साथ लंबे नेट सेशन किए हैं, गेल के साथ अविस्मरणीय लड़ाइयां लड़ी हैं, और शेन वॉटसन के साथ कुछ बेहतरीन पल बिताए हैं। और जब अमित मिश्रा या विनय कुमार जैसे खिलाड़ी आते हैं, तो तुरंत वही पुराने दिन याद आ जाते हैं। उस दुनिया का थोड़ा-सा हिस्सा भी फिर से जीना–इसे मैं छोड़ नहीं सकता था।

स्टुअर्ट बिन्नी ने कहा,ह्लमुझे उत्साहित सिर्फ क्रिकेट नहीं करता, बल्कि यह पूरा समूह करता है, हमने दुनिया भर में खेला है और ऐसे पल साझा किए हैं जो स्कोरकार्ड से कहीं आगे जाते हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए संभावित खिलाड़ियों की सूची में कोहली और ऋषभ पंत भी शामिल

नई दिल्ली। एजेंसी

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने आगामी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है, जिसमें टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के नाम भी शामिल हैं। दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धता से दिल्ली की बल्लेबाजी को बड़ा बल मिलने की उम्मीद है। बीसीसीआई के नियम अनुसार, अनुबंधित खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय व्यस्तता न होने पर घरेलू क्रिकेट में भाग लेना अनिवार्य है। दिल्ली की टीम एलीट ग्रुप-डी के अपने शुरूआती दो मैच आंध्र और गुजरात के खिलाफ बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी।

यह वही मैदान है, जहां कोहली अपनी आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलते हैं। शेष पांच मुकाबले बेंगलुरु के अलूर क्रिकेट ग्राउंड में खेले जाएंगे।

चयन समिति की बैठक में हुआ चयन

संभावित खिलाड़ियों की सूची वरिष्ठ पुरुष चयन समिति की बैठक में तय की गई, जिसमें चयनकर्ता यशपाल सिंह, के. भास्कर पिल्लै, मनु नायर, मुख्य कोच सारनदीप सिंह, सीएसी चेयरमैन विजय दहिया और सचिव अशोक शर्मा मौजूद थे।

फॉर्म में कोहली, लय पाने को उत्सुक पंत

कोहली हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-1 से जीती गई वनडे सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। हालिया दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज नहीं खेलने वाले पंत घरेलू मंच पर लय हासिल करने के लिए उत्सुक होंगे। दोनों खिलाड़ी 11 से 17 जनवरी 2026 के बीच न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज तक टीम के लिए उपलब्ध रहेंगे।

दिल्ली की 50 सदस्यीय संभावित सूची

देव लाकड़ा, दिविज मेहरा, युगल सैनी, सुजल सिंह, रजनीश ददर, अमन भारती, गोविंद मित्तल, सुमित बेनीवाल, शुभम दुबे, केशव दबस, राहुल चौधरी, सामर्थ सेठ, शिवम त्रिपाठी, अनमोल शर्मा, शिवम गुप्ता, लक्ष्य थरेजा, मनन भारद्वाज, रौनक वाघेला, मयंक गुसाईं, केशव आर. सिंह, लक्ष्मण, दिवांश रावत, प्रणव राजवंशी, प्रांशु विजयरण, सिद्धांत शर्मा, गगन वत्स, वंश बेदी, राहुल गहलोत, विशाल राय, समर्थ सिंह, सनत सांगवान, आयुष सिंह, सुमित माथुर, संपूरण त्रिपाठी, विवेक तिवारी, हृतिक शौकीन, तेजस बरोका, सक्षम शर्मा, देव दुबे, शिवम शर्मा, रोहित यादव, अनिरुद्ध चौधरी, विशांत भाटी, प्रणव पंत, पंकज जसवाल, अजय गुलिया, सिद्धांत बंसल, विकास सोलंकी, दिविज प्रकाश, सूर्यकांत चौहान।

मुझे बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है : जितेश

मुम्बई। भारतीय टीम में सीमित ओवरों के खेल में विकेटकीपर की जगह के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है। टीम के पास संजू सैमसन, जितेश शर्मा और ऋषभ पंत जैसे विकेटकीपर हैं। विकेटकीपिंग में सैमसन और जितेश के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है। वहीं इस तरह के माहौल से ड्रेसिंग रूम में तनाव की संभावनाओं को जितेश ने गलत बताया और कहा कि उन्हें सैमसन की मौजूदगी से तो उन्हें प्रेरणा ही मिलती है। जितेश ने कहा कि मुझे सैमसन के साथ टीम में रहने पर काफी अच्छा अनुभव हुआ है। मुझे उससे काफी कुछ सीखने को मिला है। वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह हैं। जितेश के अनुसार इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा से खिलाड़ियों को अपने खेल का स्तर ऊंचा करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा, ह्यस्वस्थ प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी बेहतरीन प्रतिभा निककर बाहर आती है जिससे टीम को लाभ होता है। सैमसन के दल में रहने को फायदेमंद बताते हुए जितेश ने कहा वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। ऐसे में अगर मुझे उनके साथ प्रतिस्पर्धा करनी है।

फुटबॉल : लियोनल मेसी 13 दिसंबर को आएंगे भारत, कोलकाता से शुरू होगा 'गोट टूर 2025'

नई दिल्ली। एजेंसी

फुटबॉल दिग्गज लियोनल मेसी 13 से 15 दिसंबर तक होने वाले बहुप्रतीक्षित 'गोट टूर 2025' के लिए 13 दिसंबर को भारत पहुंचेंगे। तीन दिनों तक चलने वाला यह आयोजन देश के चार बड़े शहरों–कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और नई दिल्ली में होगा। मेसी मियामी से यात्रा कर रहे हैं और 13 दिसंबर की रात करीब 1:30 बजे कोलकाता पहुंचने का कार्यक्रम है। कोलकाता में उनका दिनभर व्यस्त शेड्यूल रहेगा, जिसकी शुरूआत सुबह 9:30 बजे से होने वाली बैठकों से होगी। इसके बाद वह कई कार्यक्रमों और इंटरैक्शन में हिस्सा लेंगे। दोपहर 2 बजे वह हैदराबाद रवाना होंगे। कोलकाता दौरे के दौरान मेसी की मुलाकात पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी तय है। हैदराबाद में मेसी का मुख्य कार्यक्रम राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होने वाला 7v7 एगजिबिशन फुटबॉल मैच होगा। इस आयोजन में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी शामिल होंगे। शाम को मेसी के शानदार करियर का जश्न मनाने के लिए एक भव्य संगीत कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

'गोट टूर हैदराबाद' की मुख्य संरक्षक और सलाहकार, पार्वती रेड्डी ने एक बयान में कहा कि हैदराबाद चरण का मुख्य आकर्षण युवा खिलाड़ियों के लिए एक विशेष फुटबॉल क्लिनिक होगा। उन्होंने कहा यह मुख्य रूप से फुटबॉल क्लिनिक पर केंद्रित है, जिसे मेसी खुद लीड करेंगे। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि मेसी के साथ इंटर मियामी के साथी खिलाड़ी रोड्रिगो डी पॉल और लुइस सुआरेज भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा रोड्रिगो (डी पॉल) और लुइस सुआरेज भी क्लिनिक का हिस्सा होंगे। वे बच्चों को ट्रेनिंग देंगे, प्रेरित करेंगे और फुटबॉल के टिप्स साझा करेंगे।

हैदराबाद के कार्यक्रमों के बाद मेसी मुंबई और फिर दिल्ली जाएंगे। 'गोट इंडिया टूर 2025' एक पैन-इंडिया उत्सव के रूप में बनाया गया है, जिसकी शुरूआत 13 दिसंबर को पूर्व (कोलकाता) और दक्षिण (हैदराबाद) से होगी, 14 दिसंबर को पश्चिम (मुंबई) में पहुंचेगी और 15 दिसंबर को उत्तर (दिल्ली) में सम्पन्न होगी।

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप के लिए घोषित की टीम

मेलबर्न। एजेंसी

विक्टोरिया के युवा बल्लेबाज ओलिवर पीक अगले महीने होने वाले आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे। बाएं हाथ के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने शैफील्ड शील्ड में अपने प्रदर्शन से पहले ही पहचान बना ली है। 19 वर्षीय पीक दूसरी बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। वे 2024 में दक्षिण अफ्रीका में खिताब जीतने वाली टीम के सबसे युवा सदस्य थे, जब उन्हें पहले मैच के बाद चोटिल कोरी वास्ली की जगह स्क्वॉड में शामिल किया गया था। इस बार अंडर-19 विश्व कप अफ्रीकी महाद्वीप में नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया को शुरूआती चरण में

आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ समूहबद्ध किया गया है। टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेंगी, जिनमें से प्रत्येक समूह की शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स चरण में पहुंचेंगी, जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में सितंबर-अक्टूबर में खेले गए भारत के खिलाफ तीन युवा वनडे और दो युवा टेस्ट मैचों की टीम का अधिकांश हिस्सा बरकरार रखा गया है।

व्यापार

माइक्रोसॉफ्ट भारत में 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने को लेकर उत्साहित : सत्य नडेला

बेंगलुरु। एजेंसी

अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने गुरुवार को कहा कि कंपनी बड़े बुनियादी ढांचे में निवेश के साथ भारत के कृत्रिम मेधा (एआई) इकोसिस्टम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रही है। 'माइक्रोसॉफ्ट' के यहां आयोजित कार्यक्रम में सत्य नडेला ने कहा कि हम भारत में निवेश करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं, ताकि हम यहां सर्वश्रेष्ठ श्रेणी का बुनियादी ढांचा ला सकें। यह 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश है। नडेला ने इसे एशिया में माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बड़ा निवेश बताया। उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट 'क्लाउड' क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रहा है और एआई-संचालित

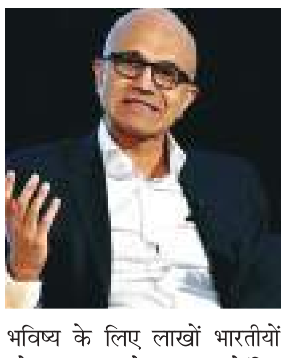

भविष्य के लिए लाखों भारतीयों को कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन ने अपने संबोधन में देशभर में कंपनी के 'क्लाउड नेटवर्क' के तेजी से विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पास दुनियाभर में 70 से अधिक डेटा सेंटर क्षेत्र हैं।

नडेला ने कहा कि भारत में हमारी उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। अब हमारे पास मध्य भारत, पश्चिम भारत, दक्षिण भारत में नेटवर्क है और हमने जियो के साथ भी साझेदारी की है। माइक्रोसॉफ्ट प्रमुख ने कहा कि हमें बेहद खुशी है कि 2026 में दक्षिण मध्य में हमारा एक नया डिजिटल सेंटर होगा। सबसे रोमांचक बात यह है कि यह पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल है।

उन्होंने एआई के बढ़ते उपयोग के इस युग में डिजिटल संप्रभुता एवं साइबर सुरक्षा के महत्व पर भी जोर दिया। नडेला ने आगे बताया कि हाल में उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हुई, जिन्होंने समाज, अर्थव्यवस्था एवं वृद्धि को गति देने के लिए इस निवेश (17.5 अरब अमेरिकी डॉलर) को लेकर काफी उत्साह दिखाया। उन्होंने कहा कि यह प्रतिबद्धता उनकी पिछली यात्रा के दौरान घोषित तीन अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के अतिरिक्त है।

नाबार्ड के सर्वे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधारभूत ढांचे में उल्लेखनीय सुधार का दावा

नई दिल्ली। एजेंसी

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के दो महीनों के सर्वे से पता चला है कि ग्रामीण इलाकों में आय बढ़ने से लोगों में जबरदस्त उम्मीद जगी है। सर्वे में 80 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने एक साल में लगातार ज?यादा खपत होने की बात कही है। नाबार्ड के 8वें ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं मत सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) के मुताबिक पिछले एक वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में उल्लेखनीय सुधार, आय में बढ़ोतरी और जीवन स्तर में बेहतर बदलाव के स्पष्ट संकेत मिले हैं।

एक वर्ष के दौरान ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधारभूत ढांचे में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उपभोग में वृद्धि, आय में बढ़ोतरी, घटती महंगाई और

वित्तीय सतर्कता के बेहतर मानकों के साथ ग्रामीण भारत विकास की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। निरंतर कल्याणकारी सहायता और मजबूत सार्वजनिक निवेश इस गति को और बल दे रहे हैं। सितंबर, 2024 से नवंबर 2025 के बीच ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय मजबूती दर्ज की गई। सर्वे के मुताबिक ग्रामीण परिवारों में मासिक आय का 67.3 फीसदी हिस्सा अब उपभोग पर खर्च किया जाता है।

यह सर्वेक्षण शुरू होने के बाद का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है और इसमें जीएसटी दरों में सुधार का भी महत्वपूर्ण योगदान है। ग्रामीण परिवारों में से 42.2 फीसदी ने अपनी आय में वृद्धि दर्ज की है, जो अब तक के सभी सर्वेक्षणों में सबसे बेहतर प्रदर्शन है। केवल 15.7 फीसदी लोगों ने किसी भी प्रकार की आय में कमी का उल्लेख किया है, जो अब तक का सबसे न्यूनतम स्तर है। भविष्य की संभावनाएं काफी मजबूत नजर आ रही २हैं, जिसमें 75.9 फीसदी लोगों को उम्मीद है कि उनकी आय अगले वर्ष बढ़ेगी जो सितंबर 2024 के बाद से सबसे ऊंचे स्तर का आशावाद है। पिछले वर्ष की तुलना में 29.3 फीसदी परिवारों में पूंजी निवेश में वृद्धि देखी गई है, जो पिछले किसी भी चरण में अधिक है जो कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों में संपत्ति सृजन में नई तेजी को दशार्ता है। निवेश में यह तेजी मजबूत उपभोग और आय में वृद्धि के कारण है, न कि ऋण संकट के कारण।

58.3 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने केवल औपचारिक ऋण स्त्रोतों का ही उपयोग किया है जो अब तक के सभी सर्वेक्षणों में अब तक का सबसे उच्च स्तर है।

हरे निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 427 अंक उछला

नई दिल्ली। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 426.86 अंक यानी 0.51 फीसदी उछलकर 84,818.13 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स?टॉक एक?सचेंज का निफ्टी 140.55 अंक यानी 0.55 फीसदी बढ़कर 25,898.55 के स्तर पर बंद हुआ है। सेंसेक्स में शामिल 30 प्रमख कंपनियों में से कोटक महिंद्रा बैंक, इटर्नल, मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, सन फार्मास्यूटिकल्स और टेक महिंद्रा के शेयर में तेजी रही। वहीं, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, टाइटन, आईटीसी, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में गिरावट दर्ज हुई है। इसके अलावा एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंग सेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे।

संक्षिप्त खबरें

नोएडा में छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन गांजा सप्लाई करने वाला गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर 126 पुलिस ने पीजी में रहने वाले छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन गांजा बेचने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने 4 किलो 538 ग्राम अवैध गांजा व एक मोटरसाइकिल बरामद किया है। थाना सेक्टर 126 के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र बालियान ने बताया कि बीती रात को उप निरीक्षक विपिन कुमार ने जेपी विश टाउन सोसायटी के पास से अमर भरवे पुत्र रामलोचन भरवे को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने 4 किलो 538 ग्राम अवैध गांजा, एक आनलाइन कंपनी के नाम से बना हुआ पैकिंग बॉक्स और टेप, घटना में प्रयुक्त होने वाली एक मोटरसाइकिल आदि बरामद हुई है।

नौकरी के नाम पर युवती से 41 लाख की ठगी

सोनीपत। सोनीपत जिले की एक शिक्षित युवती से यूके में नौकरी और वीजा दिलाने के नाम पर 41 लाख की बड़ी ठगी हो गई है। पीड़िता ने मानसिक उत्पीड़न, आर्थिक शोषण और क्रेडिट कार्ड दुरुपयोग को लेकर पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी है। शिकायत पर थाना कुण्डली में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अकबरपुर बरोटा निवासी अर्चना ने बताया कि 2019 में पढ़ाई के दौरान उसकी मुलाकात आशिष यादव और उसकी पत्नी सुरभि से हुई थी। सितंबर 2023 में भारत लौटने के बाद भी संपर्क बने रहे। आरोप है कि दंपति ने अप्रैल 2024 में यूके में आईटी नौकरी दिलाने का झांसा देकर 24 लाख रुपए मांगे।

दून मेडिकल कॉलेज में मरीजों से मिले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों को मरीजों के समुचित उपचार के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने अस्पताल में भर्ती प्रेस क्लब के अध्यक्ष भूपेन्द्र कंडारी से भी भेंट की। मुख्यमंत्री ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी चिकित्सकों से ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों से भी मुलाकात की औए उनका कुशलक्षेम जाना। इस मौके पर मुख्यमंत्री में मरीजों को बेहतर उपचार को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

जम्मू। जम्मू पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने के एक मामले में 10 साल से फरार चल रहे एक व्यक्ति को गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान पंजाब के गुरदासपुर जिले के निवासी जगराज सिंह के रूप में हुई है। हीरानगर पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 279 लापरवाही से वाहन चलाना और 337 के तहत दर्ज एक मामले में उसकी तलाश की। पुलिस ने आगे बताया कि सिंह 2015 से गिरफ्तारी से बच रहा था।

कुलगाम पुलिस ने नार्को-नेटवर्क पर कसा शिकंजा, दो नशा तस्कर गिरफ्तार

कुलगाम। 'ड्रग्स फ्री कुलगाम' अभियान के तहत पुलिस ने फुर्राह बाईपास पर एक चेकपॉइंट पर दो ड्रग तस्करों को पकड़ा है। उनके कब्जे से पर्याप्त मात्रा में चरस जैसा प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि पुलिस ने फुर्राह बाईपास पर एक चेकपॉइंट (नाका) स्थापित किया। चेकिंग के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे दो व्यक्तियों ने पुलिस पार्टी को देखकर मौके से भागने की कोशिश की। पीछा करने के बाद उन्हें पकड़ लिया गया।

अतिरिक्त उपायुक्त ने किया सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण

पलवल। पलवल के अतिरिक्त उपायुक्त जयदीप कुमार ने गुरुवार को विभिन्न सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया, जिसमें अधिकतर स्टाफ अनुपस्थित पाया गया। उन्होंने कहा कि आमजन मानस को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए सरकार व जिला प्रशासन कटिबद्ध है। जो अधिकारी व कर्मचारी अपनी ड्यूटी के प्रति लापरवाही बरत रहे हैं उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने जिले के समस्त विभागों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि वे नियमित रूप से कार्यालय आएं।

मोबाइल इस्तेमाल से रोकने पर एक किशोरी ने जहरीला पदार्थ खाकर की आत्महत्या

हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र में मोबाइल इस्तेमाल से रोकने पर एक किशोरी ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। कलियर थाना क्षेत्र में स्थित एक अस्पताल से सिडकुल पुलिस को सूचना मिली कि एक किशोरी ने चूहे मारने की दवा का सेवन कर लिया है और उसकी अस्पताल में मृत्यु हो गई।

509 गरीब परिवारों को मकान आवंटित किए जाएंगे: नायब सैनी

गरीब परिवार में आत्मनिर्भरता लाने का माध्यम बनेंगे अंत्योदय मेले : डॉ अरविंद

सोनीपत। एजेंसी

सोनीपत के सुभाष स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय अंत्योदय परिवार उत्थान मेला गुरुवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंक्ति में अंतिम खड़े व्यक्ति को ऊपर उठाना हमारी सरकारकी मूल भावना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में शुरू हुई यह योजना गरीब परिवारों को समान अवसर, कौशल विकास, रोजगार और जीवन स्तर सुधारने की समग्र कोशिश है। पहले चरण में 166 स्थानों पर मेले हुए थे और अब

दूसरे चरण के इस बड़े आयोजन को सोनीपत की ऐतिहासिक धरती पर शुरू करना गर्व की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की बहनों के लिए लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की जा चुकी है और इसकी दो किस्तें भी जारी हो चुकी हैं। सरकार का संकल्प है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि गुरुवार को 509 गरीब परिवारों को मकान आवंटन की प्रक्रिया भी पूरी की। गरीबों के सशक्तिकरण और मजबूती के लिए सरकार तेज गति से काम कर रही है।

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत और पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय विचार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की टीम पूरी निष्ठा से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय मेले सरकार और जनता को सेवाभाव के साथ जोड़ने वाला मजबूत माध्यम बन रहे हैं। हरियाणा अब केवल विकास नहीं, बल्कि मानवता के उत्थान की राह पर तेजी से आगे है। उन्होंने कहा कि योजनाएं तभी सार्थक होती हैं जब वे फाइलों में नहीं, बल्कि धरातल पर गरीब तक सम्मानपूर्वक पहुंचे।

डॉ. शर्मा ने कहा कि पूरे देश में गरीब कल्याण, कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में मिली नई गति के अनुरूप हरियाणा में भी अंत्योदय मेलों को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जा रहा है। लाडो लक्ष्मी योजना सहित 50 संकल्प पूरे होना जनता के विश्वास का प्रमाण है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने कहा कि अंत्योदय मेला गरीब परिवार उत्थान के संकल्प का बड़ा संदेश है।

पुलिस ने जुआ खेलते छह आरोपी को किया गिरफ्तार

कोरबा/जांजगीर-चांपा। जिले में जुआ-सट्टा पर नकेल कसने पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में पामगढ़ थाना पुलिस ने बीती देर रात कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में छह जुआरियों को रंगे हाथ पकड़ा। आरोपितों के कब्जे से 6 हजार रुपये नकद और 52 पत्तियों की ताश की गड्डी जब्त की गई। पामगढ़ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम पनगांव स्थित बंधवा तालाब के नीचे कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर छह आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया। पकड़े गए जुआरियों में रामप्रसाद साहू निवासी पनगांव, शिवराम साहू निवासी पनगांव, संतोष दास निवासी पनगांव, विरेंद्र कुमार रत्नाकर निवासी सेमरा , घनश्याम वैष्णव निवासी सेमरा और सीताराम साहू निवासी पनगांव शामिल है। पुलिस जुआरियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी पामगढ़ निरीक्षक मनोहर सिन्हा, उमेश दिवाकर, महेश राज, भुनेश्वर पटेल और विश्वजीत आदिले का विशेष योगदान रहा।

बांग्लादेश के वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन 6 घंटे बाद मुक्त

कर्मचारियों ने कार्यालय में बनाया था बंधक

ढाका। एजेंसी

बांग्लादेश में बुधवार दोपहर कार्यालय में बंधक बनाए गए वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन अहमद को रात करीब 8 बजे पुलिस की मदद से बाहर निकला गया। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के कर्मचारियों ने वित्त सलाहकार डॉ. अहमद को उनके कार्यालय में ही बंधक बना लिया था। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज कर रही है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक बांग्लादेश के प्रशासनिक हलकों में बुधवार दोपहर करीब 02 बजे उस समय हलचल मच गई जब विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के कर्मचारियों ने वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन अहमद को सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में बंधक बना लिया।

सचिवालय की चौथी मंजिल पर प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने सलाहकार के कार्यालय के बाहर नाकाबंदी कर दी थी। प्रदर्शनकारी

- सरकार के गठन के बाद कर्मचारियों में असंतोष तेजी से बढ़ रहा है
- सभी सरकारी कर्मचारियों को 20 प्रतिशत विशेष भत्ता दिए जाने की मांग की

सभी सरकारी कर्मचारियों को 20 प्रतिशत विशेष भत्ता दिए जाने की मांग कर रहे हैं।

घटनाक्रम के मुताबिक प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने वित्त सलाहकार को उनके कार्यालय में गुरुवार तक मांगें पूरी किए जाने की बात कह कर वार्ता के लिए बुलाया। उनके कार्यालय पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारी तत्काल मांगें पूरी करने पर अड़े रहे। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का कहना था कि सरकार जबतक गजट अधिसूचना जारी नहीं करती वे पीछे नहीं हटेंगे। प्रदर्शनकारियों ने उनके कार्यालय की नाकेबंदी कर दी। आखिरकार रात करीब 8 बजे पुलिस की मदद से उन्हें बाहर निकाला गया। कर्मचारियों का यह प्रदर्शन ऐसे समय में हो रहा है जब अंतरिम सरकार के गठन के बाद कर्मचारियों में असंतोष तेजी से बढ़ रहा है।

बांग्लादेशी अर्थशास्त्री सालेहुद्दीन अहमद अगस्त 2024 से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के वित्त सलाहकार हैं। वे बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर भी हैं।

पर्यवेक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिलेगी आईटी सक्षम ट्रेनिंग : दीया

जयपुर। एजेंसी

उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दीया कुमारी की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में समेकित बाल विकास सेवाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा, निदेशक वासुदेव मालावत सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में दीया कुमारी ने निर्देश दिए कि नव नियुक्त महिला पर्यवेक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकताओं को आईटी एनेबल्ड (IT-enabled) प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि सेवा प्रदायगी की गुणवत्ता में और अधिक सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण नियमित रूप से उपलब्ध करवाया जाना चाहिए तथा प्रशिक्षण प्रक्रिया को पूरी तरह आईटी आधारित बनाया जाए। उप मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी सहायिकाओं, कार्यकताओं,

महिला पर्यवेक्षकों, सीडीपीओ और उपनिदेशकों के क्षमता संवर्धन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों के आधारभूत और ढांचागत विकास को गति देने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय, पेयजल और विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है और संबंधित कार्यों को तेजी से पूर्ण किया जाए

बारात में हर्ष फायरिंग, 10वीं के छात्र को लगी गोली

नोएडा। जारचा थाना क्षेत्र के नरौली गांव में बीती रात बुधवार को आई एक बारात में हर्ष फायरिंग के दौरान चली गोली 10वीं कक्षा के छात्र को जा लगी। घायल हालत में उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी विजय कुमार गौतम ने गुरुवार को बताया कि नरौली गांव में रहने वाले अजीत नागर के यहां लोनी के मेवला भट्टी गांव से बारात आई थी। बारात में आए लोगों ने हर्ष फायरिंग की। इसी बीच एक गोली 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र तनिष्क कालू पुत्र सत्येंद्र को जा लगी। उसे अत्यंत गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि किशोर की हालत नाजुक बनी हुई है। इस मामले में लड़की और लड़के पक्ष की तरफ से पुलिस को सूचना नहीं दी गई थी। एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की तो हर्ष फायरिंग की बात की पुष्टि हुई। मामले में 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

आरसीए की सीनियर सलेक्शन कमेटी से हटाने पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर। एजेंसी

राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की सीनियर सलेक्शन कमेटी के चेयरमैन को पद से हटाने से जुडे मामले में प्रमुख खेल सचिव, सहकारिता रजिस्ट्रार, एड-हॉक कमेटी के कन्वीनर और सदस्य धनन्जय सिंह, पिंकेश जैन, मोहित यादव और आशीष तिवाडी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस संदीप तनेजा की एकलपीठ ने यह आदेश राहुल कांवट की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता को गत 21 जुलाई को सत्र 2025-26 के लिए आरसीए की सीनियर सलेक्शन कमेटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। इस नियुक्ति पर आरसीए की साधारण सभा ने भी सहमति दे दी थी। वहीं गत 2 नवंबर को एड हॉक कमेटी के चारों सदस्यों ने विधि विरूद्ध तरीके से याचिकाकर्ता को इस पद से हटा दिया। याचिका में इसे

चुनौती देते हुए कहा गया कि उसे हटाने की कार्रवाई विधि विरूद्ध और अवैध है। क्योंकि उसे हटाने की कार्रवाई एड-हॉक कमेटी के कन्वीनर की सहमति से नहीं की गई थी। कन्वीनर ने 2 नवंबर को ही अलग से आम सूचना जारी कर कहा था कि याचिकाकर्ता को हटाने की कार्रवाई गलत है। इसके अलावा याचिकाकर्ता की नियुक्ति को आरसीए की साधारण सभा ने अनुमोदित किया है। ऐसे में एक ओर जहां साधारण सभा में लिए गए निर्णय को एड-हॉक कमेटी पलट नहीं सकती, वहीं दूसरी ओर इस कार्रवाई में एड-हॉक कमेटी के कन्वीनर की सहमति भी नहीं है।

हसदेव नदी में डूबने से तीन छात्रों की मौत

कोरबा/जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में हसदेव नदी के हनुमान धारा त्रिदेव घाट में डूबने से तीन छात्रों की मौत हो गई। एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम ने करीब 25 घंटे की तलाश के बाद आज गुरुवार सुबह तीनों के शव बरामद कर लिए। मृतकों की पहचान रूद्र, युवराज और नेलशन के रूप में हुई है, जो क्रमशः 5वीं, 8वीं और 9वीं कक्षा के छात्र थे और मनका पब्लिक स्कूल में पढ़ते थे। चांपा पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 10 बजे स्कूल की छुट्टी होने के बाद रूद्र, युवराज और नेलशन तीनों बच्चे साइकिल से हसदेव नदी के हनुमान धारा नहाने पहुंचे थे। शाम तक उनके घर न लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की। मोबाइल लोकेशन के आधार पर उनकी अंतिम स्थिति का पता लगाया गया। तलाशी के दौरान त्रिदेव घाट के पास बच्चों की साइकिलें, कपड़े और चप्पलें मिलीं। सूचना मिलते ही चांपा पुलिस, एसडीआरएफ की टीम और एसडीएम पवन कोसमा मौके पर पहुंचे। बच्चों की खोज के लिए हसदेव नदी का जल प्रवाह अस्थायी रूप से रोका गया।

अमेरिका में राष्ट्रपति ने किया ट्रंप गोल्ड कार्ड लॉन्च

सरकारी खजाने में भारी बढ़ोतरी का दावा

वॉशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रंप गोल्ड कार्ड के नाम से नया वीजा प्रोग्राम शुरू किया है।इसकी घोषणा करते हुए बुधवार को उन्होंने कहा कि लोग इस गोल्ड कार्ड नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे। ट्रंप का दावा है कि नए वीजा प्रोग्राम से अमेरिकी खजाने में अरबों डॉलर की बढ़ोतरी होगी। ट्रंप ने वॉइट हाउस के रूजवेल्ट रूम में बिजनेस लीडर्स की मौजूदगी में इस बहुप्रतीक्षित योजना की घोषणा की। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'अमेरिकी सरकार का ट्रंप गोल्ड कार्ड आज आ गया। सभी योग्य और वेरिफाइड लोगों के लिए नागरिकता का सीधा रास्ता। अमेरिकी कंपनियां अपनी प्रतिभाओं को अपने पास रख पाएंगी। लाइव साइट 30 मिनट में खुलेगी।' इस कार्ड को लॉन्च करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि यह ग्रीन कार्ड

जैसा है लेकिन इससे फायदा कहीं ज्यादा है।इससे आने वाला अरबों डॉलर अमेरिकी सरकार के खजाने में जाएगा। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश में प्रतिभाशाली लोगों को लाने का मौका देगा। 'ट्रंप गोल्ड कार्ड' के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इसकी आधिकारिक वेबसाइट पर इच्छुक लोग आवेदन कर सकते हैं। ट्रंप गोल्ड कार्ड पाने के लिए व्यक्तिगत आवेदकों को 10 लाख डॉलर (1 मिलियन डॉलर) देना होगा। भारतीय करेंसी में इसका मूल्य करीब 9 करोड़ रुपये है। जबकि कंपनियों द्वारा प्रायोजित आवेदकों के लिए यह राशि 20 लाख डॉलर है, जिसकी भारतीय करेंसी में मूल्य करीब 18 करोड़ रुपये है। इसके साथ 15,000 डॉलर की नॉन-रिफंडेबल प्रोसेसिंग फीस भी देनी होगी।

समीक्षा कृषि, उद्यान, सैनिक कल्याण और ग्राम्य विकास विभागों की समन्वित समीक्षा बैठक संपन्न

गावों का विकास और पॉलीहाउस स्थापना की रफ्तार को और तेज करें: गणेश

- युवाओं और किसानों के लिए नए अवसर विकसित किए जाएंगे
- योजनाओं का प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिखाई दे

अल्मोड़ा। एजेंसी

मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को बैठक में लखपति दीदी योजना, पलायन रोकथाम योजना,ऐपल मिशन, मौन पालन व मधुग्राम के रूप में ग्रामों का विकास और पॉलीहाउस स्थापना की रफ्तार को और तेज करने पर विशेष जोर दिया। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज सर्किट हाउस में कृषि, उद्यान, सैनिक कल्याण और ग्राम्य विकास विभागों की समन्वित समीक्षा बैठक ली।

इस मौके पर मंत्री ने कहा कि ये सभी योजनाएं सीधे किसानों व ग्रामीण महिलाओं की आजीविका से जुड़ी हैं। इसलिए प्रत्येक लाभार्थी तक योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनपद में हॉर्टी-टूरिज्म की परिकल्पना पर भी काम प्रारम्भ करने पर जोर देते हुए कहा कि उद्यानिकी को पर्यटन से जोड़कर युवाओं और किसानों के लिए नए अवसर विकसित किए जाएंगे।

समीक्षा के दौरान मंत्री ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के दावों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित किया जाए ताकि किसानों को समय पर आर्थिक राहत मिल सके। उन्होंने कृषि विभाग द्वारा वितरित किए जाने वाले उपकरणों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि किसान को जो उपकरण मिले, वह उपयोगी और टिकाऊ हो । श्री जोशी ने जनपद में बंजर पड़ी भूमि के उपयोग की दिशा में ठोस योजना बनाकर उसे मिशन मोड में लागू करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि अनुपयोगी भूमि को उत्पादक बनाया जा सके।

मंत्री ने सैनिक कल्याण की समीक्षा के दौरान श्री जोशी ने जिला सैनिक विश्राम गृह एवं विभाग के कार्यालय के पुनर्निर्माण को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि कार्यालय एवं विश्राम गृह के निर्माण के लिए त्वरित प्रक्रिया अपनायी जाये।

मंत्री ने उद्यान, कृषि और ग्राम्य विकास विभागों से आपसी समन्वय मजबूत करने और जनप्रतिनिधियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने को कहा, ताकि योजनाओं का प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिखाई दे। बैठक में उपाध्यक्ष, महिला उद्यमिता परिषद गंगा बिष्ट, जिलाधिकारी अंशुल सिंह, अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र, भाजपा महानगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, पूर्व जिलाध्यक्ष रवि रौतेला सहित अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

कांग्रेस-सपा ने देश और प्रदेश को लूटा : स्वतंत्र देव

फरुर्खाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने समाजवादी पार्टी व कांग्रेस पर जमकर प्रहार किए। वह बुधवार देर रात पूर्व विधायक कुलदीप गंगवार के पुत्र अभय सिंह के आशीर्वाद कार्यक्रम में शामिल होने फरुर्खाबाद पहुंचे थे। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने दो टूक लहजे में कहा कि सपा और कांग्रेस जब भी सत्ता में आती हैं तो राज्य और देश को लूटने का काम करती हैं। उन्होंने कहा कि इन पार्टियों के पास कोई ठोस एजेंडा नहीं होता और वे केवल परिवारवाद, वंशवाद, जातिवाद की राजनीति करती हैं। वहीं, भाजपा कार्यकर्ता सत्यनिष्ठा से काम कर रहे हैं। जल शक्ति मंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मतदाता सूची एसआईआर में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत या स्थानांतरित हो चुके लोगों के नाम हटाने का काम परिश्रम से कर रहे हैं।

उपराज्यपाल सिन्हा ने जम्मू में आतंक पीड़ितों के 41 परिवारों को नौकरी पत्र सौंपे

जम्मू। एजेंसी

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को जम्मू में आतंकवाद पीड़ितों के 41 परिवार के सदस्यों को नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हम पूरे आतंकी इकोसिस्टम को खत्म कर रहे हैं। हमने शांति खरीदी नहीं, बल्कि शांति स्थापित की है। एलजी ने नागरिक शहीदों को श्रद्धांजलि दी और आतंक पीड़ित परिवारों का दुख साझा किया। उपराज्यपाल ने यह नियुक्ति पत्र अनुकंपा नियुक्ति नियम एसआरओ-43 और पुनर्वास सहायता योजना (आरएएस) के तहत आयु में छूट के मामलों में 22 लाभार्थियों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के शहीदों के 19 आश्रितों को सौंपे। उन्होंने कहा कि

आतंकवाद पीड़ित परिवारों को दशकों तक चुपचाप संघर्ष करने के लिए छोड़ दिया गया। इन परिवारों को न्याय से वंचित कर दिया गया। गहरे घाव कभी ठीक नहीं हुए। ऐसे परिवारों को अब पहचाना, सम्मान और पुनर्वास किया जा रहा है।

उन्होंने दोहराया कि उन परिवारों की गरिमा और आर्थिक सुरक्षा बहाल करना उनकी प्रतिबद्धता है, जिन्होंने सबसे अधिक कीमत चुकाई है।

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध है। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते है, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है। ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शलाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते है। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्ही फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नीबू का रस मिलाए। इसको हर दो घंटे बाद पीए। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस ले। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाए। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नही होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजाना सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मॉर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मॉर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते है, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते है। अनुलोम- विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते है। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती है। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नही होती।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरे और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते है।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमश: चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते है।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नही रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते है। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते है।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते है।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नही होता।

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते है, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

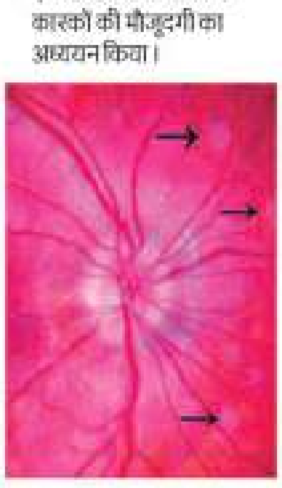

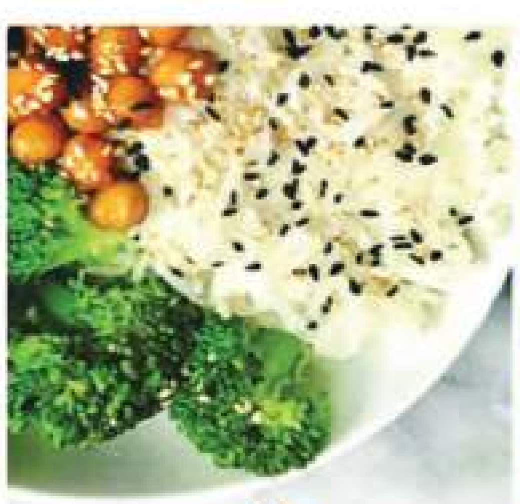

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नही? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नही सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नही एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनौलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन है, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नही। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटैशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई- 20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते है। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते है, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडो में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नही खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते है, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते है। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उल्टा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नही होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते है। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प है। बहुत से लोग सोचते है कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत है तथा इन्हें रिफाइन भी नही किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नही। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नही। आप केले या दूध से भी काम चला सकती है।
- मछली खाने के बाद दूध नही पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नही होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते है। ये लो कैलोरी जरूर होते है, लेकिन इसमें फ्रूक्टोस होने के कारण शुगर फ्री नही होते।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित। प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741